भोपाल
रविवार, 6 अप्रैल 2025
चैत्र मास शुक्ल पक्ष-09
वर्ष : 12, अंक : 05
पृष्ठ : 14 मूल्य : 4.00 **

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम
अधि. 38
न्यून. 22

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
हैदराबाद — गुजरात
शाम 7.30 बजे से

नवमी-मां सिद्धिदात्री

सिद्ध गन्धर्व यक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि।
सेव्यमाना सदा भूयात सिद्धिदा सिद्धिदायिनी।

अब तक 22 देशों के सर्वोच्च पुरस्कार से नवाजे जा चुके हैं पीएम मोदी

श्रीलंका ने मोदी को दिया 'मित्र विभूषण सम्मान' प्रधानमंत्री बोले- ये करोड़ों भारतीयों का सम्मान

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच बहुत गहरी दोस्ती है। हम ऐसे पड़ोसी हैं जिनके बीच गहरे ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संबंध हैं और ये संबंध लंबे समय से चले आ रहे हैं। हमारे संबंध साझा मूल्यों, आपसी सम्मान और समान हितों पर आधारित हैं।

श्रीलंका के साथ अच्छे संबंध होने पर ही मिलता है सम्मान

एजेंसी ▶▶ कोलंबो

श्रीलंका की सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'श्रीलंका मित्र विभूषण सम्मान' से सम्मानित किया है। श्रीलंका की सरकार यह सम्मान उन देशों के राष्ट्राध्यक्षों को देती है, जिनके श्रीलंका के साथ अच्छे संबंध होते हैं। भारत के ऐतिहासिक तौर पर श्रीलंका के साथ अच्छे संबंध ▶▶ शेष पेज 6 पर

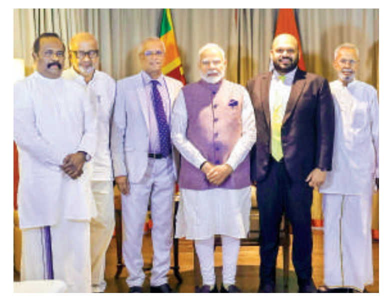

◆ पीएम मोदी ने उठाया मछुआरों का मुद्दा

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच सदियों पुराने आध्यात्मिक और आत्मीयता भरे संबंध हैं। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि 1960 में गुजरात के अरावली में मिले भगवान बुद्ध के अवशेष को श्रीलंका में दर्शन के लिए भेजा जा रहा है। त्रिंकोमाली के थिरुकोनेश्वरम मंदिर के जीर्णोद्धार में भारत सहयोग देगा। हमने मछुआरों की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। हम सहमत हैं कि हमें इस मामले ▶▶ शेष पेज 6 पर

आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री-श्री रविशंकर ने 'रामनवमी' पर 'हरिभूमि' के लिए लिखा विशेष आलेख

अपने भीतर के राम को पहचानिए!

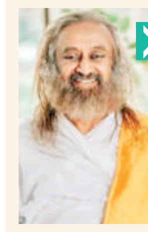

श्री श्री रवि शंकर

इस राम नवमी अपने भीतर के राम को जाग्रत करें और अपने जीवन को सत्य, प्रेम और प्रकाश से आलोकित करें

रामनवमी विशेष

रामायण न केवल एक ऐतिहासिक ग्रंथ है, बल्कि यह हमारे भीतर चलने वाली आध्यात्मिक यात्रा का भी प्रतीक है। इसके सभी पात्र और घटना हमारे जीवन के किसी न किसी पहलू को दर्शाते हैं। राम का अर्थ प्रकाश, दिव्यता और आत्मा से है। यह हमारे भीतर की चेतना है, जो हमें सही मार्ग पर ले जाती है। जब भीतर का प्रकाश जाग्रत होता है, तब सच्चे अर्थों में राम हमारे भीतर जन्म लेते हैं। दशरथ का अर्थ 'दस रथ' अर्थात दस इंद्रियां - पांच ज्ञानेंद्रियां (आंख, कान, नाक, जीभ, त्वचा) और पांच कर्मेंद्रियां (हाथ, पैर, मुंह, गुदा, जननेंद्रिय) हैं। जब ये इंद्रियां संतुलित होती हैं और कुशलता (कौशल्या) से जुड़ती हैं, तब आत्मा रूपी श्रीराम का जन्म होता है। यह दर्शाता है कि जब हम अपने इंद्रियों को नियंत्रित करते हैं और कुशलता से कार्य करते हैं, तब हमारे भीतर दिव्यता प्रकट होती है। लक्ष्मण जागरूकता का प्रतीक हैं, जो आत्मा के साथ हमेशा रहती है। भरत चमक और प्रतिभा को दर्शाते हैं, जो हमारे भीतर की सकारात्मक ऊर्जा है। शत्रुघ्न का अर्थ शत्रु का नाश करने वाला होता है। जब भीतर शत्रु उत्पन्न ही नहीं होते, तो हमें उनसे लड़ने की आवश्यकता ही नहीं होती। यह दर्शाता है कि आत्मा जब जागृत होती है, तो सभी नकारात्मक भाव समाप्त हो जाते हैं। अयोध्या हमारे शरीर का प्रतीक है, जो वध करने लायक नहीं है। हमारा शरीर एक मंदिर है, जिसमें आत्मा रूपी राम का वास होता है। जब हमारा मन और आत्मा संतुलन में होते हैं, तब हम सच्चे अर्थों में अयोध्या में निवास ▶▶ शेष पेज 6 पर ▶▶ पढ़ें पेज 04 भी

संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने वाराणसी में विद्यार्थियों से किया 'सीधा संवाद'

हिंदुओं के मंदिर-पानी और श्मशान एक हों, सभी पंथ, जाति, समुदाय साथ आएं

विधि-विधान से 15 मिनट मंत्रोच्चार के बीच विश्वनाथ बाबा का दर्शन-पूजन और अभिषेक किया

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने शनिवार को वाराणसी में कहा कि श्मशान, मंदिर और पानी सब हिंदुओं के लिए एक होना चाहिए। इसी लक्ष्य के साथ संघ काम कर रहा है। हिंदू समाज के सभी पंथ, जाति, समुदाय साथ आएं। यही संघ की परिकल्पना है। संघ का मतलब सबकी मदद करना और युवा शक्ति को सही दिशा देना है। शनिवार सुबह वे काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने विधि-विधान से 15 मिनट मंत्रोच्चार के बीच बाबा का दर्शन-पूजन और अभिषेक किया। संघ प्रमुख आईआईटी बीएचयू के जिमखाना मैदान में 70 मिनट तक रहे। उन्होंने आईआईटी के 100 से ज्यादा छात्रों का योग, खेल और वैदिक मंत्रों का उच्चारण देखा। छात्र उन्हें देख कर जय बजरंगी, भारत माता की जय और वंदे मातरम का उद्घोष करते दिखे।

संघ प्रमुख आईआईटी बीएचयू के जिमखाना मैदान में 70 मिनट तक रहे

आईआईटी के 100 से ज्यादा छात्रों का योग खेल और वैदिक मंत्रों का उच्चारण देखा

संघ प्रमुख ने कहा कि हम अपनी भाषा, संस्कृति और संस्कार को बचाने के लिए खुद से पहल करें

डॉ. भागवत ने पूछा...
बताइए संघ क्या है?

डॉ. भागवत ने छात्रों से पूछा- क्या आप संघ को समझते हैं, बताइए संघ क्या है? इस पर छात्रों ने कहा- संघ का मतलब हिंदुत्व को बढ़ावा देना। सनातन की रक्षा करना। धर्म कोई भी हो, सबकी मदद करना और युवा शक्ति को सही दिशा दिखाना, यही संघ है। संघ संगठन का उद्देश्य हिंदू धर्म को मजबूत करने का है। हिंदुत्व की विचारधारा को फैलाना है। भारतीय संस्कृति और उसके सभ्यता के मूल्यों को बनाए रखने के आदर्श को बढ़ावा देना है। यह आपको भी ख्याल रखना चाहिए। हिंदू समुदाय को मजबूत करने के साथ ही हिंदुत्व की विचारधारा को फैलाना है। भारतीय संस्कृति और उसके सभ्यतागत मूल्यों को बनाए रखने के आदर्श को बढ़ावा ▶▶ शेष पेज 6 पर

बीएचयू में छह दशक बाद तीसरे संघ प्रमुख का प्रवास

डॉ. भागवत ने शुक्रवार को बीएचयू में लगभग छह दशक पुरानी एक परंपरा पुनर्जीवित की। वह तीसरे संघ प्रमुख हैं जिनका बीएचयू के छात्रों के बीच कार्यक्रम हुआ है। हालांकि महामना मालवीय की बगिया में भैयाजी दाणी, राजेंद्र सिंह उर्फ रज्जू भैया, केसी सुदर्शन का भी प्रवास हुआ है, लेकिन तब वह संघचालक नहीं थे। संघ के संस्थापक डॉ. केशव हेडगेवार पहले संघचालक थे, जिनका बीएचयू के विद्यार्थियों के बीच कई बार प्रवास हुआ था। तब संघ के द्वितीय संघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर 'गुरुजी' बीएचयू में छात्र और बाद में प्राध्यापक थे। डॉ. हेडगेवार के संपर्क में आने के बाद वह संघ से जुड़े। बाद में वह संघचालक के रूप में भी बीएचयू आए थे। संघ के एक बुजुर्ग स्वयंसेवक ने याद किया कि लगभग छह दशक बाद मोहन भागवत संघचालक के रूप में बीएचयू पहुंचे हैं।

तब केसी सुदर्शन को नहीं मिली थी अनुमति

उन्होंने बताया कि तत्कालीन संघचालक केसी सुदर्शन को विज्ञान भारती के एक कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था। उनका आना तय भी था, लेकिन तब बीएचयू प्रशासन ने उन्हें परिसर में आने की अनुमति देने से इंकार कर दिया था। उनकी जगह दूसरे केंद्रीय पदाधिकारी आए थे। तब प्रो. पंजाब सिंह बीएचयू के कुलपति थे।

खबर संक्षेप

शिर्डी में भीख मांगते मिले इसरो के पूर्व अधिकारी!

शिर्डी। विशेष अभियान में एक भिखारी अंग्रेजी में भीख मांगता हुआ मिला। पुलिस पूछताछ में उन्होंने खुद का नाम केएस नारायणन बताते हुए कहा कि वे सेवानिवृत्त इसरो अधिकारी हैं और 2008 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली। उन्होंने कहा कि वह दर्शन के लिए शिर्डी आते हैं। बैग चोरी हो गया।

बाघ के नाखूनों की तस्करी करने वाले तीन गिरफ्तार

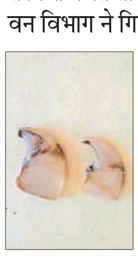

शहडोल। बाघ के नाखूनों की तस्करी करते तीन आरोपियों को वन विभाग ने गिरफ्तार कर लिया है। यह नाखून संजय गांधी टाइगर रिजर्व में मृत पड़े बाघ से आरोपियों ने निकले थे और बिक्री करने की फिराक में थे। तभी वन विभाग की विशेष टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

चलती बस में हार्ट अटैक चालक की सांसें थमी

आगर मालवा। कानड़ में यात्रियों से भरी बस के ड्राइवर को चलती बस में हार्ट अटैक आ गया। स्टीयरिंग पर ही उनकी सांसें टूट गईं। किस्मत से सभी यात्री सुरक्षित रहे। बस कानड़ बस स्टैंड से 9:25 बजे रवाना हुई थी। चालक रईसुद्दीन निवासी आगर मालवा की तबीयत बिगड़ी और अटैक से मौत हो गई।

दोनों सदनों से हो चुका है पारित

देश में नया वक्फ कानून लागू राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दी मंजूरी

■ वक्फ अधिनियम 2025 के नाम से जाना जाएगा

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वक्फ संशोधन बिल को मंजूरी दे दी। यह बिल हाल ही में लोकसभा और राज्यसभा से पारित हुआ था। शनिवार को राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद वक्फ संशोधन बिल अब आधिकारिक रूप से कानून बन गया है। इस नए कानून को 'वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025' के नाम से जाना जाएगा, जो वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन, पंजीकरण और सरकारी जमीनों पर दावों को लेकर सख्त नियम लागू करता है। यह कदम वक्फ बोर्ड में ▶▶ शेष पेज 6 पर

वे भोपाल से देवास जा रहे थे

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज के काफिले का वाहन पलटा

■ तीन पुलिसकर्मी घायल, अस्पताल में इलाज

भोपाल। भोपाल से देवास जा रहे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के काफिले में शामिल पुलिस की गाड़ी आष्टा थाना क्षेत्र के ग्राम बेदाखेड़ी के पास हादसे का शिकार हो गई है। काफिले में शामिल गाड़ी अनियंत्रित होकर पलटने से उसमें सवार 3 पुलिस के जवान घायल हुए हैं। घायल जवानों को तुरंत इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शिवराज सिंह चौहान शनिवार को भोपाल से देवास जिले के खातेगांव ▶▶ शेष पेज 6 पर ▶▶ पढ़ें पेज 14 भी

2 दमकल, 50 ट्रैक्टरों ने पाया काबू

रायसेन: भीषण आग में 100 एकड़ फसल जलकर हुई राख

■ एक दर्जन से अधिक किसानों की फसल जली

रायसेन। जिले के ग्राम मुड़िया खेड़ा में शनिवार दोपहर गेहूं की फसल और नरवाई में आग लग गई। तेज हवाओं के कारण आग ने तेजी से फैलते हुए करीब 100 एकड़ फसल को अपनी चपेट में ले लिया। भीषण आग में करीब एक दर्जन से अधिक किसानों की फसल जलकर खाक हो गई। पीड़ित किसानों ने बताया कि तेज हवा चलने से लगभग 100 एकड़ में खड़ी गेहूं की फसलें आग की भेंट चढ़ गई। सूचना मिलते ही रायसेन और गैरतगंज से दमकल की गाड़ियां ▶▶ शेष पेज 6 पर

सुप्रीम कोर्ट से खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को बड़ी राहत

मानसिंह के मामले में एसआईटी के गठन और खात्मा रिपोर्ट में हस्तक्षेप करने से किया इंकार

गोविंद सिंह राजपूत की प्रतिक्रिया

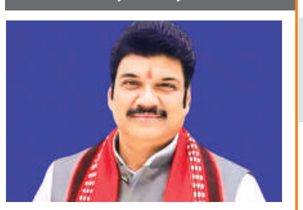

सार्वजनिक जीवन में मर्यादाओं का पालन करते हुए कई बार अग्निपरीक्षा देनी होती है और झूठे आरोपों का सामना भी करना पड़ता है, किंतु षड़यंत्र और झूठ कई दिनों तक नहीं टिकता है।

सीबीआई जांच की मांग को भी शीर्ष अदालत ने 'अनुचित और बिना ठोस आधार' के मानते हुए खारिज कर दिया

◆ मंत्री राजपूत के समर्थकों में खुशी और संतोष का माहौल, विपक्ष पूरी तरह से हताश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश के वरिष्ठ मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष न्यायालय ने मानसिंह प्रकरण में सीबीआई जांच की मांग और एसआईटी गठित कर खात्मा रिपोर्ट में हस्तक्षेप की याचिका को सिरे से खारिज कर दिया है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि जब निचली अदालत में खात्मा/खारिजी रिपोर्ट प्रस्तुत हो गई है और जांच एजेंसियों ने अपनी भूमिका

निभा ली है, तब न्यायालय को मामले में हस्तक्षेप करने की कोई आवश्यकता नहीं है। साथ ही, सीबीआई जांच की मांग को भी अदालत ने 'अनुचित और बिना ठोस आधार' के मानते ▶▶ शेष पेज 6 पर

◆ मंत्री राजपूत बोले-सुप्रीम कोर्ट का आदेश षड़यंत्र करने वालों को करारा जवाब

विदित हो कि सागर निवासी विनय मलैया और राजकुमार सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में अलग-अलग याचिका दाखिल कर सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूर्व में गठित एसआईटी के गठन को चुनौती देते हुए सीबीआई जांच की मांग की थी, साथ ही एसआईटी द्वारा प्रस्तुत खात्मा रिपोर्ट पर सवाल उठाए थे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में मर्यादाओं का पालन करते हुए कई बार अग्निपरीक्षा देनी होती है और झूठे आरोपों का सामना भी करना पड़ता है, किंतु षड़यंत्र और झूठ कई दिनों तक नहीं टिकता है। सुप्रीम कोर्ट ने मेरे खिलाफ षड़यंत्र करने वालों को अपने आदेश के मार्फत करारा जवाब दिया है।

जगनिवास प्रभु प्रकटे
अखिल लोक बिश्राम....
जन-जन की प्राण शक्ति
धर्म और न्याय के रक्षक मर्यादा पुरुषोत्तम
भगवान श्रीराम के अवतरण दिवस
श्रीराम नवमी
के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
मैहर
मां शारदा पूजन
विकास कार्यों का
भूमिपूजन एवं शिलान्यास
अपराह्न 1:00 बजे
चित्रकूट
गौरव दिवस कार्यक्रम
गंगा आरती एवं दीपोत्सव
सायं 5:30 बजे
गरिमामयी उपस्थिति
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव
6 अप्रैल 2025
सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक अभ्युदय के पथ पर बढ़ता
धार्मिक पर्यटन को समृद्ध करता मध्यप्रदेश
D-11001/25
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

5 लाल किले पर होगा तीन दिवसीय विक्रमादित्य...

10 समाज के ज्वलंत मुद्दों को नृत्य में पिरोकर किया...

अन्य पुस्तक विक्रेताओं के पास उपलब्ध नहीं पुस्तकों की जानकारी जो मौजूद, वह भी अधूरी

प्रदेशभर के 34 हजार 701 स्कूलों में से मात्र 9 हजार 263 ने सार्वजनिक किया किताबों का ब्यौरा

नए सत्र के साथ ही निजी स्कूलों का 'दबाव' शुरू, निर्धारित दुकानों पर ही मिल रही पुस्तकें

राजधानी में ही शासन-प्रशासन के आदेशों की हो रही अवहेलना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हरिभूमि पड़ताल

प्रदेश में नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो गया है, इसके साथ पुस्तकों सहित अन्य शैक्षणिक सामग्री को लेकर निजी स्कूलों की मनमानी और निर्धारित दुकानों से शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराए जाने के दबाव का खेल भी शुरू हो गया है। हालात यह हैं कि निजी स्कूल खुलेआम शासन-प्रशासन के आदेशों की अवहेलना कर रहे हैं। ऐसे में अभिभावक और बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

दरअसल, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सत्र शुरू होने के पहले स्कूल फीस और पुस्तकों का ब्यौरा सार्वजनिक करने को लेकर शासन-प्रशासन द्वारा आदेश जारी किए गए थे, लेकिन अंतिम तिथि निकलने बाद भी अधिकतर निजी स्कूलों ने फीस, पुस्तकों सहित अन्य ब्यौरा नहीं दिया है।

पालक महासंघ मप्र के अनुसार, पूरे प्रदेश में संचालित प्रदेश के करीब 34 हजार 701 स्कूलों में से मात्र 9 हजार 263 स्कूलों की ओर से फीस व पुस्तकों की जानकारी सार्वजनिक की गई है और वह भी अधूरी है। हालात यह हैं कि राजधानी भोपाल में ही अधिकारी आदेशों का पालन नहीं करा पा रहे हैं। इधर विभागीय अधिकारियों का दावा है कि आदेश का पालन कराया जा रहा है, नियमों का पालन नहीं करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

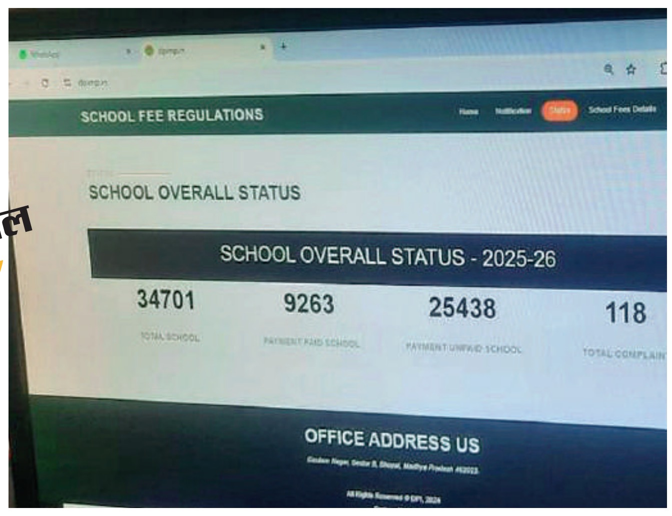

ब्यौरा पारदर्शिता के साथ सार्वजनिक किया जाए

शासन-प्रशासन द्वारा पुस्तकों और शैक्षणिक सामग्री को लेकर कई बाद दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, लेकिन इन आदेशों का पालन नहीं हो पा रहा है। इस विषय को लेकर अधिकारियों तक कई शिकायतें भी हुई हैं, लेकिन उन शिकायतों पर भी कार्रवाई नहीं हुई है। निर्धारित पुस्तकें और निर्धारित दुकानों के होने से अभिभावक और अन्य पुस्तक विक्रेता परेशान होते हैं। कुछ निर्धारित बड़े दुकानदारों के दबाव में यह पूरी स्थिति बनी हुई है। जो पुस्तकों का ब्यौरा उपलब्ध कराया जा रहा है, वह अधूरी जानकारी है। हमारी शासन-प्रशासन से मांग है कि स्कूलों की पुस्तकों का ब्यौरा पारदर्शिता के साथ सार्वजनिक किया जाए और नियमों का पालन नहीं करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

मोनू पटेल, खुशी बुक डिपो

महासंघ आंदोलन का रास्ता अपनाएगा

स्कूलों को लेकर अब तक विभाग के पास 118 शिकायतें पेंडिंग है, जिनका अब तक निराकरण नहीं हो सका है। हम जल्द ही इस मामले को लेकर स्कूल शिक्षा मंत्री सहित विभागीय अधिकारियों से मिलेंगे। अभिभावकों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो एक बार फिर पालक महासंघ आदोलन का रास्ता अपनाएगा।

कमल विश्वकर्मा, अध्यक्ष, पालक महासंघ

मामले में विशेष रूप से ध्यान दिया जाए

हर अभिभावक का अधिकार है कि वह अपनी पंसद की दुकान से अपने बच्चे के लिए पुस्तकें व शैक्षणिक सामाग्री खरीदे। उन पर किसी प्रकार का दबाव नहीं होना चाहिए। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा की गई सूची में कई स्कूल मनमानी पूर्वक बदलाव कर रहे हैं। शासन-प्रशासन को चाहिए कि इस मामले पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाए।

देवेंद्र तिवारी, बुक डिपो

जांच कराकर तत्काल कार्रवाई करेंगे

शासन-प्रशासन के आदेश का पालन सभी को करना होगा। अगर कहीं नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन स्तर एक टीम बनाई गई है, जो निरीक्षण के साथ कार्रवाई करेगी। अगर किसी अभिभावक को समस्या है तो वह हमें सीधे लिखित शिकायत कर सकते हैं, हम जांच कराकर तत्काल कार्रवाई करेंगे।

एनके अहिरवार, जिला शिक्षा अधिकारी

भोपाल के सांसद आलोक शर्मा ने किया शुभारंभ

भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर छह पर मध्य प्रदेश का पहला पॉड होटल शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर छह पर मप्र का पहला पॉड होटल शुरू हो गया है। इसका शुभारंभ भोपाल के सांसद आलोक शर्मा ने शनिवार को किया।

हालाकि पहले दिन रूम बुकिंग सुविधा शुरू नहीं की गई। रेलवे अधिकारी के अनुसार एक-दो दिन में यात्री रूम बुक करा सकेंगे। पहले दिन बड़ी संख्या में यात्री बोर्ड देखकर पॉड कांसेप्ट रिटायरिंग रूम में पहुंचे। इस दौरान वहां के कर्मचारियों से पूछताछ भी करते नजर आए।

उल्लेखनीय है कि फैमिली के लिए तीन घंटे का 400 रुपए किराया है, वहीं एक व्यक्ति के लिए तीन घंटे का किराया 200 रुपए हैं। सिंगल व्यक्ति को 24 घंटे के लिए 900 रुपए देना होगा। वहीं फैमिली के लिए 24 घंटे में 1500 रुपए किराया देना होगा।

70 हजार यात्रियों को ध्यान में रखकर शुरू किया पॉड होटल

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि यह सुविधा भोपाल रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन गुजरने वाले लगभग 70,000 यात्रियों को ध्यान में रखकर शुरू की गई है। इस पॉड स्टाइल होटल का संचालन भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आइआरसीटी) द्वारा किया जाएगा। यात्रियों को यह सुविधा न केवल आरामदायक ठहराव प्रदान करेगी, बल्कि उन्हें आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से भी लैस करेगी।

भक्तों को कष्टों से बचाती है माता काली, नई गाड़ी का यहां पूजन करने से नहीं होता एक्सीडेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शक्ति रूपेण संस्थिता
देवी मंदिरों की परिक्रमा

नवरात्रि के चलते इन दिनों माता रानी के दरबार में भक्तों की भीड़ देखने को मिल रही है। माता के भक्त मां की कृपा पाने के लिए पूजा अर्चना कर रहे हैं। राजधानी में वैसे तो ममतामयी मां के कई मंदिर हैं, लेकिन मिसरोद इलाके में स्थित काली माता मंदिर की अपनी महिमा है।

नवरात्रि में नर्मदापुरम रोड पर मिसरोद क्षेत्र में मेन रोड पर स्थित मां काली के मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। इस मंदिर की अपनी कहानी है। पहले यहां पर रोजाना हादसे हुआ करते थे, लेकिन माता रानी के मंदिर की स्थापना होने के बाद यहां पर हादसे होना बंद हो गए। अब इस रूट से गुजरने वाले अधिकांश वाहन चालक माता रानी के मंदिर के सामने पहले सिर झुकाकर माता के चरणों में अपनी हाजरी लगाकर आगे का सफर तय करते हैं।

नवरात्रि पर मंदिर में लगी रहती है भक्तों की लंबी कतार

मंदिर की स्थापना होने के बाद यहां नहीं हुए रोड एक्सीडेंट

पहले यहां रोजाना होते थे हादसे

मंदिर के पुजारी कृष्णकांत तिवारी ने बताया कि भोपाल-नर्मदापुरम हाईवे रोड पर रोजना सड़क हादसे हुआ करते थे। इसके बाद यहां पर मंदिर की स्थापना की गई। तब से यहां पर कोई सड़क हादसा नहीं हुआ। अगर कोई हादसा होता भी है, तो किसी को कोई चोट नहीं आती है। इसके अलावा माता रानी के दरबार की मान्यता है कि यहां पर कोई भक्त नई गाड़ी लेकर पूजन करने व माता रानी को प्रसाद चढ़ाने से कभी एक्सीडेंट या हादसे का शिकार नहीं होता।

मां के आशीर्वाद से पूरी होती हैं हर मुराद

अमित ठाकरे ने बताया कि वह कई सालों से माता रानी के दर्शन के लिए आ रहे है। मां के आशीर्वाद से सभी मुरादें पूरी होती हैं। हम लोग एक-दो माह में माता रानी के दर्शन करने जरूर से पहुंचते हैं। माता रानी भी बुला लेती हैं।

काफी तरक्की हुई

भक्त हर्षा ने बताया कि माता रानी के आशीर्वाद से काफी तरक्की हुई, आज घर-परिवार में सभी अच्छे रहते है।

नवरात्रि के आठवें दिन मंदिरों में माता के दर्शन करने उमड़े श्रद्धालु

अष्टमी पर मां महागौरी का किया हवन-पूजन श्रद्धालुओं ने कन्या पूजन कर करवाया भोजन

घरों में श्रद्धालुओं ने की कुलदेवी की पूजा, माता से सुख-समृद्धि का मांगा आशीर्वाद

श्रद्धालुओं ने माता को अर्पित की चुनरी, श्रीफल और श्रृंगार, खीर-पुड़ी-हलवा का लगाया भोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

चैत्र नवरात्रि की अष्टमी शनिवार को राजधानी भोपाल सहित प्रदेशभर में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई। हे माता महागौरी हमारी संतान को दीर्घायु और सुखद जीवन देना। हे मां भगवती हमारे बच्चों के भविष्य में सदैव सफलता का प्रकाश देना।

राजधानी में नवरात्रि के आठवें दिन शनिवार को यज्ञ-हवन और विशेष पूजा-अर्चना के साथ श्रद्धालुओं ने माता महागौरी से अपने बच्चों के लिए आशीर्वाद मांगा। भक्तों ने घरों में अपनी कुलदेवी एवं महागौरी दुर्गा की पूजा-अर्चना कर ज्योत जलाई और माता रानी से सुख समृद्धि की कामना की। लोगों ने कुलदेवी को खीर-पुड़ी, हलुए का भोग लगाया। मंदिरों में माता को नवीन पोशाक धारण करवा कर विशेष श्रृंगार किया गया। साथ ही मंदिरों व घरों में कन्या पूजन कर भोजन भी कराए। वहीं शनिवार को मंदिरों के पटल पूरे दिन श्रद्धालुओं के लिए दर्शन को खुले रहे।

राजधानी के माता मंदिर, शीतलामाता मंदिर टीलाजमालपुरा, कर्फ्यू वाली माता मंदिर, मिनाल के सर्वधर्म मंदिर, टीटी नगर माता मंदिर, बिड़ला मंदिर, मां वैष्णो धाम आदर्श नगर, हमीदिया रोड दुर्गा मंदिर, करोंद दुर्गा मंदिर के अलावा सलकनपुर स्थित बिजयासन माता मंदिर, तरावली स्थित हरसिद्धि माता मंदिर में भी विशेष हवन पूजन का आयोजन किया गया। नवें दिन मां सिद्धिदात्रि की पूजा की जाएगी। नवरात्र के अंतिम दिन धार्मिक व सामाजिक समितियों द्वारा हवन पूजा व भंडारे के आयोजन किए जाएंगे।

सुबह से लगने लगी थी भक्तों की भीड़

तलैया स्थित काली माता के मंदिर में उमड़े श्रद्धालु।

मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ लग रही है। कई मंदिरों में भक्तों को पैर रखने तक की जगह नहीं मिल रही थी। तो वहीं मंदिरों में शाम को माता रानी का विशेष श्रृंगार व आरती की गई। मां दुर्गा धाम अशोक विहार शक्तिपीठ मंदिर में अष्टमी महापर्व पर जगत जननी मां दुर्गा सहित नौ माताओं का अलौकिक श्रृंगार व आरती की गई। इस दौरान भक्तों ने माता रानी के दर्शन कर सुखी जीवन के लिए आशीर्वाद मांगा। वहीं रविवार को दुर्गा नवमी पर भी कई लोग कुलदेवी की पूजा करेंगे।

पूजा से संतान को कार्यों में मिलती है सफलता

पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि अष्टमी के दिन महागौरी की पूजा से संतान के कार्यों में सफलता मिलती है। फलस्वरूप शनिवार का दिन सनातन धर्मावलंबियों के लिए विशेष आराधना का रहा। महाअष्टमी पर पूर्ण विधि-विधान के साथ कन्याओं को मां का रूप मानकर पूजन किया जाता है। इसके चलते जगह-जगह कन्या पूजन किया गया। लोगों ने मंदिरों व घरों पर कन्या भोज का आयोजन किया। शीतला माता मंदिर टीला जमालपुरा के पुजारी श्री हरि जोशी ने बताया कि मंदिर में उत्साह उमंग के साथ भव्य आरती की गई।

अष्टमी पर मां दुर्गा की महाआरती हुई

दादाजी धाम मंदिर में शनिवार को अष्टमी पर मां दुर्गा जी का विशेष श्रृंगार हुआ। साथ ही भजन कीर्तन हुए। महाआरती की गई। इसमें विभिन्न क्षेत्रों से वर्धमान सिटी, पटेल नगर, सिद्धार्थ लेक सिटी महिलाएं पुरुष बच्चे सभी ने महाआरती की बाद सभी भक्तों ने महाप्रसादी ग्रहण किया। रविवार को रामनवमी पर दोपहर 12 बजे भगवान श्रीराम नवमी मनाई जाएगी।

महिलाओं को सुहाग सामग्री का किया वितरण

मां दुर्गा धाम शक्तिपीठ मंदिर में शनिवार रात 8:30 बजे चैत्र नवरात्रि की अष्टमी महापर्व जो जगत जननी मां दुर्गा की प्राण प्रतिष्ठा के दिवस अवसर के रूप में नाया जाता है। शनिवार को भक्तगणों ने अनंत दीपों को प्रज्ज्वलित कर श्रद्धा और भक्ति के साथ महाआरती की। इसके बाद महिलाओं को सुहाग की सामग्री का वितरण किया गया।

टीटी नगर माता मंदिर में हवन करते श्रद्धालु।

अष्टमी पर कन्या भोज में इस बार कहीं दूध से बनी बर्फी, तो कहीं गरी की मिठाई रही खास

अष्टमी के मौके पर कई लोग कन्या पूजन (कन्या भोज) करते हैं। इस दौरान तरह-तरह के पकवान तैयार किए जाते हैं। आमतौर पर चावल की खीर, आलू छोला की सब्जी व हलवा और पूरी ही खाने में परोसा जाता है। लेकिन इस बार कई जगहों पर कई जगहों पर दूध और मेवों से बनी बर्फी तो कहीं पर गरी की मिठाई भी भोग में शामिल की गई। इसके अलावा मौसम के अनुसार फल जैसे सेब या केले का भोग लगाया गया।

युवा कार्यक्रम में रामायण की शिक्षा, भगवान श्री राम के दिव्य गुण और रावण के दुर्गुणों के बारे में बताया

पटेल नगर स्थित इस्कॉन मंदिर में शनिवार को एक यूथ प्रोग्राम का आयोजन रामायण की शिक्षा से किया गया। इस कार्यक्रम का प्रारंभ हरिनाम कीर्तन से हुआ। इस मौके पर राधेश्याम प्रभु ने भगवान श्री राम के दिव्य गुण और रावण की दुर्गुणों के बारे में बताया। श्री राम धर्म व आत्म संयम के प्रतीक हैं और रावण अहंकार और कामुकता का प्रतीक है। विभीषण से हमें शिक्षा लेना चाहिए। कैसे हमें अधर्म का त्याग करके, भगवान की शरण लेना चाहिए। उन्होंने भगवद गीता का उदाहरण देते हुए बताया, काम, क्रोध और लोभ नरक के तीन द्वार हैं। उसका हमको त्याग करना चाहिए। रावण काम का, हिरण्यकसिपु क्रोध का एवं दुर्योधन लोभ का प्रतीक है। आज के युवा विशेष रूप से सोशल मीडिया द्वारा प्रभावित होता है।

पुष्य नक्षत्र, लक्ष्मी नारायण व सुकर्मा योग में आज मनाई जाएगी रामनवमी

मंदिरों सहित चौक-चौराहों में किया जाएगा प्रसाद वितरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रविवार को चैत्र नवरात्रि का अंतिम दिन रहेगा। इस दिन श्री राम का प्राकट्योत्सव भी मनाया जाएगा। त्रेतायुग में चैत्र शुक्ल की नवमी को भगवान विष्णु अयोध्या में राजा दशरथ के यहां पुत्र बनकर राम अवतार लिए थे। मां चामुण्डा दरबार के पुजारी गुरु पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि रामनवमी के दिन पुष्य नक्षत्र सुबह 9.42 बजे प्रवेश करेगा, वहीं दोपहर 2.16 बजे तक कर्क लग्न रहेगा। इसी लग्न में भगवान राम की पूजा शुभ फलदायक है। पुष्य नक्षत्र, लक्ष्मी नारायण व सुकर्मा योग में रामनवमी मनाई जाएगी। इस शुभ संयोग में आने वाला विशेष त्यौहार बहुत ही शुभ माना जाता है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी को भगवान श्री राम का जन्म हुआ था। इसलिए उस दिन श्री रामनवमी का त्योहार मनाते हैं।

रघुवंशी समाज मनाएगा प्राकट्योत्सव

रघुवंशी समाज की संस्था रामोत्सव हिंदू सांस्कृतिक उत्सव समिति की ओर से रवींद्र भवन में भगवान श्रीराम प्राकट्योत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर भजन गायक पद्मश्री अनूप जलोटा भजनों की प्रस्तुति देंगे। साथ ही संगीतमय सुंदरकांड, भगवान श्रीराम की महाआरती व शोभायात्रा निकाली जाएगी। रविवार सुबह नौ बजे जवाहर चौक स्थित रघुकुल भवन में सुंदरकांड होगा। जहां भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना के साथ महाआरती होगी। दोपहर तीन बजे शोभायात्रा निकाली जाएगी। यात्रा में भगवान श्री राम का दरबार आकर्षण का केंद्र रहेगा। यात्रा रघुकुल भवन से शुरू होकर जवाहर चौक, न्यू मार्केट होते हुए रवींद्र भवन पहुंचेगी। दिल्ली के प्रसिद्ध रामलीला मंडल के कलाकारों द्वारा रामलीला का मंचन किया जाएगा। रात सात बजे अनूप जलोटा भजनों की प्रस्तुति देंगे।

जगह-जगह निकलेगी शोभायात्रा

रामनवमी पर सभी मंदिरों में विशेष आयोजन होंगे। राजधानी की धार्मिक व सामाजिक समितियां चल समारोह, शोभायात्रा निकालेंगी। मंदिरों सहित चौक चौराहों में प्रसाद वितरित किया जाएगा। गुरुबख्श तलैया स्थित श्रीराम मंदिर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन होगा। भगवान का पंचामृत स्नान, भक्ति संगीत और दोपहर 12 बजे भगवान श्री राम के जन्म पर विशेष आरती के बाद महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा।

रामनवमी शोभायात्रा के चलते बदली रहेगी राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था

मुख्य शोभायात्रा घोड़ा नक्कास चौराहे से लोहा बाजार, भवानी चौक सोमवार तक निकलेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रामनवमी के अवसर पर रविवार को शहर में विभिन्न क्षेत्रों में रामबारात, चुनरी यात्रा, कलश यात्रा, जवारे विसर्जन तथा भंडारे आदि कार्यक्रम बड़ी संख्या में आयोजित किए गए हैं। इस दौरान शहर में यातायात व्यवस्था कई स्थानों में परिवर्तित रहेगी। मुख्य शोभा यात्रा हनुमानगंज क्षेत्र में घोडा नक्कास चौराहा से लोहा बाजार, लखेरापुरा से भवानी चौक सोमवार तक निकलेगी।

इसी प्रकार शाहपुरा क्षेत्र, हबीबगंज क्षेत्र में साई बाबा मंदिर, 11 नम्बर स्टॉप से , गोविंदपुरा क्षेत्र बरखेडा पठानी से, पिललानी क्षेत्र में 100 क्वार्टर से, अरेरा हिल्स में वल्लभ भवन से बिडला मंदिर तक, टी.टी नगर क्षेत्र में जवाहर चौक से न्यू मार्केट, रंगमहल चौराहा, टॉप एंड टाउन से रोशनपुरा चौराहा, पॉलिटेक्निक चौराहा होकर रविन्द्र भवन पहुंचेगी। इसके अलावा कोलार क्षेत्र में सिग्नेचर रेजिडेंसी कॉलोनी से राम बारात निकलेगी जो वेस्टर्न जैन मंदिर, दानिश कुंज, बंजारी चौराहा, मंदाकिनी चौराहा से जेके अस्पताल रोड होकर सिग्नेचर रेजिडेंसी कॉलोनी पर समाप्त होगी। इसी तरह निशातपुरा, पिपलानी, अवधपुरी, कटारा हिल्स, छोला मंदिर, अशोका गार्डन, बागसेवनिया, शहांजहानाबाद, कोहेफिजा, बैरागढ़, चुना भट्टी, हबीबगंज, ऐशबाग मंगलवारा आदि थाना क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर भंडारें तथा जवारे विसर्जन आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इन क्षेत्रों की भी बदली रहेगी व्यवस्था

इसी तरह करवला घाट, कमलापति घाट, खटलापुरा, शितलदास की बंगिया, शहपुरा आदि स्थानों पर जवारे विसर्जन की व्यवस्था शाम 4:00 बजे से रहेगी। इन कार्यक्रम को देखते हुए शहर में कई स्थानों पर सामान्य यातायात समय-समय पर आवश्यकतानुसार परिवर्तित किया जाएगा। पूरी तरह से किसी भी मार्ग को परिवर्तित अथवा बंद नहीं किया जाएगा। तो वहीं शाम के समय व्हीआईपी रोड, हमीदिया रोड, पीरगेट, करोद, कोलार रोड़, हबीबगंज, 10 नंबर, माता मंदिर, न्यू-मार्केट, लिलि टॉकिज, तलैया आदि क्षेत्र में आवागमन करने के दौरान पुलिस द्वारा लगाए गए डायवर्सन एवं दिशा निर्देशों का पालन करें, जिससें आवागमन में होने वाली असुविधा से बच सकेगें। साथ-साथ शहर के यातायात का सुगम संचालन किया जा सकेगा।

राजधानी से करीब एक हजार लोग हज यात्रा पर जाएंगे

आठ हजार हज यात्री जाएंगे सऊदी, 29 अप्रैल को पहली फ्लाइट भरेगी उड़ान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हज यात्रा के लिए तीसरी किस्त जमा करवाने की अंतिम तारीख तीन अप्रैल को खत्म होने के साथ ही इस बार की हज यात्रा का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। हज यात्रा पर जाने के लिए पहली फ्लाइट 29 अप्रैल को उड़ान भरेगी, मध्य प्रदेश से इस बार हज यात्रा पर करीब 8 हजार हज यात्री रवाना होंगे।

अकेले राजधानी से करीब एक हजार लोग हज यात्रा पर जाएंगे। तीसरी किस्त में एक लाख तीन हजार रुपए की राशि जमा कराई गई। ये उन यात्रियों के लिए है, जो भोपाल से रवाना होंगे। इसकी अंतिम तारीख तीन अप्रैल थी। 29 अप्रैल से हज यात्रा शुरू होगी। हर यात्री के लिए शेड्यल अलग से जारी किया जाएगा। हज कमेटी पदाधिकारियों के मुताबिक सेंट्रल हज कमेटी से इसे जारी किया जाएगा। फ्लाइट के आधार पर यात्रियों को तारीख दी जाएगी। इस तारीख से 48 घंटे पहले उन्हें हज हाउस पहुंचना पड़ेगा। प्रदेश में इंदौर और भोपाल से हज यात्रियों को सीधे जद्दा भेजा जाएगा।

फाइल फोटो

मुंबई से 54 हजार और इंदौर से 17 हजार महंगी हज यात्रा

भोपाल से हज पर जाने वाले यात्रियों को इंदौर, नागपुर और मुंबई से ज्यादा खर्च करना पड़ेगा। भोपाल और मुंबई से हज यात्रा पर जाने वाले हाजियों को 54 हजार रुपए का खर्च में फर्क है। वह भोपाल एयरपोर्ट से टेक ऑफ करने वाले हज यात्रियों को मुंबई के मुकाबले 54 हजार रुपए ज्यादा देना पड़ेंगे।

200 हज यात्रियों को मिली रुबात में ठहरने की सुविधा

भोपाल, सीहोर व रायसेन जिले के 900 हज यात्रियों में से 200 हज यात्रियों को मक्का-मदीना की रुबात में ठहरने की सुविधा मिलेगी। उक्त यात्रियों का चयन पिछले दिनों मोती मस्जिद में जिम्मेदरों की मौजूदगी में कुरआ के द्वारा किया गया।

मां की आराधना और शक्ति का पर्व नवरात्रि का आज अंतिम दिन

हरिभूमि ने राजधानी के कुछ ऐसे ही भक्तों से की बातचीत

चैत्र नवरात्रि पर्व पर किसी ने एक वक्त के खाने पर तो किसी ने फलाहार पर किया नौ दिन उपवास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मां की आराधना और शक्ति का पर्व नवरात्रि, शक्ति और भक्ति का उत्सव है, जिसमें श्रद्धालु व्रत रखते हैं, विशेष पूजा-अर्चना करते हैं और धार्मिक अनुष्ठानों का पालन करते हुए नौ दिन उपवास रखते हैं और नवमी पर अपना उपवास खोलते हैं। हरिभूमि ने राजधानी के कुछ ऐसे ही मां के भक्तों से जाना कि आखिर उन्होंने नौ दिन कैसे मां की उपासना की।

वर्किंग वुमन होने के कारण 8 घंटे जॉब करना पड़ता है, इसलिए एक समय खाना या फलाहार लेती हूं

वर्ष 2000 के बाद हमारे घर में तीन मौते हुईं, जिससे मैं काफी सहम गई थी, रोजाना पूजा करती हूं

काफी छोटी थी तभी से व्रत उपवास करती आई हूं

डीआईजी होम्स निवासी शैल सक्सेना ने बताया कि मैं बचपन से ही देवी जी की अराधना करती आई हूं और जब काफी छोटी थी तभी से व्रत उपवास करती आई हूं। पहले तो मैं सिर्फ फलाहार पर ही मां के व्रत करती थी। क्योंकि मैं एक वर्किंग वुमन हूं। रोजाना आठ घंटे जॉब करना पड़ता है, इसलिए अब फलाहार या एक समय खाना लेकर व्रत करती हूं, जिसमें सुबह शाम पूजा-अर्चना करना मेरे उपवास का हिस्सा है।

मां में गहरी आस्था, इसलिए फलाहार पर करती हूं व्रत

राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन की प्रोफेसर डॉक्टर नीता खरे का कहना है कि साल 2000 के बाद हमारे घर में तीन मौते हुईं, जिससे मैं काफी सहम गई थी। इसके बाद मेरी ईश्वर में गहरी आस्था हो गई। मैं रोजाना महाकाल में रुद्राभिषेक किया करती थी और तभी से पूजा-अर्चना का भी मेरा समय बढ़ गया और उसी वक्त से नवरात्रि के व्रत करती आई हूं। उन्होंने कहा कि मैं सिर्फ फलाहार पर ही नवरात्रि के व्रत करती हूं।

बचपन से मां का उपासक, इसलिए करता हूं व्रत

श्री राम कॉलोनी निवासी नरेश चौहान कहते हैं कि मैं बचपन से ही मां का उपासक रहा हूं और नवरात्रि में मां की भक्ति करने के साथ-साथ व्रत भी करता रहा हूं और इस बार भी मैंने एक टाइम खाने पर व्रत रखा है। उन्होंने कहा कि जब आप मां की उपासना करते हो तो आपको अंदर से एक अलग ही शक्ति मिलती है और इसीलिए व्रत उपवास करने से मन को शांति मिलती है और परेशानी आपसे कोसों दूर भागती है।

भाजपा स्थापना दिवस, 45 साल-बेमिसालः सुशासन, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, विकास, अंत्योदय एवं सुरक्षा के स्वप्न हुए पूर्ण

भाजपाः लोकमंगल के संकल्प की एक अनुपम यात्रा, असंभव को संभव करने का नाम

विशेष आलेख

विष्णुदत्त शर्मा

स्वाधीनता के बाद 1951 में जब पं. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, बलराज मधोक और पं. दीनदयाल उपाध्याय ने जनसंघ बनाया था, तब विरोधी उनकी हंसी उड़ाते थे कि ये क्या राजनीति करेंगे और जब 1980 में भाजपा की स्थापना हुई तो उनके ताने बढ़ते गए। उस दौर में अटलजी ने कहा था, अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा। आज भाजपा सारी चुनौतियों को ध्वस्त कर भारतीय राजनीति की धुरी बन चुकी है, केंद्र सहित डेढ़ दर्जन राज्यों में सरकार है और सबसे पुरानी पार्टी का दावा करने वाले पारिवारिक गिरोह न केवल सत्ता को तरस रहे हैं, बल्कि अपनी तथाकथित पारंपरिक सीटें भी गंवा बैठे हैं।

पार्टी ने आज देश को भ्रष्टाचार, परिवारवाद, अपराधीकरण, जातिवाद, तुष्टिकरण, आतंकवाद जैसे घावों से मुक्ति दिलाई है। साथ ही उन सभी मुद्दों को हल करके राजनीति में नया अध्याय लिख चुकी है, जिनका पार्टी ने अपनी स्थापना के समय संकल्प लिया था। कश्मीर में धारा 370 की विदाई या श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण से लेकर वक्फ बोर्ड कानून में बदलाव तक के सभी संकल्प भाजपा ने पूरे किए हैं। अपनी कथनी और करनी से आज यह सर्वाधिक विश्वसनीय पार्टी बनी है तथा जिसको करोड़ों लोगों ने अपनाकर विश्व का सर्वोच्च दल बनाया है। आज की पीढ़ी को यह जानना चाहिए कि 1980 के दशक का कालखंड भारतीय राजनीति का टर्निंग प्वाइंट था, जब भाजपा की स्थापना हुई। देश के राष्ट्रवादी समूहों ने एक सपना देखा था, जिसमें भारतीय गौरव की पुनर्स्थापना, भारत के आध्यात्मिक उत्कर्ष, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता के विचार-बीज थे। आज वे बीज फलदार वृक्ष हो चुके हैं। 45 साल में वे सपने साकार हो चुके हैं।

हालांकि भाजपा का गठन 6 अप्रैल, 1980 को हुआ, परन्तु इसका अतीत भारतीय जनसंघ से जुड़ा है। स्वतंत्रता प्राप्ति तथा देश विभाजन के बाद बढ़ते अल्पसंख्यक तुष्टिकरण, लाइसेंस-परमिट-कोटा राज, राष्ट्रीय असुरक्षा, राष्ट्रीय मसलों जैसे कश्मीर आदि पर घुटनाटेक नीति, अंतरराष्ट्रीय मामलों में भारतीय हितों की अनदेखी आदि अनेक मुद्दों के गर्भ से जनसंघ का जन्म हुआ था। आपातकाल के बाद भाजपा की स्थापना सुदृढ़, सशक्त, समृद्ध एवं स्वावलम्बी भारत के निर्माण के लिए की गई थी, जिसमें पार्टी ने एक ऐसे राष्ट्र की कल्पना की, जो आधुनिक दृष्टिकोण से युक्त एक प्रगतिशील एवं प्रबुद्ध समाज का प्रतिनिधित्व करता हो तथा भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के मूल्यों से प्रेरणा लेकर 'विश्व गुरू' के रूप में विश्व पटल पर स्थापित हो। साथ ही संविधान सम्मत सभी नागरिकों को राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक न्याय, समान अवसर सुनिश्चित हो। पं. दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित 'एकात्म-मानवदर्शन' को अपना वैचारिक दर्शन मानते हुए भाजपा ने अंत्योदय, सुशासन, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, विकास एवं सुरक्षा के संकल्प पर चलते हुए 45 साल की अनुपम यात्रा पूरी की है। इस यात्रा में पं. दीनदयालजी के अंत्योदय से लेकर पीएम नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास जैसा अद्वितीय संकल्प पूर्ण हुए हैं। भाजपा के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के अन्तर्गत गरीबी मिटाना केवल नारा नहीं, उसका संकल्प था। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण कोई भाषण नहीं, प्रतिबद्धता थी। कश्मीर में 370 की समाप्ति चुनावी जुमला नहीं, राष्ट्रीय एकात्मता का साक्षात संकल्प था। अन्त्योदय स्लोगन नहीं, यह गरीबों का जीवन स्तर उठाने का प्रण था, जिसे पार्टी का हर कार्यकर्ता 1980 से लेकर अब तक पूर्ण करने में सक्रिय हैं। अटलजी की सरकार द्वारा विपरीत परिस्थितियों में परमाणु परीक्षण हो, कारगिल विजय हो या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कश्मीर में 370 की समाप्ति हो, श्रीराम मंदिर निर्माण हो या वक्फ बोर्ड कानून में बदलाव हो, ये भाजपा की राजनीति में वे मील पत्थर हैं, जो संकल्प से सिद्धि का मंत्र बनकर पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे।

आज स्थापना दिवस के प्रसंग में भाजपा के उत्कर्ष में अमूल्य योगदान देने वाले नेतृत्व की चर्चा जरूरी है। अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर नरेंद्र मोदी तक पार्टी नेताओं ने संकल्प और साहस का नया इतिहास रचा है। भारत को परमाणु शक्ति बनाने से लेकर चंद्रयान-मंगलयान की यात्रा तक की उपलब्धि चुनावी राजनीति से अलग एक अदम्य साहस और देशभक्त नेतृत्व का प्रमाण है। 2014 से लेकर 2025 तक गरीबों के मसीहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने अपने सभी संकल्पों को एक-एक करके पूर्ण करते हुए भारत को सशक्त बनाया है। हिन्दुत्व का विचार अब सर्वग्राही बन गया है। अपनी प्रखर व प्रतिबद्ध कार्यशैली से भाजपा ने देश के राजनीतिक विमर्श को परिवर्तित करने में ऐतिहासिक सफलता पाई है। इस पड़ाव पर भाजपा अपनी पंचनिष्ठाओं की नींव पर न केवल गर्व से स्वयं खड़ी है, बल्कि उसके सहयोगी दल भी उसके साथ कंधा मिलाकर खड़े हैं। राज्य भाजपा इकाई का अध्यक्ष होने के नाते अपने अनुभव से कह सकता हूं कि विजन, संगठन, नेतृत्व और कार्यकर्ता- इन चारों अंगों के कारण भाजपा कैडर आधारित पार्टी बनी है। अटलजी, लालकृष्ण आडवानी, नरेंद्र मोदी, अमित शाह और जय प्रकाश नड्डा तक पार्टी का नेतृत्व करने वाले अनेक लोग इसी कैडर की गंगोत्री से निकले हैं। आज पीएम नरेंद्र मोदी के चमत्कारिक नेतृत्व ने भाजपा के विजन और संगठन का अतुल्य विस्तार किया है तो पार्टी की विकास यात्रा में गृह मंत्री अमित शाह का योगदान भी स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो चुका है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर उनके कुशल नेतृत्व में पार्टी ने असंभव को संभव किया है और आज पूर्वोत्तर भारत में भी भाजपा की सरकारें हैं, तो उसके पीछे अमित शाह का परिश्रम और संकल्प ही है। उनके नेतृत्व में पार्टी को विश्व का सबसे बड़ा दल बनने का गौरव भी मिला है। इस प्रसंग में यह भी कहना चाहिए कि गृह मंत्री अमित शाह ने न केवल पार्टी को शिखर पर पहुंचाया है, अपितु कश्मीर को 370 से मुक्त कराकर, नागरिकता कानून व वक्फ कानून में संशोधन कराकर देश की राष्ट्रीय अखंडता का आदर्श प्रतिमान गढ़ा है। लगातार सत्ता में रहने के बावजूद विगत मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं ने नरेंद्र मोदी और अमित शाह के चमत्कारिक नेतृत्व में पार्टी को प्रचंड बहुमत दिलाया। हम यहां लोकसभा की सभी सीटें जीते हैं और राज्य का हर बूथ मजबूत बनकर सारा संगठन नयी ऊर्जा से ओत प्रोत है। इसलिए 45 वें स्थापना दिवस पर हर बूथ पर कार्यकर्ता सम्मेलन और गांव चलो बस्ती चलो अभियान चलाया जा रहा है। हमारे दोनों नेताओं ने यह सिद्ध किया है कि यदि राजनीति की ऊर्जा को ऊर्ध्वगामी बनाया जाए और मूल्यों एवं आदर्श के साथ लोकमंगल की भावना से कार्य किया जाए तो एक समर्थ समाज और सशक्त देश बनाया जा सकता है।

(लेखक-भाजपा मध्यप्रदेश के अध्यक्ष एवं खजुराहो लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं)

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, देश के गौरवशाली इतिहास को आम लोगों के सामने लाने होगा आयोजन

लाल किले पर होगा तीन दिवसीय विक्रमादित्य महानाट्य का मंचन

सम्राट विक्रमादित्य का शासन काल सुशासन व्यवस्था का प्रस्तुत करता है आदर्श उदाहरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश के गौरवशाली इतिहास को आम लोगों के सामने लाने के लिए 2 हजार वर्ष पहले सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन के सिद्धांतों पर स्थापित शासन संचालन व्यवस्था और उनकी कीर्ति पर केन्द्रित महानाट्य की प्रस्तुति दिल्ली के लाल किले पर 12-13-14 अप्रैल को होने जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ध्येय वाक्य 'विरासत से विकास की ओर' हमारे लिए एक पाथेय की तरह सिद्ध हो रहा है। हम विकास कार्यों में विरासत को महत्वपूर्ण स्थान दे रहे हैं। मप्र सरकार सुशासन को ध्यान में रखते हुए विकास और जनकल्याण की सभी गतिविधियां संचालित कर रही है।

यह बात मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को नई दिल्ली में विक्रमोत्सव अंतर्गत सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के महामंचन के संबंध में पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही। उन्होंने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य के विराट व्यक्तित्व को सबके सामने लाने के लिए महानाट्य की कल्पना की गई है। जब इसका मंचन होगा तो इसमें हाथी, घोड़ों, पालकी के साथ 250 से ज्यादा कलाकार अभिनय करते नजर आएंगे। महानाट्य में शामिल कलाकार निजी जीवन में अलग-अलग क्षेत्र के प्रोफेशनल्स हैं।

सम्राट विक्रमादित्य के किए गए नवाचार और कार्य आज भी प्रासंगिक

2000 साल पहले सम्राट विक्रमादित्य ने की थी गणतंत्र की स्थापना

शासन व्यवस्था में नवरत्नों का समूह

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पहली बार सम्राट विक्रमादित्य की शासन व्यवस्था में ही नवरत्नों का समूह देखने को मिलता है। इन नवरत्नों में सभी अलग-अलग विषयों के विशेषज्ञ थे। उन्होंने सुशासन की व्यवस्था स्थापित की। नवरत्न सभी परिस्थितियों में सुचारू शासन संचालन में सक्षम थे। इसी क्रम में 300 साल पहले शिवाजी महाराज के अष्ट प्रधान की पद्धति में यही व्यवस्था दिखाई देती है। विक्रमादित्य उज्जैन के सार्वभौम सम्राट के रूप में लोक विख्यात हैं। आज विक्रमादित्य के अनेक पुरातत्वीय प्रमाण, लेख, मुद्रा अवशेष प्राप्त हैं।

सम्राट विक्रमादित्य ने मंदिर बनवाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य ने 2000 साल पहले गणतंत्र की स्थापना की, उन्होंने कभी स्वयं को राजा नहीं कहा। प्रधानमंत्री मोदी स्वयं को देश का प्रधान सेवक मानते हैं। मप्र सरकार ने 20 साल पहले विक्रमादित्य शोध पीठ स्थापित की है, जो विक्रमादित्य के जीवन मूल्यों पर आधारित पुस्तकें प्रकाशित कर विभिन्न तथ्य सामने ला रही है। सम्राट विक्रमादित्य ने अपने जीवनकाल में मथुरा और अयोध्या जैसे 300 से अधिक स्थानों पर मंदिरों का निर्माण कराया, साथ ही किसी को भी बेघर नहीं रहने दिया।

महानाट्य में वीर रस समेत सभी रस देखने को मिलेंगे

महानाट्य में वीर रस समेत सभी रस देखने को मिलेंगे। महानाट्य का मंचन गौरवशाली इतिहास को विश्व के सामने लाने का मप्र सरकार का एक अभिनव प्रयास है। इस कालजयी रचना को सबके सामने रखने में दिल्ली सरकार का भी सहयोग मिल रहा है। इससे पहले हैदराबाद में भी विक्रमादित्य महानाट्य की प्रस्तुति हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य का शासन काल, सुशासन व्यवस्था का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करता है। वे एकमात्र ऐसे शासक थे, जिनके जीवन के विविध प्रसंगों से आज भी लोग प्रेरणा लेते हैं।

कार्य और नवाचार आज भी प्रासंगिक

सम्राट विक्रमादित्य की ओर से किए गए कार्य और नवाचार आज भी प्रासंगिक हैं। वर्तमान में हिजरी और विक्रम संवत प्रचलन में हैं। इसमें विक्रम संवत उदार परंपरा को लेकर चलने वाला संवत है, अर्थात संवत चलाने वाले के लिए शर्त है कि जिसके पास पूरी प्रजा का कर्ज चुकाने का सामर्थ्य हो, वही संवत प्रारंभ कर सकता है।

नई दिल्ली में दीनदयाल शोध संस्थान के सेमिनार में शामिल हुए सीएम

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के समाज पर होंगे दूरगामी व्यापक प्रभाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विविध प्रकार के सकारात्मक और नकारात्मक सामाजिक प्रभाव हो सकते है। उन्होंने बताया कि शालेय जीवन में जिस प्रकार से विज्ञान के वरदान अथवा अभिशाप होने पर चर्चा की जाती थी, कंप्यूटर और इंटरनेट क्रांति के शुरुआती दौर में भी रोजगार को लेकर इसी प्रकार के प्रश्न उठते थे। वर्तमान युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के संबंध में भी विभिन्न धारणाएं बन रही हैं, जिनसे इस अत्याधुनिक तकनीक को आशीर्वाद और संकट दोनों ही रूप में देखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय शोध संस्थान की ओर से दिल्ली में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सामाजिक प्रभाव' विषय पर आयोजित सेमिनार के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आशा जताई कि इसके समाज पर दूरगामी सकारात्मक प्रभाव होंगे। उन्होंने दीनदयाल शोध संस्थान को इस गहन विषय पर सेमिनार आयोजित करने के लिए बधाई दी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शक्तिशाली तकनीक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एआई आने से यह धारणा बनी है कि इससे बहुत सी नौकरियां खत्म हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि जब कम्प्यूटर आया, तो यह ही डर बना था। जैसे उस वक्त नौकरियां पैदा हुई वैसे ही आज एआई नई नौकरियां पैदा कर रहा है, मौजूदा नौकरियों को बदल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक शक्तिशाली तकनीक है, जिसके सामाजिक प्रभाव बहुत गहरे हैं। हमें इस पर विचार करना चाहिए कि किस तरह हम इसे वरदान बनाएं। सेमिनार में केंद्रीय सूचना और प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद, नीति आयोग के सदस्य वीके सारस्वत, दीनदयाल शोध संस्थान के महासचिव अतुल जैन, आरआईएस के महानिदेशक सचिन चतुर्वेदी ने भी सत्र में अपने विचार रखे।

जल्द ही जनता को किया जाएगा समर्पित

ग्वालियर के कलेक्टर ने किया रेलवे ओवर ब्रिज का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ग्वालियर में नवनिर्मित विवेकानंद नीडम आरओबी (रेलवे ओवर ब्रिज) जल्द ही जनता को समर्पित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पिछले दिनों ग्वालियर ट्रांजिट विजिट में विमानतल पर कलेक्टर रुचिका चौहान को नीडम आरओबी का निरीक्षण कर शेष कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा कि शेष कार्य पूर्ण होते ही आरओबी का लोकार्पण किया जाएगा। ग्वालियर जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट ने भी अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि नव निर्मित आरओबी की कमियों को तत्परता से पूर्ण कराया जाए। कलेक्टर चौहान ने शनिवार को नीडम आरओबी का निरीक्षण किया।

कलेक्टर चौहान ने सेतु निगम के कार्यपालन यंत्री को आरओबी पर किए जा रहे विद्युतीकरण, रोड फिनिशिंग, आरओबी के दोनों ओर की कॉलोनियों को सड़क सुरक्षा मानकों के अनुसार जोड़ने की कार्रवाई युद्ध स्तर पर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

लैंड पूलिंग एक्ट लाकर किसानों की जमीनों को हथियाने की साजिशःचौहान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश कांग्रेस ने कहा है कि मध्यप्रदेश में भूमि अधिग्रहण कानून का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है। वहीं लैंड पूलिंग एक्ट लाकर किसानों की जमीनों को जबरन हथियाने की साजिश चल रही है।

मप्र किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह चौहान ने भोपाल में आयोजित पत्रकार वार्ता में उक्त आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की फीसदी ब्याज की योजना भी एक झूठा ढोल है जो वह लगातार पीट रही है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार को एक वर्ष से अधिक का समय हो गया लेकिन आज तक विधानसभा चुनाव 2023 में किए वायदों को पूर्ण नहीं किया, परंतु किसानों के शोषण के नए मार्ग खोलती जा रही है। मध्यप्रदेश का किसान कर्ज़ के बोझ तले दबता जा रहा है और सरकार उसे राहत देने के बजाय उससे अतिरिक्त कर्ज वसूलने में लगी हुई है। इस वर्ष ऋण जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च से आगे नहीं बढ़ाई और प्रदेश के लाखों किसान डिफाल्टर हो गए। उन्होंने बताया कि खरीफ 2024 में खाद की किल्लत के कारण किसान समय पर बौनी नहीं कर सका और फसल उत्पादन प्रभावित हुआ। किसानों को उपज के दाम भी नहीं मिला।

जल गंगा संवर्धन अभियान में भूजल पुनर्भरण के लिए डगवेल रिचार्ज विधि अपनाने का लिया निर्णय

प्रदेश में एक लाख कुओं को किया जाएगा रिचार्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रदेश सरकार ने जल गंगा संवर्धन अभियान में भूजल पुनर्भरण के लिए डगवेल रिचार्ज विधि अपनाने का निर्णय लिया है।

इसमें राज्य में एक लाख कुओं को रिचार्ज करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने इस संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए हैं। यह पहल विशेष रूप से कृषकों को रबी की फसलों की सिंचाई के लिए स्थायी जल स्रोत उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होगी।

डगवेल रिचार्ज विधिः सरल, प्रभावी और वैज्ञानिक तरीका

डगवेल रिचार्ज विधि उथले जलभृत के पुनर्भरण का एक सरल और सुलभ उपाय है। इस विधि में वर्षा जल को रिचार्ज पिट, फिल्टर के माध्यम से कुओं में प्रवाहित किया जाता है, जिससे भूगर्भीय जल स्तर में वृद्धि होती है। यह विधि भूजल स्तर बनाए रखने में मदद करती है और लंबे समय तक पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करती है।

समाज की भागीदारी भी होगी अहम

निजी कुओं की सफाई और रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित हितग्राही की होगी, वहीं सार्वजनिक कुओं की देखरेख ग्राम पंचायतें करेंगी। इससे जनभागीदारी सुनिश्चित होगी और जल संरक्षण की भावना जन-जन तक पहुंचेगी। राज्य सरकार का यह प्रयास जल संकट से जूझते ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी समाधान के रूप में उभरेगा। यह अभियान किसानों के जीवन को समृद्ध बनाने में सहायक होगा।

कुओं का चयन और रिचार्ज पिट का निर्माण

इस योजना में उन कुओं का चयन किया जाएगा, जिनमें जल स्तर 10 मीटर से अधिक है, और जो बरसात के बाद दिसंबर-जनवरी तक जल युक्त रहते हैं। मनरेगा के तहत निर्मित कपिलधारा कुओं को भी इस योजना में सम्मिलित किया जा सकता है, यदि उनमें पूर्व में रिचार्ज पिट का निर्माण नहीं हुआ है। रिचार्ज पिट, फिल्टर का निर्माण कुए से 3 से 6 मीटर की दूरी पर किया जाएगा। इसके लिए पत्थरों और मोटे रेत की परतें बिछाई जाएंगी, ताकि जल शुद्धिकरण में कोई बाधा न आए। पाइप लाइन से यह पानी सीधे कुंए में पहुंचेगा और वहां से जलस्तर को पुनर्भरित करेगा।

जुनैद व खुशी की 'लवयापा' ने ओटीटी पर दी दस्तक...

मुंबई। आमिर खान के बेटे जुनैद खान और जाह्नवी कपूर की बहन खुशी कपूर की फिल्म 'लवयापा' को 7 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। इस फिल्म से निर्माताओं के साथ-साथ दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। जुनैद और खुशी की भी खूब आलोचना हुई। सिनेमाघरों में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अब 'लवयापा' ने ओटीटी का रुख कर लिया है। 'लवयापा' का प्रीमियर 4 अप्रैल से ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर हो गया है। ऐसे में जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं।

लाइफ Style

श्रद्धा

'तुम्बाड' के निर्देशक राही से मिलाया हाथ

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की गिनती बॉलीवुड की बेहतरीन और खूबसूरत अभिनेत्रियों में होती हैं। वह पिछली बार फिल्म 'स्त्री 2' में नजर आई थी। कोई शक नहीं कि इससे उनके करियर को रफ्तार मिली, वहीं श्रद्धा की लोकप्रियता में भी जबरदस्त इजाफा हुआ।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

प्रशंसक श्रद्धा की आगामी फिल्म की राह देख रहे हैं। अब अभिनेत्री ने पहली बार साल 2018 में आई सुपरहिट फिल्म 'तुम्बाड' के निर्देशक राही अनिल बर्वे से हाथ मिलाया है। पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, तुम्बाड के निर्देशक राही अनिल बर्वे की अगली फिल्म की श्रद्धा हीरोइन बन गई हैं। एकता कपूर इस फिल्म पर पैसा लगाने के लिए तैयार हैं। वह फिल्म की निर्माता होंगी। फिल्म की कहानी लिखी जा चुकी है और श्रद्धा फिल्म की शूटिंग शुरू करने के लिए काफी उत्साहित हैं। अप्रैल के मध्य तक फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी और यह फिल्म अगले साल तक सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है।

श्रद्धा जल्द ही फिल्म 'नागिन' में भी नजर आने वाली हैं। निर्माता निखिल द्विवेदी की इस फिल्म को लेकर श्रद्धा बेहद उत्साहित हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। इसके अलावा श्रद्धा के पास मोहित सूरी की आगामी फिल्म भी है। इस फिल्म में श्रद्धा जाने-माने अभिनेता आदित्य रॉय कपूर के साथ नजर आएंगी। 'आशिकी 2' के बाद यह दोनों के बीच दूसरा सहयोग होने वाला है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

22 साल बाद बॉलीवुड में फिर लौट रहीं

मुंबई। दिग्गज अभिनेत्री राखी गुलजार इन दिनों खूब चर्चा में हैं और हों भी क्यों ना, वह लगभग 22 साल बाद अभिनय की दुनिया में जो लौट रही हैं। वह जल्द ही बंगाली फिल्म 'अमर बॉस' में नजर आएंगी। फिल्म का टीजर रिलीज हो चुका है, जिसे प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं। हमेशा की तरह राखी की अदाकारी की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं। नंदिता रॉय और शिबोप्रसाद मुखर्जी ने इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है। 'अमर बॉस' को 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। राखी इस फिल्म में शिबोप्रसाद मुखर्जी, श्राबंती चटर्जी, सौरसेनी मैत्र, गौरव चटर्जी और शाबित्री चटर्जी जैसे अन्य कलाकार के साथ नजर आएंगी।

सैफ की 'ज्वेल थीफ' 25 को ओटीटी पर

मुंबई। काफी समय से अभिनेता सैफ अली खान अपनी आगामी फिल्म 'ज्वेल थीफः द हीस्ट बिगिन्स' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान सिद्धार्थ आनंद ने संभाली है। सैफ के साथ इस फिल्म में दिग्गज अभिनेता जयदीप अहलावत भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। 'ज्वेल थीफ' का ट्रेलर 14 अप्रैल को रिलीज किया जाएगा। फिलहाल इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। बता दें कि अब तक फिल्म का टीजर भी रिलीज नहीं हुआ है। 'ज्वेल थीफ' सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म का प्रीमियर 25 अप्रैल से नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है।

पेज एक का शेष...

श्रीलंका ने मोदी को...

रहे हैं। साथ ही जब श्रीलंका आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा था तो उस वक्त भी सबसे पहले भारत ने ही श्रीलंका के लिए मदद का हाथ बढ़ाया था। अब इन अच्छे संबंधों को ही मान्यता देते हुए श्रीलंका की सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी को यह सम्मान दिया है। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी को मित्र विभूषण सम्मान का मेडल पहनाकर सम्मानत किया। सम्मान पाने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि यह भारत के 140 करोड़ देशवासियों का सम्मान है।

श्रीलंका मित्र विभूषण सम्मान के मेडल में क्या है खास?: श्रीलंका मित्र विभूषण सम्मान में एक चांदी का मेडल होता है, जिसमें बना धर्म चक्र बौद्ध विरासत का प्रतीक है। इस बौद्ध विरासत ने भारत और श्रीलंका की सांस्कृतिक परंपराओं को आकार दिया है। मेडल में बना पुन कलश (एक औपचारिक बर्तन) समृद्धि और नवीनीकरण का प्रतीक है। मेडल में बने नवरत्न दोनों देशों के बीच अमूल्य और स्थायी दोस्ती का प्रतिनिधित्व करते हैं। सूर्य और चंद्रमा प्राचीन अतीत से अनंत भविष्य तक फैले बंधन को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मानित होने के बाद कहा कि यह श्रीलंका और भारत के लोगों के बीच ऐतिहासिक संबंध और गहरी मित्रता को दर्शाता है और इसके लिए मैं राष्ट्रपति, श्रीलंका सरकार और यहां के लोगों को धन्यवाद देता हूं।

पीएम मोदी ने...

में एक मानवीय सहायता के साथ आगे बढ़ना चाहिए। हमने मछुआरों को तुरंत रिहा किये जाने और उनकी नौकाओं को वापस भेजने पर भी बल दिया। भारत और श्रीलंका का संबंध आपसी विश्वास और सद्भावना पर आधारित है।

बताइए संघ क्या...

देना है। हम अपनी भाषा, संस्कृति और संस्कार को बचाने के लिए खुद से पहल करें।

अपने भीतर के...

पकरते हैं। सीता मन का रतीक हैं। जब मन लोभ और मोह के वशीभूत हो जाता है, तब अहंकार रूपी रावण उसे हरण कर लेता है। यही कारण है कि जब हम अपने मन को विषय-वासना और अहंकार में उलझा देते हैं, तो हमारा जीवन असंतुलित हो जाता है। हनुमान प्राण-शक्ति के प्रतीक हैं। जब आत्मा और मन अलग हो जाते हैं, तब प्राण-शक्ति (हनुमान) ही उन्हें पुनः जोड़ने का कार्य करती है। इसलिए हनुमान को भक्ति और समर्पण का प्रतीक माना जाता है। जब हम अपने भीतर की ऊर्जा को सही दिशा में लगाते हैं, तब हमारी आत्मा और मन का मिलन संभव होता है। यह पूरी कथा हमारे भीतर निरंतर घटित होती रहती है। जब हमारा मन लोभ में फंसकर भटक जाता है, तब अहंकार रूपी रावण उसे हर लेता है। लेकिन जब हम अपनी प्राण-शक्ति को जाग्रत करते हैं और आत्मा की ओर बढ़ते हैं, तब हमारा मन पुनः शुद्ध होकर अपने वास्तविक स्थान (अयोध्या) में लौट आता है। आइए, इस राम नवमी अपने भीतर के राम को जाग्रत करें और अपने जीवन को सत्य, प्रेम और प्रकाश से आलोकित करें।

देश में नया वक्फ कानून...

पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में उठाया गया है। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में यह बिल भारी बहस के बाद पास हुआ था। लोकसभा में 288 वोटों से और राज्यसभा में 128 वोटों से इसे मंजूरी मिली। भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने इस बिल का समर्थन किया, जबकि विपक्षी दलों ने इसका विरोध किया था। सरकार का दावा है कि यह कानून वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग को रोकेगा और इनके असली मालिकों के अधिकारों की रक्षा करेगा।

वक्फ एक्ट से ये होगा बदलावः नए कानून के तहत अब कोई भी वक्फ संपत्ति बिना लिखित दस्तावेज के दर्ज नहीं होगी। साथ ही, सरकारी जमीनों को वक्फ संपत्ति के तौर पर दावा करने पर रोक लगाई गई है। अगर कोई जमीन विवादित या सरकारी निकली, तो उसे वक्फ में दर्ज नहीं किया जाएगा। इसके लिए कलेक्टर को जांच का अधिकार दिया गया है। वक्फ संपत्तियों का पूरा ब्योरा अब ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करना अनिवार्य होगा, जिसे 6 महीने के भीतर लागू करना है। कानून में बोहरा और अघाखानी समुदायों के लिए अलग वक्फ बोर्ड बनाने का भी प्रावधान है। साथ ही, वक्फ बोर्ड में दो गैर-मुस्लिम सदस्यों और महिलाओं की नियुक्ति सुनिश्चित की गई है। वक्फ संपत्तियों के सर्वे का जिम्मा अब सर्वे कमिश्नर की जगह कलेक्टर को सौंपा गया है।

केंद्रीय कृषि मंत्री...

संदलपुर जा रहे थे। उनका काफिला जैसे ही आष्टा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बेदाखेड़ी के पास पहुंचा तो काफिले में शामिल एक फॉलो वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। घटना में तीन पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, जिनमें एएसआई एसपी सिमोलिया, नीरज शुक्ला और आकाश अटल शामिल हैं। घायल पुलिसकर्मियों को तुरंत सीहोर जिला अस्पताल में किया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है।

रायसेनः भीषण आग में...

मौके पर पहुंचीं। वहीं, स्थानीय ग्रामीणों ने भी 50 से अधिक ट्रैक्टरों की मदद से आग बुझाने में अहम भूमिका निभाई। लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

नरवाई में झुलसा बुजुर्ग, मौतः नर्मदापुरम के माखननगर के ग्राम भटवाड़ा में नरवाई में आग लगने से एक बुजुर्ग की झूलसने से मौत हो गई है। पुलिस के मुताबिक मृतक अमरसिंह पिता रामदास यादव (58) निवासी भटवाड़ा गांव है। रोजाना की तरह सुबह 7 बजे वे गाय को चराने के लिए लेकर गए थे। सुबह 8.30 बजे के लगभग खेत के पास से गुजर रहे लोगों ने शव देखा और पुलिस को जानकारी दी। एसआई अशोक बरबड़े ने बताया मृतक का खेत है। उसी खेत की नरवाई में किसी ने आग लगाई थी। जिसकी चपेट में आने से मौत हुई। प्रथम दृष्टया ऐसी संभावना है कि बुजुर्ग धुएं और आग की वजह से गिर गए होंगे, जिसके बाद खुद उठ न पाएं और जल गए।

सागर में 5 एकड़ गेहूं की फसलः सागर में गेहूं की फसल में आग लगने से 5 एकड़ गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई। आग नरवाई में लगी थी जो हवा से गेहूं के खेत तक पहुंची। लोगों को जानकारी लगी तो ट्रैक्टर से खेत से मिट्टी खोदी, पानी डाला। इसके बाद करीब दो घंटे में आग को नियंत्रित किया जा सका।घटना रहली विकासखंड के ग्राम रमखिरिया-रहली रोड पर दोपहर के समय घटित हुई। आग की चपेट में खेत में लगी गेहूं की फसल आ गई। धुआं उठते देख आसपास के खेतों में काम कर रहे किसान दौड़े और आग बुझाने की मशक्कत शुरू की।

मानसिंह के मामले...

हुए खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। मंत्री राजपूत के समर्थकों में खुशी और संतोष का माहौल है, वहीं विपक्ष को मुद्दे के गुम होने से निराशा हाथ लगी है। विपक्ष पूरी तरह हताश हो गया है।

क्या है मान सिंह का मामला?: सागर जिले के किसान मान सिंह पटेल 2016 में गायब हुए थे। उनके परिजनों ने मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और उनके सहयोगियों पर धमकाने और अवैध रूप से अपने पास रखकर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। ओबीसी महासभा द्वारा दाखिल याचिका में सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में गोविंद सिंह राजपूत के खिलाफ एसआईटी बनाकर जांच के निर्देश दिए थे। इसके बाद मामले में स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम ने जांच कर मामले की खात्मा रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत की थी। मामले में नए सिरे से याचिका दाखिल कर सीबीआई की जांच को सुप्रीम कोर्ट ने सिरे से खारिज कर दिया।

हरिभूमि क्लासीफाइड
आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
संपर्क सूत्र : 9407279644

आवश्यकता
नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें:- 9202613238 R- 14-4-2025

आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इश्तहार, जाहिर सूचना
@ Rs. 1200/-
साइज (फिक्स) 10X4 cm
अन्य साईज में
@ Rs. 40 sq.cm
1 अप्रैल 2024 से लागू

वैवाहिकी
वधु चाहिए
वधु चाहिए
उम्र 39 वर्ष 5'-5"
स्वयं का बिजनेस
इंकम 20000
जाति महार
हेतु वधु चाहिए
पता ओम नगर
जरहाभाठा बिलासपुर
7999764615

वधु चाहिए- अग्रवाल युवक उम्र 25 वर्ष रंग गोरा इकलौता स्वंय का घर ऊंचाई 5फीट 5" शुद्ध शाकाहारी हेतु शाकाहारी वधु चाहिए। व्यवसाय स्वयं का व्यवसाय है। जाति बंधन नही शादी मन्दिर में करना है दहेज नही चाहिए मों. 7049784336 (7067)

आवश्यक सूचना

वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

- व्यावस्थापक

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी
भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें मो. 9407279644

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईटः- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद

सफेद दाग गारंटेड इलाज
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें। M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंज़िल पुरानी कज़ियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

राशिफल

मेष – किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेंगी।

वृष – मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन – पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क – आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट होगा।

सिंह – व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या – पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला – मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक – परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर – क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ – रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन – पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

शब्द पहेली - 5828

बाएँ से दाए
1. अपनापन का विलोम-5
4. हठ करना, रोना, लालसा करना-4
7. गीत (अंग्रेजी-2)
8. गलीचा, कारपेट-3
9. किनारा, छोर-2
10. झगड़ा, कहासुनी-4
11. समय, वक्त-2
13. बेबस-3
14. राष्ट्र, स्वदेश-2
15. पुत्र, लड़का-3
17. प्राप्त करना-2
19. सेंधमार-5
22. चरित्र, व्यवहार-2,3
25. जीव, दूत, जासूस-2
26. आत्मबलि देना-3
28. ताकत, जोश, बल-2
29. कराह, टीस, लालसा-3
30. वहम, संदेह-2
32. आह भरना-4
34. दूर्वा, घास-2
36. चोंगा, गाऊन-3
37. सफर, जात्रा-2
38. दयालु, कृपालु-4
39. निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. पांव, पैर-2
2. भिखारी, मंगता-3
3. अस्वीकृत करना-3,2
4. माला का मोती-3
5. बुरी आदत-2
6. नाटक से परिपूर्ण-4
7. हल्का काला, श्याम-5
10. व्यवस्थित-4
12. बुरी आदत-2
16. अनुकृति-3
17. तांबूल, पत्ता-2
18. रुखसार, कपोल-2
20. डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21. जोड़, योग-2
22. चतुर्थ-2
23. आनंद ध्वनि करना-4
24. महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25. चमकीला-5
26. नीच, नराधम -4
27. विनाश, नेस्तनाबूत-2
31. रंग (अंग्रेजी-3)
33. पराजित करना-3
35. गौरैया, एक चिड़िया-2
37. दोस्त, मित्र, सखा-2

शब्द पहेली- 5827 का हल

सूडोकु नवताल- 5838

★★★★☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5837 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट से निवेश को रखा जा सकता सुरक्षित

संभावित नुकसान को कम किया जा सकता है, रिटर्न को अधिकतम करने में मदद मिल सकती है, जोखिम प्रबंधन तकनीकों से सूचित निवेश निर्णय ले सकते हैं, बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम कर सकते हैं

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट करना बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह आपके निवेश को सुरक्षित रखने में मदद करता है। स्टॉक मार्केट एक स्वाभाविक रूप से अस्थिर वातावरण है जहां मार्केट ट्रेंड, आर्थिक स्थिति, कंपनी के प्रदर्शन और भू-राजनीतिक घटनाओं जैसे विभिन्न कारकों से जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं। इसलिए, इन्वेस्टर्स के लिए एक अच्छी तरह से परिभाषित रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी होना आवश्यक है जो संभावित नुकसान को कम करने और रिटर्न को अधिकतम करने में उन्हें मदद कर सकती है। जोखिम प्रबंधन तकनीकों को लागू करके, निवेशक सूचित निवेश निर्णय ले सकते हैं और अपने पोर्टफोलियो पर बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम कर सकते हैं। इस संदर्भ में, इस निबंध का उद्देश्य स्टॉक मार्केट में जोखिम प्रबंधन की अवधारणा, इसके महत्व, और निवेशक जो विभिन्न रणनीतियों का प्रभावी रूप से प्रबंधन करने के लिए उपयोग कर सकते हैं।

जोखिम प्रबंधन क्या है

जोखिम प्रबंधन यानी रिस्क मैनेजमेंट किसी गतिविधि या निवेश से जुड़े जोखिमों की पहचान, मूल्यांकन और कम करने की एक व्यवस्थित प्रक्रिया है। जोखिम प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य इसके रिटर्न को अधिकतम करते समय निवेश पोर्टफोलियो पर जोखिमों के संभावित प्रभाव को कम करना है। स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट में एक कॉम्प्रिहेंसिव दृष्टिकोण शामिल है जो एक इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों पर विचार करता है। इन कारकों में मार्केट ट्रेंड, आर्थिक स्थिति, राजनीतिक कार्यक्रम और कंपनी के प्रदर्शन शामिल हो सकते हैं। कई जोखिम प्रबंधन तकनीक हैं, जिनका उपयोग निवेशक जोखिमों को प्रभावी रूप से प्रबंधित करने के लिए कर सकते हैं। एक लोकप्रिय स्ट्रेटेजी विविधता है, जहां इन्वेस्टर अपने पोर्टफोलियो पर मार्केट के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विभिन्न एसेट क्लास या सिक्योरिटीज़ में अपने इन्वेस्टमेंट को फैलाते हैं. अन्य तकनीकों में हेजिंग शामिल हैं, जहां इन्वेस्टर संभावित नुकसान को ऑफसेट करने के लिए विकल्प या फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट जैसे फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट का उपयोग करते हैं, और ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट का उपयोग करते हैं।

जोखिम प्रबंधन ऐसे करता है काम

जोखिम प्रबंधन संभावित जोखिमों की पहचान करके, उनकी संभावना और संभावित प्रभाव का आकलन करके और उन जोखिमों को कम करने या उनसे बचने के लिए रणनीतियों को लागू करके काम करता है। इसमें कई चरण शामिल होते हैं।

1. जोखिम पहचान: जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया का पहला चरण निवेश पोर्टफोलियो को प्रभावित करने वाले संभावित जोखिमों की पहचान करना है। यह ऐतिहासिक डेटा विश्लेषण, मार्केट रिसर्च या एक्सपर्ट ओपिनियन जैसे विभिन्न तरीकों के माध्यम से किया जा सकता है।

2. जोखिम मूल्यांकन : संभावित जोखिमों की पहचान होने के बाद, उन्हें निवेश पोर्टफोलियो पर घटना और संभावित प्रभाव की संभावना के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है। इस चरण में जोखिम की गंभीरता और इसकी घटना की संभावना का विश्लेषण शामिल है।

3. जोखिम मूल्यांकन: जोखिमों का मूल्यांकन करने के बाद, उनका मूल्यांकन उनकी प्राथमिकता और महत्व के आधार पर किया जाता है। इस चरण में यह निर्धारित करना शामिल है कि कौन से जोखिम सबसे महत्वपूर्ण हैं और तुरंत ध्यान देना आवश्यक है।

4. जोखिम उपचार: जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया का अंतिम चरण पहचाने गए जोखिमों को कम करने या उनसे बचने के लिए रणनीतियों को लागू करना है। यह विभिन्न तकनीकों के माध्यम से किया जा सकता है, जैसे डाइवर्सिफिकेशन, हेजिंग या ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट।

जोखिम प्रबंधन के प्रकार

1. मार्केट रिस्क मैनेजमेंट : मार्केट रिस्क मार्केट की उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप नुकसान होने की संभावना है, जैसे ब्याज़ दरों, मुद्रास्फीति या करेंसी एक्सचेंज दरों में परिवर्तन। इस जोखिम प्रबंधन में निवेश पोर्टफोलियो पर बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विविधता, हेजिंग और सक्रिय पोर्टफोलियो प्रबंधन जैसी रणनीतियों का उपयोग करना शामिल है।

2. क्रेडिट रिस्क मैनेजमेंट : क्रेडिट रिस्क का अर्थ उधारकर्ता की लोन का भुगतान करने में असमर्थता के परिणामस्वरूप नुकसान को समाप्त करने की संभावना है या अन्य फाइनेंशियल प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की संभावना है। इस जोखिम प्रबंधन में उधारकर्ताओं की क्रेडिट योग्यता का आकलन करना और डिफॉल्ट के संभावित प्रभाव को कम करने के उपायों को लागू करना शामिल है, जैसे कोलैटरल या इंश्योरेंस।

3. ऑपरेशनल रिस्क मैनेजमेंट: इंटरनल प्रोसेस, सिस्टम या लोगों में विफलताओं के कारण होने वाले नुकसान का जोखिम ऑपरेशनल रिस्क है। इस जोखिम प्रबंधन में संचालन विफलताओं के संभावित प्रभाव को कम करने के लिए नियंत्रण और प्रक्रियाओं को लागू करना शामिल है, जैसे आकस्मिक प्लानिंग या आपदा रिकवरी।

4. लिक्विडिटी जोखिम प्रबंधन: आवश्यकता पड़ने पर एसेट को कैश में बदलने में असमर्थता के कारण नुकसान की संभावना को लिक्विडिटी जोखिम के रूप में जाना जाता है। यह जोखिम प्रबंधन पर्याप्त नकदी आरक्षित रखता है और यह गारंटी देने के लिए प्रक्रियाएं रखता है कि आवश्यकता होने पर एसेट को तेजी से नकद में बदला जा सकता है।

5. प्रतिष्ठात्मक जोखिम प्रबंधन: प्रतिष्ठात्मक जोखिम कंपनी की प्रतिष्ठा या ब्रांड के नुकसान के कारण होने वाले नुकसान का जोखिम है। प्रतिष्ठात्मक जोखिम प्रबंधन में कंपनी की प्रतिष्ठा को सुरक्षित रखने के उपायों को लागू करना शामिल है, जैसे कि सोशल मीडिया की निगरानी करना और नकारात्मक फीडबैक का जल्दी जवाब देना।

6. कानूनी और नियामक जोखिम प्रबंधन: नियमों और विनियमों को तोड़ने के परिणामस्वरूप होने वाला नुकसान कानूनी और नियामक जोखिम के रूप में जाना जाता है। संबंधित कानूनों और विनियमों के अनुपालन की गारंटी देने के लिए नियंत्रण और प्रक्रियाओं को लागू करना कानूनी और नियामक जोखिम प्रबंधन का हिस्सा है।

क्या हों रणनीतियां

1. डाइवर्सिफिकेशन: डाइवर्सिफिकेशन एक स्ट्रेटेजी है जिसमें पोर्टफोलियो पर मार्केट के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विभिन्न एसेट क्लास या सिक्योरिटीज़ में इन्वेस्टमेंट को फैलाना शामिल है। विभिन्न सेक्टरों, भौगोलिक क्षेत्रों और मार्केट कैपिटलाइजेशन में स्टॉक की रेंज में इन्वेस्ट करके, इन्वेस्टर पोर्टफोलियो पर किसी भी एक स्टॉक या सेक्टर के प्रभाव को कम कर सकते हैं।

2. स्टॉप-लॉस ऑर्डर: स्टॉप-लॉस ऑर्डर अगर यह एक निश्चित प्राइस पॉइंट तक पहुंचता है, तो स्टॉक बेचने का ऑर्डर है। यह रणनीति उस स्थिति में संभावित नुकसान को सीमित करने के लिए इस्तेमाल की जाती है जिसमें स्टॉक की कीमत पूर्वनिर्धारित सीमा से कम होती है।

3. हेजिंग: हेजिंग में संभावित नुकसान को ऑफसेट करने के लिए विकल्प या फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट जैसे फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट का उपयोग करना शामिल है। उदाहरण के लिए, अगर स्टॉक की कीमत कम हो जाती है, तो इन्वेस्टर संभावित नुकसान से सुरक्षा के लिए स्टॉक पर विकल्प खरीद सकता है।

4. ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट: मार्केट परिस्थितियों को शिफ्ट करने के लिए निरंतर आधार पर पोर्टफोलियो की निगरानी और बदलना को ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट के रूप में जाना जाता है। बुद्धिमानी से निवेश चयन करने के लिए, इस तकनीक के लिए मार्केट ट्रेंड, कॉर्पोरेट परफॉर्मेंस और आर्थिक डेटा का आकलन करना आवश्यक है।

5. डॉलर-लागत औसत: डॉलर-लागत औसत एक तरीका है, जिसमें मार्केट की स्थितियों के बावजूद कंपनी में नियमित अवधि में निरंतर राशि निवेश की जाती है। यह तकनीक निवेशकों को कीमतें कम होने पर अधिक स्टॉक खरीदकर मार्केट की अस्थिरता से लाभ प्राप्त करने में सक्षम बनाती है और जब कीमतें अधिक होती हैं तो कम शेयर होते हैं।

6. फंडामेंटल एनालिसिस: फंडामेंटल एनालिसिस, अपने फाइनेंशियल स्टेटमेंट, इंडस्ट्री ट्रेंड और अन्य संबंधित डेटा का मूल्यांकन करके कंपनी के अंतर्निहित मूल्य को निर्धारित करने का एक तरीका है। यह विधि उन स्टॉक को खोजने के लिए डिजाइन की गई है, जो सस्ते हैं और संभावित वृद्धि की संभावनाएं हैं।

हेल्थ इंश्योरेंस में सम इंश्योर्ड की अहम भूमिका

इंश्योरेंस में जानने लायक सबसे महत्त्वपूर्ण शब्द है सम इंश्योर्ड, हेल्थ इंश्योरेंस के संदर्भ में यह सबसे खास है. यह एक पॉलिसी वर्ष में आपके मेडिकल खर्चों के लिए आपकी इंश्योरेंस कंपनी द्वारा भुगतान की जाने वाली अधिकतम राशि को दर्शाता है। अपने सम इंश्योर्ड को निर्धारित करना महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इससे आपको पता चलता है कि कोई बीमारी या एमरजेंसी का सामना होने पर आपके पास कितना कवरेज होगा। हेल्थकेयर की लागत बढ़ रही है, ऐसे में सही सम इंश्योर्ड होने से आप मेडिकल ट्रीटमेंट पर आने वाले अधिक बिल से बच सकते हैं। हममें से बहुत से लोगों को सही कवरेज चुनना काफी मुश्किल लगता है। बुनियादी बातों को समझकर, आप अपने हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज के बारे में स्मार्ट निर्णय ले सकते हैं। इससे सुनिश्चित होता है कि आपके पास मेडिकल खर्चों को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए पर्याप्त फाइनेंशियल सहायता होगी। इसलिए, सही सम इंश्योर्ड होने का मतलब है अपने अप्रत्याशित हेल्थकेयर खर्चों के बारे में अधिक चिंता से मुक्ति।

अब आइए सम इंश्योर्ड के महत्त्व को समझते हैं

1. पर्याप्त हेल्थकेयर कवरेज लें

अपने हेल्थ इंश्योरेंस के लिए सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्वपूर्ण है। अगर आप बहुत कम सम इंश्योर्ड चुनते हैं, तो आपको मेडिकल बिल के लिए अतिरिक्त भुगतान करना पड़ सकता है और अगर आप इसे बहुत अधिक पर सेट करते हैं तो आपको ज़रूरी से अधिक प्रीमियम का भुगतान करना पड़ सकता है। सबसे अच्छा तो यह होगा कि आप ऐसा सम इंश्योर्ड चुनें, जो आपकी ज़रूरतों को प्रभावी रूप से कवर भी करे और बहुत अधिक महंगा भी न हो। इस तरह, आप बहुत अधिक प्रीमियम का भुगतान करने से बचते हुए यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपके पास अपने स्वास्थ्य खर्चों के लिए पर्याप्त सुरक्षा हो. सही संतुलन की तलाश करने से आपको फाइनेंशियल रूप से सुरक्षित रहने और किसी भी अप्रत्याशित मेडिकल खर्च या बीमारियों के लिए तैयार रहने में मदद मिलेगी। इससे आप बेफिक्र रहेंगे।

2. मन की शांति

सही सम इंश्योर्ड होने से आपको मन की शांति मिलती है। आप मेडिकल बिलों की चिंता किए बिना बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। पर्याप्त कवरेज के साथ, आप लागत के बारे में सोचे बिना सर्वश्रेष्ठ हेल्थकेयर चुन सकते हैं। यानी, यह जानते हुए अपनी रिकवरी पर ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं कि आप अप्रत्याशित खर्चों से सुरक्षित हैं। इससे आपको सुरक्षित महसूस करने में मदद मिलती है और आप इलाज के लिए भुगतान करने के तनाव के बिना तेज़ी से ठीक हो पाते हैं।

3. गंभीर बीमारियों के लिए कवरेज

गंभीर रोगों का सामना करते समय, इलाज का खर्च बहुत अधिक हो सकता है। कैंसर या हृदय रोग जैसी बीमारियों के लिए अक्सर महंगे उपचारों और हॉस्पिटल में लंबे समय तक रहने की आवश्यकता होती है। इसलिए अधिक सम इंश्योर्ड होना महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करता है कि आपके पास इन अप्रत्याशित मेडिकल खर्चों के लिए पर्याप्त कवरेज हो। पर्याप्त इंश्योरेंस के साथ, आप इलाज के लिए भुगतान करने की चिंता करने के बजाय बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं।

4. फैमिली कवरेज

फैमिली हेल्थ प्लान चुनते समय, ऐसी कवरेज राशि चुनना महत्वपूर्ण है, जो हर किसी की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा कर सके। अगर आपके परिवार में छोटे बच्चे और वृद्ध माता-पिता हैं, तो उन्हें अलग-अलग तरह की मेडिकल केयर की आवश्यकता पड़ सकती है। हर कोई सुरक्षित हो यह सुनिश्चित करने के लिए, हमेशा परिवार के प्रत्येक सदस्य की आयु, स्वास्थ्य स्थितियों और मेडिकल हिस्ट्री पर विचार करें। इस तरह, आप यह आत्मविश्वास महसूस कर सकते हैं कि आपके परिवार को उस समय सर्वश्रेष्ठ मेडिकल केयर मिलेगी, जब उन्हें इसकी सबसे ज्यादा ज़रूरत होगी।

5. टैक्स लाभ

उच्च मेडिकल खर्चों से आपको सुरक्षित रखने के लिए हेल्थ इंश्योरेंस महत्वपूर्ण है, और यह टैक्स लाभ के साथ आता है जिससे आपको पैसे बचाने में मदद मिल सकती है। इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80डी के तहत, आप अपने हेल्थ इंश्योरेंस पर भुगतान किए गए प्रीमियम के लिए कटौती का क्लेम कर सकते हैं. सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्वपूर्ण है. उदाहरण के लिए, अगर आपके पास रु. 5 लाख के सम इंश्योर्ड की पॉलिसी है और आप रु. 15,000, का प्रीमियम देते हैं, तो आप इस राशि को अपनी टैक्स योग्य आय से घटा सकते हैं, जिससे आपके द्वारा देय कुल टैक्स कम हो जाता है। अगर आप अपने माता-पिता के हेल्थ इंश्योरेंस के लिए भी भुगतान कर रहे हैं, तो आप अतिरिक्त कटौती का क्लेम कर सकते हैं।

सुझाव | बिजनेस डेस्क

बुलियन मार्केट बूम-बूम : क्या यह गोल्ड फंड में निवेश का सही समय

चरण 1 : समझें बुलियन मार्केट

1. **बुलियन क्या है?** : बुलियन सोना, चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम जैसे कीमती धातुओं को कहते हैं।
2. बुलियन मार्केट कैसे काम करता है? : बुलियन मार्केट में इन धातुओं का कारोबार होता है, जहां निवेशक इन्हें खरीदते और बेचते हैं।

चरण 2: निवेश के विकल्प चुनें

1. **फिजिकल बुलियन** : सोना, चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम जैसे कीमती धातुओं को फिजिकल रूप में खरीदना।
2. **गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (जीईटीएफ)** : गोल्ड जीईटीएफ में निवेश करना, जो सोने की कीमत के अनुसार चलता है।
3. **बुलियन ईटीएफ** : अन्य कीमती धातुओं जैसे चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम के ईटीएफ में निवेश करना। 4. **बुलियन म्यूचुअल फंड्स** : बुलियन म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना, जो कीमती धातुओं में निवेश करते हैं।

सोना यानी गोल्ड के प्रति निवेशकों का आकर्षण लंबे समय से बना हुआ है, खासकर तो ग्लोबल स्तर पर अनिश्चितता के समय में यह और बढ़ जाता है। सोने की एमसीएक्स पर कीमत 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गई है। सिर्फ इस साल यानी 2025 की बात करें तो इसकी कीमतों में 18 फीसदी की बढ़ोतरी आ चुकी है, जबकि साल 2024 में सोना 27 फीसदी मजबूत हुआ था। इंटरनेशनल स्तर पर, सोना 3,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस की महत्वपूर्ण रेंज को पार कर गया है, वहीं कुछ ब्रोकरेज हाउस ने आगे और मजबूती की संभावना जताई है। अब यह सवाल उठता है कि क्या निवेशकों को गोल्ड ईटीएफ और म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए।

सोने में रैली जारी रहने की उम्मीद

बुलियन मार्केट के जानकारों का कहना है कि सोने में पिछले 15 महीने की प्रभावशाली रैली यह सोचने पर मजबूत करती है कि इत तरह की तेजी किन वजहों से आई है। यह वर्तमान में दुनिया भर में जियो-पॉलिटिकल और आर्थिक अनिश्चितताओं द्वारा संचालित टॉप प्रदर्शन करने वाला एसेट क्लास है। सोने की सेफ हैवन वाली स्थिति और मजबूत होती है, क्योंकि विशेष रूप से टैरिफ को लेकर अमेरिकी पॉलिसी, वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाती हैं। एक प्रमुख फैक्टर केंद्रीय बैंकों द्वारा रिकॉर्ड तोड़ सोना खरीदना भी है, जिसका उद्देश्य रिजर्व में विविधता लाना और अमेरिकी डॉलर जैसी सिंगल-करेंसी एसेट्स पर निर्भरता कम करना है। यह ट्रेंड जारी रहने की उम्मीद है, जिससे निकट भविष्य से लेकर लॉन्ग टर्म में सोने की कीमतों में तेजी बनी रहेगी। जियो-पॉलिटिकल टेंशन और केंद्रीय बैंकों द्वारा अमेरिकी ट्रेजरी से दूर जाने का यह संयोजन सोने की कीमतों में तेजी के पीछे प्रमुख फैक्टर हैं। भारत में, विशेष रूप से वेडिंग सीजन के दौरान ज्वैलरी की पारंपरिक मांग, सोने की कीमतों में उछाल को बढ़ाती है। हाल ही में अमेरिकी सरकार की टैरिफ पॉलिसी ने सुरक्षित माने जाने वाले एसेट्स का आकर्षण बढ़ा दिया है। पॉलिसी को लेकर अनिश्चितता, वैश्विक संघर्ष, केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीद और भारत व चीन में रिटेल इंटरेस्ट से प्रेरित सोने की मांग में यह स्ट्रक्चरल शिफ्ट आगे जारी रह सकता है। इसलिए सोने में निवेश किया जा सकता है।

गोल्ड फंड में निवेश

लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए, सोने से संबंधित एसेट्स हमेशा एक व्यवहारिक विकल्प होते हैं। शॉर्ट टर्म की प्राइस वोलेटिलिटी को कम करने के लिए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) की सलाह है। इंडेक्स फंड, एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) और फंड ऑफ फंड सहित गोल्ड फंड, व्यापक आर्थिक अनिश्चितता के दौरान पोर्टफोलियो को स्थिरता प्रदान कर सकते हैं और महंगाई के खिलाफ सुरक्षा दे सकते हैं।

सोने में कमा लिया मुनाफा तो क्या करें

निवेशक अपने रिस्क लेने की क्षमता, निवेश की अवधि और वित्तीय लक्ष्य के अनुरूप एक डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाए रख सकते हैं। एलाइनमेंट सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर पोर्टफोलियो समीक्षा जरूरी है।

कार्यालय संयुक्त संचालक पशुचिकित्सा सेवायें दुग्ध संपदा भदभदा भोपाल (म.प्र.)
Phone: 0755-2696827, Email:- ddvsdairyestate@yahoo.co.in

क्रमांक-572 दिनांक 27/03/2025

:: द्वितीय निविदा सूचना ::

संचालनालय पशुपालन एवं डेयरी, मध्यप्रदेश की ओर से शासकीय जर्सी पशु प्रजनन प्रक्षेत्र, दुग्ध संपदा, भदभदा, भोपाल पर मक्का साईलेज प्रदाय हेतु e-procurement प्रणाली Portal http\\mptenders.gov.in पर ऑनलाईन द्वितीय निविदा आमंत्रित की जाती है।

स. क्र.	विवरण	ऑनलाईन द्वितीय निविदा प्रपत्र क्रय करने की प्रारंभिक दिनांक	निविदा राशि रू.	धरोहर राशि रू.	निविदा की अंतिम तिथि
N.I.T. /JD VS DAIRY/ 03/2025	शासकीय जर्सी पशु प्रजनन प्रक्षेत्र भदभदा भोपाल पर मक्का साईलेज प्रदाय, परिवहन, तथा गोदाम में भण्डारण हेतु निविदा आमंत्रण (आवश्यकतानुसार), लगभग 5000 क्विंटल	08.04.2025	1000+ (प्रोसेसिंग फीस)	रुपए 175000 (रु. एक लाख पछहत्तर हजार मात्र) किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ.डी.आर. जिसकी वैद्यता दिनांक 31.03. 2026 तक होना अनिवार्य है। धरोहर राशि ऑनलाईन mptenders.gov.in पर जमा की जानी है।	22.04.2025

1. निविदा प्रपत्र उक्त वर्णित वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान कर प्राप्त किये जा सकते है।
2. निविदा संबंधी समस्त जानकारी बेबसाईट पर अथवा कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।
3. निविदा का अनुमानित मूल्य रू. 50 लाख मात्र है।
4. निविदा में संशोधन ऑनलाईन पोर्टल पर देखा जा सकेगा।

संयुक्त संचालक,
पशु चिकित्सा सेवाएं
दुग्ध संपदा, भदभदा, भोपाल (म.प्र.)

G-11159/25 " स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता "

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
अशोका गार्डन शाखा, भोपाल
फोन : 0755-2753000, 2754000

कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति के लिए)

सेक्यूरिटाइजेशन एण्ड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फाईनानशियल एसेट्स एण्ड इनफोर्समेंट ऑफ सिक्यूरिटी इंटरेस्ट एक्ट 2002 के तहत और सिक्यूरिटी इंटरेस्ट (इंफोर्समेंट) नियम 2002 के साथ पठित सेक्शन 13(12)सपठित नियम (3) के तहत प्रदत्त अधिकारों के प्रयोग के तहत बैंक ऑफ बड़ौदा के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में अधोहस्ताक्षरी ने दिनांक **30-12-2024** को निम्न वर्णित उधारकर्ताओं/जमानतदारों को डिमांड नोटिस जारी किया तथा नोटिस में दर्शायी गई निम्न वर्णित राशि उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर अदा करने के लिए जारी किया गया है।

उधारकर्ता/जमानतदार ऋण चुकाने में असफल रहे है, अतः उधारकर्ताओं एवं जमानतदारों/संपत्ति मालिकों एवं जनसामान्य को यह सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियम 8 के साथ पठित एक्ट के धारा 13 (4) के तहत उन्हें प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, यहाँ नीचे वर्णित संपत्ति का **कब्जा** दिनांक **04.04.2025** को ले लिया है। ऋणी एवं जमानतदारों का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को उपलब्ध समय में छुड़ाने (**redeem** कराने) के संबंध में अधिनियम की धारा (13) एवं उपधारा 8 के प्रावधानों के तहत आकर्षित किया जाता है।

उधारकर्ताओं एवं जमानतदारों/संपत्ति मालिकों को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतः एतद् द्वारा निम्नलिखित संपत्तियों के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्तियों के साथ कोई व्यवहार निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज के लिए **बैंक ऑफ बड़ौदा अशोका गार्डन शाखा, भोपाल** के अधीन होगा।

ऋणी /जमानतदार एवं खाते का नाम	कब्जा की गई संपत्ति का विवरण	मांग सूचना के अनुसार बकाया राशि
ऋणी- **श्री ईश्वर चंद्र चौरसिया एवं श्रीराम चौरसिया**	अचल संपत्ति का समस्त भू भाग स्थित बंधक संपत्ति श्री ईश्वर चंद्र चौरसिया एवं श्रीराम चौरसिया, आवासीय मकान प्लॉट क्रमांक एफ-7, खसरा क्रमांक 88, 89 का भाग, मयूर विहार कॉलोनी, ग्राम हिनोतिया कछियान, नगर निगम की सीमा में, तहसील - हुजूर, जिला - भोपाल म.प्र. प्लॉट का क्षेत्रफल 600 वर्गफीट चर्तुसीमाएं:- उत्तर में - रोड, दक्षिण में - विक्रेता की संपत्ति का शेष भाग, पूर्व में - मकान क्रमांक एफ-6, पश्चिम में - मकान क्रमांक 8	₹ 24,16,632.06 +दिनांक 30.12.2024 से ब्याज एवं अन्य खर्च

दिनांक : 04-04-2025, स्थान: भोपाल
प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, भोपाल
लिंक रोड न.-2 माता मंदिर चौराहा के समीप, हर्षवर्धन नगर के सामने, भोपाल
Tel.:-(0755) 2924467 ; e-mail :- eephbpl@mp.nic.in

क्र.- 742/तक./का.य./ लो.स्वा.या. खंड/भोपाल/2025-26 दिनाँकः- 03/04/2025

// निविदा आमंत्रण सूचना //

मध्य प्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदारो से मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना जारी होने के दिनांक तक समस्त संशोधनो सहित ई टेंडरिंग पद्धति द्वारा आनलाईन निविदाओं में निहित शर्तों के अनुरूप आमंत्रित की जाती है। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं कार्यों का विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर देखी जा सकती है। वेबसाइट पर होने वाली तकनीकी समस्याओं हेतु विभाग जिम्मेदार नही होगा।

सिस्टम जनरेट आई डी क्र.	खण्ड	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र की राशि रू.	ठेके की अनु. राशि रू.	अमानत राशि रू.	निविदा आनलाईन क्रय करने की अंतिम तिथि	1.कार्य पूर्ण करने की अवधि 2. ठेकेदार की श्रेणी 3. आमंत्रण क्रमांक
1	2	3	4	5	6	7	8
2025_ PHED _ 414259_1	भोपाल	DRILLING OF 200 MM DIA 150 METER DEEP ORDINARY TUBEWELLS IN DIFFERENT VILLAGES OF BLOCK BERASIA/PHANDA DISTRICT BHOPAL UNDER JAL JEEWAN MISSION, No. of Tubewells-60 Nos. (Group-01)	10000.00	7500000/-	75000.00	19.04.2025	(1) 12 माह (वषार्काल सहित) (2) लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत पद्धति से पंजीयन अनिवार्य है। (3) प्रथम आमंत्रण
2025_ PHED_ 414260_1	भोपाल	DRILLING OF 200 MM DIA 150 METER DEEP ORDINARY TUBEWELLS IN DIFFERENT VILLAGES OF BLOCK BERASIA/PHANDA DISTRICT BHOPAL UNDER JAL JEEWAN MISSION, No. of Tubewells-60 Nos. (Group-02)	10000.00	7500000/-	75000.00	19.04.2025	(1) 12 माह (वषार्काल सहित) (2) लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत पद्धति से पंजीयन अनिवार्य है। (3) प्रथम आमंत्रण

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
लो.स्वा.यां. खण्ड भोपाल

जी- 11135/25 स्वच्छता ही सेवा

वक्फ संशोधन विधेयक पर देश में हंगामा मचा हुआ है। विधेयक के दोनों सदनों में पास हो जाने के बाद से विपक्ष हायतौबा मचा रहा है, तो कई मुस्लिम संगठन सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। जबकि, वक्फ कानून में संशोधन एक लोकतांत्रिक और समानता के सिद्धांत के विरुद्ध, मजहब का अंग न होते हुए भी इस्लाम के नाम पर कुछ शक्तिशाली प्रभुत्वशाली मुस्लिम पुरुषों के एकाधिकार और निरंकुशता के ढांचे को ध्वस्त कर उसे वक्फ की मूल सोच के अनुरूप संविधान की परिधि में लोकतांत्रिक ढांचे में परिणत करने का प्रगतिशील कदम है। ऐसे ढांचे को संसदीय व्यवस्था के तहत ध्वस्त करना जिसको सरकारें बदलाव की आवश्यकता महसूस करते हुए भी स्पर्श करने तक से बचती हो, निस्संदेश ऐतिहासिक और युगांतरकारी कदम है। वक्फ की संपत्ति पर इस्लाम की मान्यता के अनुसार गरीब विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं तथा आनाथों का अधिकार है। वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य भी मुस्लिम समाज की भलाई के लिए है और निश्चित रूप से पूर्व के कानूनों की भांति ही इसके विरोध में फैलाया जा रहा झूठा भ्रम अधिक समय तक नहीं टिक पाएगा। वक्फ इस्लाम का अंग है, लेकिन संविधान और कानून के तहत सरकारों द्वारा गठित वक्फ बोर्ड और वक्फ ट्रिब्यूनल इस्लाम का विषय नहीं हो सकता। वक्फ संशोधन को लेकर पेश है आजकल का यह अंक...

वक्फ विधेयक बदले भारत का प्रमाण

विश्लेषण

अवधेश कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

संसद में पारित हर कानून की न्यायिक समीक्षा का अधिकार उच्चतम न्यायालय को वक्फ और वहां नए वक्त कानून की संवैधानिकता पर निर्णय आ जाएगा। किंतु विधेयक पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के पहले ही यानी कानून बना नहीं और उच्चतम न्यायालय पहुंच जाना किस बात का द्योतक है? ऐसे कानून, कदम या सुधार, जिनके साथ मुस्लिम समुदाय जुड़ा हो, उसके विरुद्ध भारत में ऐसी प्रतियोगिता आम हो चुकी है। एक साथ तीन तलाक, नागरिकता संशोधन कानून और अनुच्छेद 370 हटाए जाने के विरुद्ध भी हमने यही देखा। इन सभी मामलों की न्यायिक परिणति देश के सामने है। इन पार्टियों ने दोनों सदनों में वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किया है।

वक्फ संशोधन के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में याचिकाओं की प्रतिस्पर्धा शुरू हो चुकी है। दोनों सदनों में पारित होने के अगले दिन से ही उच्चतम न्यायालय में याचिकाएं जाने लगीं और आप देख सकते हैं कि इस बात की होड़ लगी है कि कौन इसमें किसको पीछे छोड़ रहा है। कांग्रेस के संचार प्रमुख जयराम रमेश ने उच्चतम न्यायालय में जाने की घोषणा कर दी है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड पहले ऐलान कर चुका था। संसद में पारित हर कानून की न्यायिक समीक्षा का अधिकार उच्चतम न्यायालय को वक्फ और वहां नए वक्त कानून की संवैधानिकता पर निर्णय आ जाएगा। किंतु विधेयक पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के पहले ही यानी कानून बना नहीं और उच्चतम न्यायालय पहुंच जाना किस बात का द्योतक है? ऐसे कानून, कदम या सुधार, जिनके साथ मुस्लिम समुदाय किसी तरह जुड़ा हो, उसके विरुद्ध भारत में ऐसी प्रतियोगिता आम हो चुकी है।

एक साथ तीन तलाक, नागरिकता संशोधन कानून और जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के विरुद्ध भी हमने यही देखा। इन सभी मामलों की न्यायिक परिणति देश के सामने है। दूसरी ओर बिहार में जदयू, उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल आदि के विरुद्ध दबाव डालने की कोशिश हो रही है।

दबाव बढ़ाने की खतरनाक रणनीति

मुसलमानों का एक बड़ा समूह सड़कों पर उतर रहा है, पार्टियों में दबाव डालकर कुछ इस्तीफा करवा रहा है और बयान दे रहा है कि चुनाव में सबक सिखा देंगे। संसद में बहस और मतदान के पूर्व नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू आदि के इफ्तार के बहिष्कार का भी आह्वान किया गया। यह भी दबाव बढ़ाने की खतरनाक रणनीति थी। बावजूद इन पार्टियों ने दोनों सदनों में खुलकर वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किया और उसके पक्ष में विपक्ष के आरोपों का आक्रामक खंडन करते हुए तथ्य और तर्क प्रस्तुत किया। हमारे सामने दो दृश्य दूसरे भी हैं। लोकसभा में बहस के पूर्व सभी पार्टियों ने ह्वीप जारी कर दिया था। किंतु राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट घोषणा की कि हमारे सांसद स्वतंत्र हैं, ह्वीप नहीं है, वे जैसे चाहें मतदान करें। इसके बावजूद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के संख्या बल से ज्यादा मत विधेयक के समर्थन में प्राप्त हुए। आखिर इसके कोई निहितार्थ है या नहीं? इसके साथ हमने यह भी देखा कि दोनों सदनों में बहस और मतदान के दौरान देश में समर्थन और विरोध दोनों में मुसलमान उतरे। निष्पक्ष आकलन यही है कि उन दो दिनों में समर्थकों की संख्या भी काफी ज्यादा थी। कई जगह तो विरोध करने वालों से ज्यादा समर्थक सड़क पर थे। अलग-अलग धार्मिक संस्थाओं और संगठनों ने खुलकर विधेयक का समर्थन किया। इनमें वे मुस्लिम मजहबी नेता और संस्थाओं के प्रमुख शामिल थे जो पहले वक्फ में किसी प्रकार के संशोधन का घोर विरोध करते थे, तो इसके भी मायने हैं। तो यही बदले हुए भारत का प्रमाण है। यानी आप न्याय करने की दिशा में संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं तो भ्रम और विरोध कमजोर होते-होते समर्थन बढ़ता है। वास्तव में अभी जो विरोध दिख रहा है वह बिल्कुल अनपेक्षित नहीं है। जब भी आप ऐसे विषयों पर सुधार और परिवर्तन के संवैधानिक कानूनी कदम उठाते हैं तो भारत जैसे देश में इसके विरुद्ध प्रचार और रोकने की कोशिश पहली बार नहीं है। वक्फ कानून, उससे संबंधित बोर्ड और न्यायाधिकरण को मुस्लिम वोट पाने की नीति के तहत जिस तरह सुपर सरकार, सुपर प्रशासन और सुपर न्यायपालिका की भूमिका दे दी गई थी, उस ढांचे में लाभान्वित सम्मानित होने वाले तथा उसका आनंद सुख भोगने वालों के अंदर छटपटाहट स्वाभाविक है।

वक्फ कानून में संशोधन क्यों जरूरी था

सच यह है कि वक्फ कानून में संशोधन क्यों नहीं होना चाहिए था या संशोधन में क्या असंवैधानिक, इस्लाम विरोधी, मुस्लिम विरोधी है, इसका कोई एक तथात्मक उत्तर विपक्ष के किसी भी नेता द्वारा संसद में नहीं मिला। जब राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह कानून उच्चतम न्यायालय में समाप्त हो जाएगा तो सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि सदन के अंदर इस प्रकार की भाषा संसद का अपमान है। इसी तरह जब एक सदस्य ने कहा कि मुसलमान इस कानून को नहीं मानेगा, तब केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि यह संसद द्वारा बनाया गया कानून है, सबको मानना पड़ेगा। वास्तव में संसद अगर प्रक्रिया के तहत कोई कानून पारित करती है तो यह भारत के सभी क्षेत्रों और व्यक्तियों पर समान रूप से लागू होता है। कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी ने लोकसभा में विधेयक पारित होने की प्रक्रिया को बहुमत के द्वारा संविधान का अतिक्रमण और लोकतंत्र के गला घोंटने के समान बता दिया। यह समझ से परे है। लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रिकॉर्ड रखते हुए बताया कि संप्रग सरकार ने 2013 में सिर्फ चार घंटे की चर्चा के बाद वक्फ संशोधन विधेयक पास कर दिया था, जबकि इस बार दोनों सदनों में करीब 27 घंटे से ज्यादा का समय लगा। 3 अप्रैल को 11 बजे से आरंभ राज्यसभा की कार्यवाही अगले दिन सुबह 4 बजे तक चली। संयुक्त संसदीय समिति ने 113 घंटे की चर्चा, 25 वक्फ बोर्डों से संवाद, 15 राज्यों के प्रतिनिधियों से संवाद, विभिन्न समुदायों के राज्य धारकों के कुल 284 प्रतिनिधिमंडलों ने समिति के समक्ष अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत किए एवं 92 लाख से ज्यादा सुझाव पर विचार के बाद विधेयक तैयार हुआ। जरा सोचिए, यह प्रक्रिया लोकतंत्र और संविधान का गला घोंटने वाला हो गया और संप्रग के चार घंटे में पारित कानून लोकतंत्र और संविधान का पालन करने वाला था?

वक्फ संपत्तियों का दावा बेमानी

पुराने वक्फ कानून और उसके ढांचे पर इतना कुछ कहा जा चुका है कि उसको दोहराने की आवश्यकता नहीं। वक्फ ने जिस तरह पूरे देश में संपत्तियों का दावा कर उन्हें कब्जे में लिया, उसकी बहुत सारी कथाएं रिकॉर्ड में सामने हैं। यह कैसी संवैधानिक व्यवस्था थी जिसमें वक्फ किसी संपत्ति पर दावा कर दे तो वक्फ ट्रिब्यूनल के अलावा आप कहीं नहीं जा सकते। वहां भी संपत्ति आपकी है, यह आपको ही साबित करना होगा। ट्रिब्यूनल बरसों लगा देगा और उसके फैसले को आप सिविल न्यायालय में चुनौती नहीं दे सकते। यानी आपकी संपत्ति गई। इसमें हिंदू और मुसलमान दोनों के साथ सार्वजनिक सरकारी संपत्तियां भी शामिल हैं।

दूसरे की संपत्ति पर दावा कैसे संभव है

गृह मंत्री ने सदन में रिकॉर्ड पर कहा कि कोई गांव या शहर से बाहर नौकरी करने चला गया और उसकी संपत्ति वक्फ कर दी गई। वह जितना भी छटपटाये, वापसी के रास्ते नहीं। वक्फ एक अरबी शब्द है। इस्लाम किसी को दीन और बेसहारा के लिए अपनी संपत्ति के वक्फ करने की इजाजत देता है। इस पर न रोक है, न हो सकती है। वक्फ में कोई बदलाव नहीं है। किंतु हम अपनी संपत्ति वक्फ में रजिस्ट्री करा सकते हैं, दूसरे की संपत्ति पर कैसे दावा कर सकते हैं? फिर सरकार कैसे संपत्ति वक्फ कर सकती है। आप देखेंगे कि यूपीए सरकार के सत्ता में आने के बाद सच्चर आयोग की नियुक्ति और उसकी रिपोर्ट के बाद पूरे देश में अलग से इस्लामी ढांचा स्थापित करने की प्रक्रिया में केंद्र और राज्य सरकारों ने अनेक संपत्ति वक्फ बोर्डों को दे दी। निश्चित रूप से उच्चतम न्यायालय में सारे मामले जाएंगे।

हमारी आपकी या किसी मंदिर की जमीनों के कागजात, राजस्व आदि का विषय तो जिला कलेक्टर के अधीन होगा किंतु वक्फ का नहीं हो यह कैसे कानून का पालन माना जाएगा? आज भी यही मांग है। वक्फ इस्लाम का अंग है, लेकिन भारत के संविधान और कानून के तहत सरकारों द्वारा गठित वक्फ बोर्ड और वक्फ ट्रिब्यूनल इस्लाम का विषय नहीं हो सकता। उसे हमारे संविधान और कानून के अंतर्गत ही काम करना होगा। बोर्ड में महिला सदस्य होने की अनिवार्यता के विरोध के पीछे वही सोच है जिसके तहत तीन तलाक मामले पर पर्सनल लॉ बोर्ड में उच्चतम न्यायालय में दायर शपथ पत्र में महिलाओं को कम अक्ल वाला लिखा था। कोई संपत्ति जिस उद्देश्य के लिए दान हुई है वह उसी उद्देश्य में जा रहा है या नहीं तथा वाकई वक्फकर्ता स्वेच्छा से ऐसा किया है या दबाव डालकर कराया गया, इसकी देखरेख की जिम्मेवारी तो प्रशासन की ही है। जिस संस्था में लगभग 41 हजार विवाद हों और उनमें 10 हजार मुसलमानों द्वारा किए गए हो, उस ढांचे को कायम नहीं रखा जा सकता था।

विधेयक ऐतिहासिक और युगांतरकारी कदम

वास्तव में वक्फ कानून में संशोधन एक लोकतांत्रिक और समानता के सिद्धांत के विरुद्ध, मजहब का अंग न होते हुए भी इस्लाम के नाम पर कुछ शक्तिशाली प्रभुत्वशाली मुस्लिम पुरुषों के एकाधिकार और निरंकुशता के ढांचे को ध्वस्त कर उसे वक्फ की मूल सोच के अनुरूप संविधान की परिधि में लोकतांत्रिक ढांचे में परिणत करने का प्रगतिशील कदम है। ऐसे ढांचे को संसदीय व्यवस्था के तहत ध्वस्त करना जिसको सरकारें बदलाव की आवश्यकता महसूस करते हुए भी स्पर्श करने तक से बचती हो, निस्संदेश ऐतिहासिक और युगांतरकारी कदम है। वक्फ की संपत्ति पर इस्लाम की मान्यता के अनुसार गरीब विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं तथा आनाथों का अधिकार है। वक्फ की संपत्ति का उपयोग करने वाले मस्जिदों और मजारशरीफों का नियंत्रण करते हैं जबकि ऐसे लोगों में से कुछ बाहर भीख मांगते हैं। अब इस दौर का अंत होगा तथा गरीब, वंचित, पसमांदा , महिलाएं सब इस्लाम की धारणा के अनुसार वक्फ के सही उपयोग में भूमिका निभा सकेंगे। वक्फ ने पुराने मामलों के संदर्भ में बदलाव नहीं किया है लेकिन जिन पर विवाद है वे कायम रहेंगे। रिकॉर्ड में और ऑनलाइन आते ही सब कुछ पारदर्शी होगा। वक्फ के नाम पर हुए अन्याय के निराकरण का रास्ता प्रशस्त होगा और पीड़ितों को न्याय प्राप्त होने की ठोस संभावना बनेगी। ऐसे मामलों का सच देश के सामने होगा और इस समय इस्लाम के नाम पर हंगामा खड़ा करने वालों के चेहरे भी बेनकाब होंगे। दोनों सदनों में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा रखे गए तथ्य, विचार और तेवर की गंभीरता को देखते हुए किसी को मुगालता नहीं होना चाहिए कि इस कानून का उल्लंघन करने का कोई साहस करेगा। यद्यपि भूमि या ऐसे मामले राज्यों के विषय हैं तो अलग-अलग राज्यों का तंत्र सरकारों की राजनीतिक नीति के अनुसार काम करेगा और इनमें समस्याएं आएंगी। किंतु कोई वक्फ के दावों के विरुद्ध किसी पीड़ित व्यक्ति को न्यायालय जाने से नहीं रोक सकता। सिविल न्यायालय में व्यक्ति की सही पहचान और कानून के अनुसार ही फैसला होगा।

मुस्लिम समुदाय के लिए ऐतिहासिक कदम

वक्फ विधेयक

प्रो. निरंजन कुमार
सीनियर प्रोफेसर, हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

वक्फ संशोधन विधेयक, जो हाल ही में संसद में पारित किया गया, आम भारतीय मुस्लिम समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। इस विधेयक का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के संचालन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है, जिससे आम मुस्लिम आदमी और पूरे समाज को सीधे लाभ हो सके। निश्चित रूप से यह विधयेक वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग और इनके प्रबंधन में सुधार के लिए एक सार्थक और दूरगामी प्रयास है, जो न केवल गरीब मुसलमानों के लिए, बल्कि पूरे देश के हित में भी है। दुर्भाग्य से पिछले कई दिनों से वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर आम मुस्लिम समुदाय के बीच एक नकारात्मक माहौल तैयार किया जा रहा है।

वक्फ संपत्तियों का दुरुपयोग

यह सर्वविदित है कि वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, जिसका अर्थ है किसी संपत्ति को अल्लाह के नाम पर स्थायी रूप से दान करना। इस संपत्ति का उपयोग विशेष उद्देश्यों के लिए किया जाता है- जैसे मस्जिदों की देखरेख, गरीबों की मदद, शिक्षा और चिकित्सा आदि सुविधाओं के लिए। लेकिन ऑडिट और पारदर्शिता के अभाव में वक्फ सम्पत्तियों का दुरुपयोग होता रहा है। वक्फ बोर्ड के अधिकारी और मुस्लिम समुदाय के कुछ स्वयंभू नेता इन सम्पत्तियों का अनैतिक और अनुचित इस्तेमाल करते रहे हैं। इस दुरुपयोग के कारण वक्फ की भावना के विपरीत आम मुस्लिमों को वह लाभ नहीं मिल पाता, जो वक्फ का उद्देश्य है। वर्तमान में वक्फ संपत्तियों का प्रशासन और प्रबंधन वक्फ बोर्ड के द्वारा किया जाता है. लेकिन यह बोर्ड अक्सर पारदर्शी नहीं होता, और भ्रष्टाचार की खबरें आती रही हैं। इसके परिणामस्वरूप, जो धन और संसाधन धार्मिक और समाजसेवी कार्यों के लिए होना चाहिए था, वह गलत हाथों में चला जाता है। भारत में वक्फ संपत्तियों की संख्या को देखें तो यह बहुत अधिक है। हालिया सर्वेक्षण के अनुसार वक्फ संपत्तियों की संख्या 8.72 लाख से अभी अधिक है। यहां प्रश्न उठता है कि क्या वास्तव में इस्लाम की इस उदात्त अवधारणा के अनुसार ही वक्फ संपत्तियों का उपयोग सामाजिक कल्याण हेतु हो पा रहा है? क्या आम मुस्लिम समुदाय के लोगों को प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से मौजूदा व्यवस्था के तहत कोई लाभ मिल रहा है? वास्तव में इन प्रश्नों का उत्तर न में ही है। संसद के दोनों सदनों में इस विधेयक पर लंबी चर्चाओं के बाद इस विधेयक को समर्थन भी मिल गया किन्तु देशभर में एक खास तरह का माहौल इस विधयेक के खिलाफ बनाया जा रहा है। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर कुछ राजनीतिक दल और मुस्लिम नेताओं ने इसे मुस्लिम समुदाय के खिलाफ एक साजिश बताया, लेकिन यदि गहराई से पड़ताल करें तो यह बात तथ्यात्मक रूप से गलत है।

समाज में भ्रम फैला रहे कुछ लोग

वास्तव में, यह विधेयक तो व्यापक मुस्लिम समुदाय को उनके अधिकारों और संपत्तियों का सही लाभ दिलाने के लिए है। याद कीजिए, नागरिकता संशोधन कानून और तीन तलाक से सम्बंधित कानून के मामलों को। राजनीतिक स्वार्थ के कारण विभिन्न नेताओं ने इन दोनों

कानूनों का विरोध किया और समाज में भ्रम फैलाया। नागरिकता कानून के समय मुसलमानों के मन में यह भय बिठाया गया कि इस कानून से उनकी नागरिकता छिन जाएगी। जबकि वास्तव में यह कानून कुछ पड़ोसी देशों के पीड़ित लोगों को नागरिकता देने के लिए था। भारत के नागरिकों पर इसका कोई नकारात्मक परिणाम नहीं पड़ना था। उसी तरह तीन तलाक कानून के समय भी तथाकथित सेक्युलर दलों और मठाधीश नेताओं ने इसका खूब विरोध किया जबकि वास्तव में यह कानून मुस्लिम महिलाओं के हक में, उन्हें शोषण से मुक्त करने के लिए था।

ठीक उसी प्रकार वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य भी मुस्लिम समाज की भलाई के लिए है और निश्चित रूप से पूर्व के कानूनों की भांति ही इसके विरोध में फैलाया जा रहा झूठा भ्रम अधिक समय तक नहीं टिक पाएगा। वर्तमान वक्फ संशोधन विधेयक मुसलमानों के स्वयम्भू नेताओं के लिए निश्चित रूप से एक झटका है क्योंकि इस कानून के लागू होते ही वक्फ संपत्ति पर इनके अनैतिक स्वामित्व पर चोट पड़ेगी और वक्फ की आड़ में हुए भ्रष्टाचार की कलई लोगों के समक्ष आ जाएगी। पूर्व के प्रावधानों में इस तरह विसंगतियां हैं कि सरेआम दुरुपयोग किये जाने पर भी राहत की कोई गुंजाइश नहीं है। अनेक ऐसे उदाहरण मौजूद हैं जिनमें व्यक्तिगत संपत्ति से लेकर सरकारी जमीन के साथ-साथ मंदिरों, गुरुद्वारों, चर्च या बौद्ध विहारों तक की संपत्तियों पर वक्फ बोर्ड कब्जा करता रहा है। प्रयागराज में हजारों सालों से मनाए जा रहे कुंभमेला की जमीन पर दावा ठोंकने का उदाहरण हो, या केरल के एर्नाकुलम जिले में मुनंबम और चेराई क्षेत्रों में 404 एकड़ की ईसाई और चर्च संपत्तियों पर वक्फ बोर्ड के दावे की बात हो, देश के विभिन्न क्षेत्रों में इस तरह के विवाद होते रहे हैं। खतरनाक बात यह थी कि वक्फ के अनुचित दावे को न्यायालय में चुनौती भी नहीं दी जा सकती थी, जो कि संविधान की भावनाओं का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन था। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में राष्ट्र या जनहित में जब कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के किसी भी क्रिया-कलाप तक पर प्रश्न किये जा सकते हैं। ऐसे में वक्फ जमीन पर प्रश्न ही न कर पाना वास्तव में मौजूदा प्रावधान की सबसे बड़ी खामी रही है।

किसी की संपत्ति पर दावा गलत

इसका दुरुपयोग कर किसी भी जमीन पर दावा ठोंकना हो या वक्फ संपत्ति का कुछ गिने चुने लोगों द्वारा निजी स्वार्थ हेतु उपयोग किया जाना हो, ऐसी घटनाएं मीडिया में आती रहती हैं। यह न सिर्फ प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के विरुद्ध है बल्कि उस व्यक्ति के संवैधानिक अधिकार का भी हनन है जिसकी संपत्ति पर वक्फ का दावा ठोंक दिया गया हो। याद रहे कि राजद नेता लालू यादव ने भी एक समय अवैध वक्फ दावों पर चिंता जताई थी। प्रश्न उठाया जा सकता है कि भारत जैसे पंथनिरपेक्ष राष्ट्र में वक़्फ़ बोर्ड या वक़्फ़ जैसी सम्पत्तियों का प्रविधान है, जबकि विभिन्न इस्लामिक देशों में वक्फ जैसी कोई संपत्ति नहीं है। कई देशों में वक्फ जैसी कोई संपत्ति नहीं है। फिर भी यदि भारत में वक्फ संपत्ति का प्रावधान कर ही दिया गया है, तो इन सम्पत्तियों का प्रयोग सामाजिक कल्याण में हो, यह सुनिश्चित करने के लिए यदि कानून में कोई संशोधन हो तो निश्चित रूप से इसका स्वागत करना चाहिए। यह संतोषजनक है कि आल इंडिया मुस्लिम जमात के मौलाना या पसमांदा मुसलमान से लेकर सिख, ईसाई एवं बौद्ध समाज के लोगों ने इस विधेयक का स्वागत किया है। यह विधेयक न केवल वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में सुधार करेगा, बल्कि आम मुसलमानों के साथ-साथ अन्य धर्मों के लोगों को उनके अधिकार दिलाएगा। संकीर्ण स्वार्थों के लिए इसका विरोध आम जनहित में तो नहीं ही है, विरोध कर रहे उन राजनेताओं के हित में भी नहीं है क्योंकि पब्लिक सब जानती है।

वक्फ एक्ट में संशोधन पर घमासान क्यों

दो टूक

रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

देशभर में वक्फ को लेकर इस समय खासी चर्चा है। तमाम विरोध के बावजूद वक्फ संशोधन विधेयक संसद के दोनों सदनों से पारित हो गया है। सत्ता पक्ष जहां इस विधेयक के फायदे गिना रहे हैं, वहीं विपक्ष वक्फ संशोधन विधेयक को संविधान विरोधी बता रहा है। कांग्रेस ने तो यहां तक कहा कि वह संसद में पारित 'वक्फ (संशोधन) विधेयक की संवैधानिकता को बहुत जल्द सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। हालांकि, मुस्लिम समाज के कुछ वर्गों ने इस विधेयक का स्वागत भी किया है। उनका मानना है कि यह वक्फ संपत्तियों की लूट को रोकने और पारदर्शिता बढ़ाने में मदद करेगा।

पारदर्शिता लाना मुख्य मकसद

मालूम हो, सरकार वक्फ बोर्ड के कामकाज में जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने के लक्ष्य के साथ वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करने के लिए वक्फ (संशोधन) विधेयक लेकर आई है। यह वक्फ बोर्ड की अनियंत्रित शक्ति को कम करने के लिए वक्फ अधिनियम, 1995 के कुछ प्रावधानों को हटाने का प्रयास करता है, जो वर्तमान में उन्हें आवश्यक जांच के बिना किसी भी संपत्ति को वक्फ घोषित करने की अनुमति देता है। साथ ही, इस बिल का मकसद वक्फ बोर्ड्स के काम करने के तरीके में पारदर्शिता, जवाबदेही लाना और इन निकायों में महिलाओं की अनिवार्य रूप से भागीदारी को यकीनी बनाना है। सरकार का कहना है कि 1995 के कानून में वक्फ संपत्तियों,टाइटल विवादों और वक्फ भूमि पर अवैध कब्जे के विनियमन से संबंधित खामियां हैं। सरकार द्वारा उठाए गए प्रमुख कदमों में वक्फ बोर्डों के गठन में सीमित विविधता, मुतवल्लियों द्वारा शक्ति का दुरुपयोग, स्थानीय राजस्व अधिकारियों के साथ प्रभावी कोर्डिनेशन की कमी और वक्फ बोर्ड को संपत्तियों पर दावा करने के लिए व्यापक शक्ति देना शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप विवाद और मुकदमेबाजी होती है। सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रशासन को बढ़ाना, टेक्नोलॉजी से संचालित मैनेजमेंट को शामिल करना, मौजूदा जटिलताओं को दूर करना और पारदर्शिता को बढ़ावा देना है। माना जा रहा है कि एनडीए के सहयोगी दलों टीडीपी और जेडीयू के सुझावों के साथ ही जेपीसी में हुए विचार विमर्श से निकले सुझावों के चलते वक्फ संशोधन विधेयक में कई अहम परिवर्तन किए गए। लेकिन सरकार ने अपने मूल विचारों को शामिल करने में कोई समझौता नहीं किया है। दूसरी तरफ बिल के आलोचकों को मुख्य रूप से इस बात की चिंता है कि यह सरकार को वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को रेगुलेट करने और यह निर्धारित करने की अनुमति देता है कि कोई संपत्ति वक्फ है या नहीं। इसका उद्देश्य वक्फ शासन की नींव को कमजोर करना और मुसलमानों के अधिकारों को कम करना है। जो लोग इस विधेयक का विरोध कर रहे हैं, वे सवाल उठा रहे हैं कि ऐसा नया कानून क्यों लाया जा रहा है,जो वक्फ के प्रबंधन के तरीके को बदल रहा है। आलोचकों के बीच मुख्य चिंता यह है कि सरकार वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को रेगुलेट करके उन पर कंट्रोल हासिल करना चाहती है

और नए विधेयक के माध्यम से उसे यह निर्धारित करने का अधिकार मिल गया है कि कोई संपत्ति वक्फ है या नहीं। वक्फ ऐसी संपत्तियों को संदर्भित करता है जो विशेष रूप से मुस्लिम धार्मिक और परोपकारी उद्देश्यों के लिए समर्पित की जाती हैं। इस संपत्ति को बेचना या अन्य किसी उपयोग में लाना प्रतिबंधित होता है। इसका स्वामित्व 'अल्लाह' को सौंपा जाता है जिसका अर्थ है कि इसे दान करने वाला व्यक्ति इसे वापस नहीं ले सकता। भारत में वक्फ की परंपरा 12वीं शताब्दी में दिल्ली सल्तनत के दौरान शुरू हुई थी। मोहम्मद गौरी ने मुल्तान की जामा मस्जिद के लिए दो गांवों को वक्फ संपत्ति के रूप में समर्पित किया था। समय के साथ वक्फ संपत्तियों की संख्या बढ़ती गई।

1954 में वक्फ बोर्ड का गठन

भारत में 1913 में एक नया कानून पारित कर वक्फ को वैध बना दिया गया। 1954 में वक्फ बोर्ड का गठन हुआ। हालांकि, 1995 के संशोधन से वक्फ बोर्ड को असीमित शक्तियां मिलीं। पीवी नरसिम्हा राव की कांग्रेस सरकार ने वक्फ एक्ट 1954 में संशोधन किया और नए-नए प्रावधान जोड़कर वक्फ बोर्ड को असीमित शक्तियां दे दीं। वक्फ एक्ट 1995 का सेक्शन 3 (आर) के मुताबिक, अगर कोई संपत्ति, किसी भी उद्देश्य के लिए मुस्लिम कानून के मुताबिक पाक (पवित्र), मजहबी (धार्मिक) या (चेरिटेबल) परोपकारी मान लिया जाए तो वह वक्फ की संपत्ति हो जाएगी। वक्फ एक्ट 1995 का आर्टिकल 40 कहता है कि यह जमीन किसकी है, यह वक्फ का सर्वेयर और वक्फ बोर्ड तय करेगा। बाद में वर्ष 2013 में संशोधन पेश किए गए, जिससे वक्फ को इससे संबंधित मामलों में असीमित और पूर्ण स्वायत्तता प्राप्त हुई। अगर आपकी संपत्ति को वक्फ की संपत्ति बता दी गई तो आप उसके खिलाफ कोर्ट नहीं जा सकते। आपको वक्फ बोर्ड से ही गुहार लगानी होगी। वक्फ बोर्ड का फैसला आपके खिलाफ आया, तब भी आप कोर्ट नहीं जा सकते। वक्फ एक्ट का सेक्शन 85 कहता है कि ट्राइब्यूनल के फैसले को हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती नहीं दी जा सकती है।

अधिनियम में बदलाव जरूरी

भारत में कई संपत्तियां वक्फ के अंतर्गत आती हैं, जिनमें मस्जिद, ईदगाह, दरगाह, खानकाह, इमामबाड़े और कब्रिस्तान शामिल हैं। वक्फ संपत्तियां इस्लाम को मानने वाले लोग दान करते हैं और इन्हें समुदाय के सदस्य ही मैनेज करते हैं। प्रत्येक राज्य में एक वक्फ बोर्ड होता है,जो एक कानूनी इकाई है जो संपत्ति का अधिग्रहण,धारण और हस्तांतरण कर सकती है। वक्फ संपत्तियों को स्थायी रूप से बेचा या पट्टे पर नहीं दिया जा सकता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वक्फ बोर्ड वर्तमान में भारत भर में 9.4 लाख एकड़ में फैली 8.7 लाख संपत्तियों को नियंत्रित करता है, जिसका अनुमानित कीमत 1.2 लाख करोड़ रुपये है। बता दें, वक़्फ़ को बनाने वाले को वाकिफ़ कहा जाता है, जिसका प्रबंधन प्रशासक यानी मुतवल्ली प्रबंधन करता है। वक़्फ़ की संपत्ति को स्थायी तौर पर लीज पर नहीं दिया जा सकता, ना ही बेचा जा सकता है। बहरहाल, वक्फ को लेकर लोगों के अलग-अलग दावे होते रहते हैं। जिसके बाद सरकार के लिए ये बड़ी चुनौती हो जाती है कि वो लोगों को कैसे भरोसा दिलाए कि वो जो दलील दे रही है वो सही है।इसके बाद कई विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार इस पर नियंत्रण करना चाहती है। सरकार ने इसमें कई बदलाव की बात कही है। बहरहाल, वक्फ संशोधन विधेयक भारत में धार्मिक संपत्तियों से जुड़े कानूनों में एक बड़ा बदलाव लाने वाला कदम है। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह विधेयक कानून बनने के बाद किस तरह लागू किया जाता है और इसका अल्पसंख्यकों, सरकार और समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है।

खबर संक्षेप

शुकदेव ने राजा परीक्षित को दिया सत्य का ज्ञान

मंडीदीप। वार्ड 13 के सिद्धि श्री बालाजी हनुमान मंदिर प्राचीन रामकुण्ड पर आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में कथावाचक महाराज रजत तिवारी ने कहा कि सतगुरु शुकदेव मुनि ने राजा परीक्षित को भगवत कथा के माध्यम से सत्य का ज्ञान करा दिया था। सत्य व ज्ञान के अभाव में मनुष्य पाप, झूठ, अधर्म, अन्याय, भ्रष्टाचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि संसार में मानव कल्याण के लिए भागवत कथा अमृत के समान है। कथा भगवान कृष्ण की ही वाणी है। इसमें स्वयं भगवान आनंद स्वरूप में विराजे हैं। इस दौरान भोजपुर विधायक सुरेन्द्र पटवा , पूर्व जिला अध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल भी कथा स्थल पर पहुंच और आशीर्वाद लिया।

भाजपा के स्थापना दिवस पर आज होंगे कार्यक्रम

औबेदुल्लागंज। भाजपा के मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर ने बताया कि भाजपा के स्थापना दिवस पर रविवार को सभी बूथों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही कार्यकर्ता अपने-अपने निवास पर भाजपा का झंडा फहराएंगे। इसी क्रम में आगामी 14 अप्रैल तक चलने वाले कार्यक्रमों में गांव चलो अभियान एवं बाबा साहब आंबेडकर की जयंती मनाने को लेकर भी चर्चा की।

सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने निकाला फ्लैग मार्च

औबेदुल्लागंज। आगामी त्यौहारों को लेकर नगर में शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए शनिवार रात एसडीओपी शीला सुराणा, टीआई बीपी सिंह के मार्गदर्शन में पुलिस प्रशासन ने फ्लैग मार्च निकाला।

युवती ने महिला से की अड़ीबाजी

भोपाल। बागसेवनिया इलाके के आई केयर अस्पताल में टेस्ट कराने के बहाने पहुंची युवती साक्षी उर्फ पूनम नैन ने महिला लैब टेक्नीशियन पर अड़ीबाजी की। महिलाएं लैब में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए हंगामा कर रही थी। पुलिस ने टेक्नीशियन की शिकायत पर युवती के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार इलाके में रहने वाली 35 साल की संगीता अहिरवार विद्यानगर में संचालित आई केयर अस्पताल में लैब टेक्नीशियन हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता अशोक पचौरी का निधन

औबेदुल्लागंज। क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता, भजन प्रतियोगिता के जनक और पूर्व जनपद सदस्य केशव पचौरी के भाई अशोक पचौरी का शनिवार दोपहर में निधन हो गया। वे भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरेश पचौरी के परिवार के सदस्य हैं। उनके निधन पर गौरव पचौरी, सुमित पचौरी, रमेश गौर, आशीष गौर, आशीष दीक्षित, राकेश तिवारी, सुदामा तिवारी, अंकित अग्रवाल, संजय सिंह चौहान, परेश नागर, सुरजीत सिंह बिल्ले, देवेंद्र सिंह राजू, राजेश खटीक, गोपाल पचौरी, उत्तम यादव, महेश जैन, विनोद इरपाचे, पंकज नागरानी आदि ने दुख व्यक्त करके श्रद्धांजलि दी। उनका अंतिम संस्कार बीलाखेड़ी पैतृक ग्राम में रविवार 6 अप्रैल को किया जाएगा।

शुभांक

कल्याण:	4905		
दिन:	235	02	679
रात:	158	44	220
तारा:			
दिन:	489	15	348
रात:	125	83	148

जय मां काली मंदिर आस्था का केंद्र, मंदिर समिति 300 गरीब जरूरतमंदों की करती है आर्थिक मदद

नवरात्रि पर्व की धूम, रोजाना माता को लगाते हैं विशेष प्रसाद का भोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

नगर में नवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। मंदिर समिति के महासचिव कमलेश रायचंदानी ने बताया कि मां कालका चौराहा स्थित जय मां काली मंदिर आस्था केंद्र बना हुआ है, यहां सैकड़ों भक्त शामिल होकर रोजाना आरती करते हैं। नवरात्रि पर्व पर यहां रोजन मां भगवती को विशेष प्रसाद का भोग लगाया जाता है, जो आरती में आने वाले भक्तों को वितरित किया जाता है।

यह एक ऐसा मंदिर है जहां आने वाले भक्त जरूरतमों की मदद राशन, बच्चों की पढ़ाई और दवाइयां से करते हैं। यहां पर ऐसे करीब 300 परिवार हैं जिनकी हर महीने राशन दवाइयां और बच्चों की पढ़ाई का खर्च जय मां काली मंदिर समिति, द लॉयन सिटी वेलफेयर सोसायटी द्वारा की जाती है। मंदिर समिति के संस्थापक अध्यक्ष जगदीश कुमार रायचंदानी, महासचिव कमलेश रायचन्दानी, पंडित गयादास पाडे, सह मनोज पाडे, संरक्षक गोर्धनदास टहलरमानी, राजकुमार रायचंदानी, जय आसवानी, मुन्नाभाई आडतानी, राकेश आदनानी, सुरेश चादवानी, देवेन्द्र बिजुरिया, गणेश पुरिया, रमेश साधवानी, हरीश कुमार लालवानी, जोनी कुमार मूलचंदाणी, प्रकाश तनवानी प्रकाश थदानी रमेश साधवानी, दिनेश रूपानी, रमेश कृष्नानी, जितेंद्र बिजोरिया पुष्पा बैरागी मुन्नी बाई, ओम प्रकाश सेन, जयंत सेन, प्रकाश थदानी, समर्थ रायचंदानी, सुरेश चादवानी, राजकुमारी रायचंदानी, सुनिता रायचंदानी, नैना रायचंदानी आदी रोजाना मंदिर समिति में सेवा करते हैं।

51 बच्चों के सामूहिक जनेऊ संस्कार समारोह में झूमे लोग

संतनगर। संत वासुराम सनातन दरबार के 237वां संत वासुराम जयंती वार्षिक उत्सव के दूसरे दिन दरबार के गददीनशीन पुरुषोत्तम वासवानी की उपस्थिति में 51 बच्चों के जनेउ संस्कार सम्पन्न हुए। जनेउ संस्कार का कार्यक्रम को पंडित जय शर्मा व पंडित यश शर्मा ने हिन्दू रीति रिवाज के अनुसार सम्पन्न करवाए। इस अवसर पर पंडित जय शर्मा ने जनेउ संस्कार पर अपना व्याख्यान दिया। वहीं रमेश मोतीराम झूलेलाल एंड पार्टी द्वारा बहिराणा साहिब व गीत संगीत की प्रस्तुति दी, जिसमें लोगों ने जमकर नृत्य किए। अंत में भंडारे का आयोजन किया गया।

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित घासखेड़ी में इज्तिमा स्थल के पास हुआ हादसा

साइकिल लेकर सड़क पार कर रहे कृषि विभाग के चौकीदार को अज्ञात कार ने मारी टक्कर, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित घासखेड़ी में इज्तिमा स्थल के पास शुक्रवार रात तेज रफ्तार कार ने साइकिल लेकर सड़क पार कर रहे चौकीदार को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल चौकीदार को अस्पताल ले जाया गया, वहां कुछ देर बाद ही इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। टक्कर मारने वाले कार चालक की तलाश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार ईंटखेड़ी निवासी कालूराम शाक्य (56) ईटखेड़ी स्थित कृषि विभाग की नर्सरी में चौकीदार थे। रोज की तरह शुक्रवार रात करीब 9 बजे वह नर्सरी से ड्यूटी करने के बाद साइकिल से अपने घर जाने के लिए निकले थे। नर्सरी से कुछ दूर पहुंचते ही बैरसिया की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें साइकिल समेत चपेट में ले लिया। टक्कर

मारने के बाद आरोपी चालक कार लेकर मौके से भाग निकला। वहां मौजूद लोगों ने पुलिस व एंबुलेंस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची, एंबुलेंस की मदद से गंभीर रूप से घायल कालूराम को सुदीति अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कुछ देर बाद ही उनकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस जगह हादसा हुआ वहां अंधेरा था। अंधेरा होने के कारण वह कार का नंबर नहीं देख सके। पुलिस मुख्य सड़क पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को रौंदा

बैरसिया पुलिस के मुताबिक ग्राम उकावत जिला गुना निवासी काशीराम डहरिया (40) किसी काम से बैरसिया आए हुए थे। रात करीब साढ़े 11 बजे लौटते समय नरेला पेट्रोल पंप के पास किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस को सूचना मिली थी कि किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल बाइकसवार नरेला पेट्रोल पंप के पास मेन रोड पर बेहोश पड़ा है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने काशीराम को गंभीर हालत में बैरसिया के शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया था। कुछ देर बाद ही उनकी मौत हो गई। थाना प्रभारी अरुण शर्मा का कहना है कि अज्ञात वाहन और आरोपी चालक का सुराग लगाया जा रहा है। फिलहाल इस बात की जानकारी नहीं मिल सकी है कि मृतक कौन था और यहां किस काम से आया हुआ था। मर्ग कायम कर सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चैक किए जा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड कर युवक ने लगाई फांसी

वीडियो में पत्नी और उसके मायके पक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित गौतम नगर झुग्गी में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन मोबाइल में एक वीडियो जरूर मिला है। वीडियो में उसने पत्नी और उसके मायके पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने मोबाइल जब्त कर लिया है। शनिवार को युवक का पीएम कराने के बाद शव परिजन को सौंप दिया गया। पुलिस वीडियो के आधार पर जांच कर रही है। एएसआई सी पन्ना ने बताया कि शुक्रवार रात वे रात्रि गश्त पर थे। इस बीच डायल 100 पर सूचना मिली कि गौतम नगर झुग्गी में किसी युवक ने फांसी लगा ली है। मौके पर पहुंचे सी पन्ना ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव फंदे से उतरवाया और पीएम के लिए भेज दिया।

पत्नी और बेटी को छोड़कर आया था ऐशबाग

पुलिस ने बताया कि अभिषेक बचले पिता मारुति बछले (25) झुग्गी गौतम नगर में रहता था। अभिषेक के पिता मारुति बछले ने बताया कि उनकी झुग्गी रोड से एक तरफ है, जबकि रोड की दूसरी तरफ अभिषेक ने अपनी झुग्गी बनाई थी। अभिषेक प्राइवेट गाड़ी चलाता था। चार साल पहले उसने ऐशबाग में रहने वाली युवती से प्रेम प्रसंग के बाद शादी की थी। उसकी एक बच्ची भी है। शुक्रवार शाम वह पत्नी और बेटी को ऐशबाग छोड़कर आया था।

चरित्र संदेह को लेकर अक्सर होता था विवाद

अभिषेक ने शुक्रवार देर रात सोशल मीडिया पर एक वीडियो बनाया था। वीडियो में वह फांसी का फंदे के पास नजर आया। वीडियो में वह पत्नी और ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें अपनी मौत का जिम्मेदार बता रहा है। पुलिस ने वीडियो जब्त कर लिया है। जब्त वीडियो के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस को परिजन से प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि पति-पत्नी के बीच चरित्र संदेह को लेकर अक्सर विवाद भी होता था।

रामनवमी महोत्सव का भव्य आयोजन

पुत्रकामेष्टि यज्ञ से लेकर श्रीराम के जन्म तक की कथा को छात्राओं ने किया प्रस्तुत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में रामनवमी के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं भगवान श्रीराम के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ।

इस अवसर पर कक्षा 6वीं की छात्राओं ने पुत्रकामेष्टि यज्ञ से लेकर भगवान श्रीराम के जन्म तक की कथा को आकर्षक लघु नृत्य-नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत किया। श्रीराम के जन्म की आनंदमयी घड़ी

को दर्शाता समूह नृत्य कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। विद्यार्थियों की सजीव अभिव्यक्ति, नृत्य कौशल एवं समर्पण ने उपस्थित दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन मीनल सिंह द्वारा किया गया।

चूहामार दवा खाने से मौत, अस्पताल से भागकर आ गए थे वृद्ध

भोपाल। कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित वीआईपी रोड के पास किराए के मकान में रहने वाले 67 साल के बुजुर्ग ने चूहामार खा लिया। उन्हें इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था, वहां से वह डर के कारण घर लौट आए थे। घर में उनकी तबियत बिगड़ी और मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार वीआईपी रोड के पास किराए के मकान में रहने वाले भैरोलाल सेन (67) किसी महिला के साथ यहां रहते थे। दो दिन पहले उन्होंने चूहेमार दवा खा ली थी।

बुजुर्ग से 20 हजार रुपए छीन कर भागे बाइक सवार बदमाश

औबेदुल्लागंज। भोजपुर वार्ड 2 विजयनगर रोड पर दिनदहाड़े रेस्ट हाउस के पास दो अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने एक बुजुर्ग से 20,000 रुपए छीने कर भाग गए। टीआई भारत सिंह ने बताया कि इसकी जांच कर रहे हैं। अज्ञात बाइक स्वरों की घेराबंदी की जा रही है। फरियादी पूरन दादा बंसल कॉलेज की बस के ड्राइवर हैं। शनिवार को वे एटीएम से 20,000 रुपए निकाल कर घर जा रहे थे, तभी रास्ते में दो अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने उनसे रुपए छीन कर भाग गए। इसके बाद उन्होंने थाने पहुंचकर पुलिस को सूचना दी।

जल गंगा संवर्धन अभियान

रंगोली और स्थानीय भाषा में संवाद कर जलस्रोतों को बचाने दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

जल गंगा संवर्धन अभियान अंर्तगत विकाखण्ड में नवांकुर संस्थाओं एवं समितियों द्वारा ग्राम -ग्राम में जल संचय का संदेश रंगोली एवं स्थानीय भाषा में संवाद कर दिया जा रहा है। परिषद की ब्लॉक समन्वयक निशा बहेकार ने बैरसिया में जल चौपाल में बताया कि हमारे द्वारा जल स्त्रोतों को बचाने वन ग्रामों एवं आदिवासी समुदाय के बीच रैली, रंगोली, स्थानीय भाषा में संवाद एवं गीत के माध्यम से जल स्त्रोतों की महत्ता बताई जा रही है।

नवांकुर संस्थाओं एवं परामर्शदाताओं एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास पाठयक्रम के विद्यार्थियों द्वारा जल संरचनाओं के संरक्षण को लेकर प्रयास किये जा रहे हैं। विद्यार्थी

तकनीकी माध्यमों का उपयोग भी जल संरक्षण संदेश हेतु कर रहे हैं। ग्राम बिजौर में ग्राम सरपंच के साथ मिलकर नवांकुर अध्यक्ष स्थानीय भाषा में संदेश दे रहे हैं। क्षेत्र की बेतवा गोदर, चांदनिया नंदी के संरक्षण को लेकर भी नवांकुर स्थानीय पार्षदों के साथ मिलकर कार्य कर रही है।

कलेक्टर ने किया तहसील कार्यालय का निरीक्षण

औबेदुल्लागंज। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने शुक्रवार को गौहरगंज तहसील कार्यालय का निरीक्षण कर सभी शाखा प्रभारी से उनके कार्यों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने तहसीलदार कोर्ट में प्रकरणों की संख्या तथा उनके निराकरण की स्थिति, नामांतरण, सीमाकंन, बंटवारा सहित अन्य राजस्व गतिविधियों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर द्वारा लोक सेवा केंद्र का भी निरीक्षण किया गया।

उन्होंने वहां उपस्थित आवेदकों से पूछा कि नियत राशि से अधिक राशि तो नहीं ली जा रही है। कलेक्टर द्वारा लोकसेवा केंद्र संचालक को आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारू रखने के लिए एवं सभी आवेदन तत्काल संबंधित विभाग को भेजे जाने के लिए निर्देशित किया। कलेक्टर द्वारा इमलिया, गोंडी गोशाला का भी निरीक्षण कर गोवंशों की संख्या तथा उनके चारे-पानी की व्यवस्था, गोशाला में तैयार किए जा रहे गोकाष्ठ सहित अन्य उत्पादों की भी जानकारी ली गई।

विधायक पटवा पत्नी समेत मां कंकाली के दर्शन करने पहुंचे

औबेदुल्लागंज। मीडिया प्रभारी पंकज कोठारी एवं युवा नेता जीतू नंदवंशी ने बताया कि शनिवार को विधायक सुरेंद्र पटवा एवं पत्नी मोना पटवा के साथ चैत्र नवरात्रि पर ऐतिहासिक व सिद्ध शक्तिपीठ मां कंकाली के दर्शन कर आरती की और क्षेत्र व प्रदेश में सुख शांति व समृद्धि की मंगलकामना कामना की। इस अवसर पर जिला किसान मोर्चा अध्यक्ष ओपी मीणा भी मौजूद रहे।

पूर्व विधायक चौधरी को एआईसी के सदस्य बनाने पर कांग्रेसियों में रोष

औबेदुल्लागंज। पूर्व मंत्री सुरेश पचौरी रायसेन जिले से एआईसी के सदस्य थे, जो रायसेन जिले के निवासी हैं। पचौरी कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हो गए। पचौरी के स्थान पर काला पीपल के पूर्व विधायक कुणाल चौधरी को सदस्य बनाने पर रायसेन, औबेदुल्लागंज, मंडीदीप, बेगमगंज, बरेली, सिलवानी, सांची सहित अन्य क्षेत्रों के कांग्रेस कार्यकर्ता में असंतोष है, जिसके कारण सोशल मीडिया पर मैसेज चलते रहें।

स्थानीय कांग्रेस नेताओं का कहना है कि रायसेन जिले में देवेंद्र पटेल बेगमगंज के विधायक हैं और जिले के ही हैं। इनको सदस्य बनाना चाहिए। वहीं पूर्व विधायक देवेंद्र पटेल गाडरवारा के पूर्व विधायक हैं। इनको सदस्य बनाते मगर काला पीपल के पूर्व विधायक को एआईसी के सदस्य बनाने से रायसेन, औबेदुल्लागंज के कांग्रेसियों में रोष है। स्थानीय कांग्रेस नेताओं की मांग है कि विधायक देवेंद्र पटेल बेगमगंज या पूर्व विधायक देवेंद्र पटेल गाडरवारा को पचौरी की जगह सदस्य बनाया जाए।

अधिकारियों ने बेतवा उद्गम स्थल पर किए जा रहे कार्यों का किया अवलोकन

शासन के प्रयासों से बेतवा उद्गम स्थल से फिर पानी आना प्रारंभ, अविरल बनाए रखने किए जा रहे कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडीदीप

औद्योगिक नगर के समीप से निकलने वाली बेतवा के उद्गम स्थल से फिर जल स्त्रोत प्रारंभ हो गया है। विगत दिवस समाचार पत्रों में उद्गम स्थल पर बेतवा के सूख जाने की खबरे प्रकाशित होने के बाद शासन द्वारा गंभीरता से इस ओर प्रयास किए गए। राज्य स्तर पर भी बैठक एवं विषय विशेषज्ञों से प्राप्त सुझावों के अनुसार जिला स्तर से मौके पर जल संरक्षण के कार्य प्रारंभ किया गया। झिरी ग्राम में उद्गम स्थल के आस पास से निकाल रही झिर पर बोरी बंधान, पास में बह रहे एक नाले पर बोल्डर चेकडैम के कार्य किए गए।

आगामी कार्ययोजना में आसपास के कृषकों के यहां 6 खेत तालाब, 2 बोल्डर चेकडैम, 1

तालाब सीरिज में बह रहे नालों और झिरों में बोरी बंधान कराए जाने के साथ ही आगामी सीजन में पौधरोपण के साथ ही बेतवा को अविरल बनाए रखने के लिए जल संरक्षण के कार्य स्वीकृत किए जा रहे हैं। शासन द्वारा किए गए प्रारंभिक प्रयासों से बेतवा में फिर पानी आने लगा है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, वन मंडलाधिकारी, वन मंडल सामान्य औबेदुल्लागंज, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गौहरगंज, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत, सहायक यंत्री जनपद पंचायत, पर्यावरणविद सुभाष पांडे सहित अन्य अधिकारियों के साथ शुक्रवार को स्थल निरीक्षण कर बेतवा उद्गम स्थल पर किए जा रहे कार्यों का अवलोकन किया गया। उन्होंने कार्ययोजना अनुसार कार्य कराए जाने के लिए संबंधितों को निर्देश दिए हैं। सीईओ जिला पंचायत ने विभागीय अधिकारियों को बताया कि पूरे कैचमेंट एरिया के विस्तृत कार्ययोजना पर कार्य किया जा रहा है। हमें अपने प्रारंभिक कार्यों को समय सीमा में पूर्ण कर बेतवा को अविरल बनाए रखना है।

आम सहमति से की भारत विकास परिषद की नई कार्यकारिणी घोषित

पदाधिकारियों को कार्यभार का किया बंटवारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

भारत विकास परिषद संत हिरदाराम नगर शाखा की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें वर्ष 2025-26 की नई कार्यकारिणी की आम सहमति से घोषणा की गई। जिसमें अध्यक्ष डॉ. जीटी खेमचंदानी, सचिव सुरेंद्र मोतियानी, सह-सचिव कीर्ति तोलानी एवं प्रकाश रंगवानी, कोषाध्यक्ष सुंदर किशनानी, सह कोषाध्यक्ष बीडी भारवानी एवं किशन उदासी को नियुक्त किया गया।

सांस्कृतिक प्रमुख विमल भंडारी सह प्रमुख श्याम उदासी, प्रचार प्रमुख गुलाब जेठानी, सह प्रचार प्रमुख राजा इसरानी, अंकेक्षक

विकास आसनानी को बनाया गया। इसके अलावा पांच आयामों सेवा, संस्कार और महिला कार्य के ग्रुप बनाए गए है। जिनमें उपाध्यक्ष राकेश हरपलानी, संयोजक वीएन मोतियानी, सदस्य एसी साधवानी, डॉ. गुलाब टेवानी, कैलाश आसूदानी, किशोर थावानी, भगवान दामानी, केटी ज्ञानचंदानी, तुलसीदास तोलानी, गोबिंद मीरचंदानी आदि शामिल हैं।

चुनौती को एक अवसर की तरह देखना चाहिए, क्योंकि वह हमारे व्यक्तित्व को बनाता है बेहतर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

चुनौतियां वास्तविक होती हैं, लेकिन वे किसी व्यक्ति को परिभाषित नहीं करतीं। हर संकट और कठिनाई को एक नए अवसर के रूप में देखना चाहिए। धैर्य और आत्मविश्वास सफलता की कुंजी हैं। जीवन में कठिनाइयां स्थाई नहीं होतीं, लेकिन हमें अपने आत्मविश्वास को बनाए रखना होगा। यह बात फिलॉस्फर और वैज्ञानिक डॉ. भूपेन्द्र चौधरी ने शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित स्प्रिच्युअल इंटलेक्चुअल समिट, मेटा अवेकनिंग में युवाओं से चर्चा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने युवाओं को अपनी आंतरिक शक्ति से परिचित कराया और उनके साथ जीवन के विभिन्न आयामों पर चर्चा की। रिक्रिएट योर लाइफ विथ कॉन्शियसनेस, पर आयोजित इस सत्र में डॉ. भूपेन्द्र ने युवाओं के साथ अलग-अलग थिंकिंग प्रोसेस पर बात की।

कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में हुआ डॉ. भूपेन्द्र चौधरी का विशेष सत्र

जीवन में कठिनाइयां हमारी परीक्षा लेने के लिए होती हैं

इस दौरान डॉ. भूपेन्द्र ने कहा कि जीवन में आने वाली कठिनाइयां हमारी परीक्षा लेने के लिए होती हैं, हमें हराने के लिए नहीं। कठिन परिस्थितियां हमें मजबूत बनाती हैं, हमें निखारती हैं और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

चार प्रकार की थिंकिंग के बारे में विस्तार से समझाया

दिन भर चले इस सत्र में डॉ. भूपेन्द्र ने चार प्रकार की थिंकिंग लीनियर थिंकिंग, लॉजिकल थिंकिंग, लेट्रेरल थिंकिंग और क्रिटिकल थिंकिंग को उदाहरण के साथ उन्होंने बताया। उन्होंने कहा कि जब हम अपनी चेतना के विकास पर काम करते हैं तो हम इन चारों थिंकिंग के आगे जाकर इंटीग्रेटेड वे के रूप में सोच पाते हैं।

शहीद भवन में नाटक सुहिनो सपनो और प्यार जा पुजारी का मंचन

नाट्य प्रस्तुतियों ने दिया सार्थक सामाजिक संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सिंधु दर्पण नाट्य संस्था की ओर से कविता इसराणी के निर्देशन में दो नाटकों का मंचन शहीद भवन में शनिवार को किया गया। आसुदो लछवाणी के लिखे नाटक 'सुहिनो सपनो' (सुंदर स्वप्न) और शंकर शेष द्वारा लिखित नाटक 'प्यार जा पुजारी'(प्रेम पुजारी) की प्रस्तुति दी गई। प्रकाश संयोजन मुकेश जिज्ञासी का रहा। दोनों नाटक सार्थक सामाजिक संदेश देने में सफल रहे। प्रस्तुति के लिए गत एक माह से रिहर्सल की जा रही थी।

सुहिनो सपनो एक संवेदनशील और प्रेरणादायक कहानी

नाटक 'सुहिनो सपनो' एक संवेदनशील और प्रेरणादायक कहानी पर आधारित है, जिसमें एक बेटी समाज में शिक्षा की अलख जगाने का बीड़ा उठाती है। धीरे-धीरे लोग इस मुहिम में शामिल होते जाते हैं। यह आंदोलन इतना बड़ा बन जाता है कि हजारों लोग इससे प्रेरित होकर गरीब बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाने लगते हैं। नाटक के जरिए समाज में शिक्षा के महत्व को दर्शाया गया। नाटक समाज में शिक्षा का महत्व दर्शाता है और इस बात पर जोर देता है कि यदि हर व्यक्ति शिक्षा के लिए योगदान दे, तो आर्थिक रूप से कमजोर तथा उपेक्षित/वंचित परिवारों के नौनिहालों में अशिक्षा को जड़ से समाप्त किया जा सकता है। यह नाटक यह भी दर्शाता है कि सच्चे और निःस्वार्थ प्रयासों में संत जन की कृपा हमेशा बनी रहती है, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

रोमांचक मोड़ों से भरपूर नाटक 'प्यार जा पुजारी'

नई सोच और रोमांचक मोड़ों से भरपूर नाटक 'प्यार जा पुजारी' समाज में प्रेम और धोखे के बीच की महीन रेखा को उजागर करती है।नाटक की कहानी दो अमीर बहनों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक ही युवक के प्रेम के चक्कर में पड़ जाती हैं। यह युवक न केवल उनका प्यार पाने का दिखावा करता है, बल्कि उनके धन और भावनाओं का भी छलपूर्वक लाभ उठाता है। दोनों बहनें प्रेम की धुंध में यह देख ही नहीं पातीं कि वे एक ही व्यक्ति के झूठे प्रेमजाल में फंस गई हैं। जब सच्चाई सामने आती है, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक जाती है। कहानी में चरम मोड़ तब आता है जब धोखेबाज युवक अपने बचाव के लिए आत्महत्या करने का नाटक करने की कोशिश करता है, परंतु बहनें उसकी चाल को समझ जाती हैं। इस मोड़ पर नाटक एक महत्वपूर्ण संदेश देता है कि अंधे प्रेम में पड़कर स्वयं को खोना सही नहीं है। यह कहानी उन लोगों के लिए एक सीख है, जो प्रेम में विवेक से अधिक भावनाओं को स्थान देने लगते हैं।

यूथ हॉस्टल में नाटक 'नंदू नचईया' का मंचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

एक कलाकार मरेगा, तो दूसरा आ जाएगा लेकिन कला कभी नहीं मरेगी....,

ऐसा ही संदेश देता नाटक 'नंदू नचईया' का मंचन यूथ हॉस्टल में शनिवार शाम किया गया। नौटंकी शैली के यह नाटक एक मार्मिक प्रेम कथा है, जिसमें दर्शाया कि प्रेम जात पात, ऊंच नीच नहीं देखता। नाटक में समाज की जातिगत व्यवस्था और मानव की संवेदनशील को उजागर किया है।

एक मार्मिक प्रेम कथा पर आधारित नाटक

नाटक की कहानी

नंदू नचईया एक नाच-गाने की मंडली चलाता है। एक बड़े साहब अपनी छोटी बहन की शादी के अवसर पर नंदू की मंडली को बुलवाते हैं। नंदू का नृत्य देख छोटी मालकिन उसे दिल दे बैठती है। दोनों का प्रेम परवान चढ़ता है और वे शादी कर लेते हैं। नंदू छोटी जाति का होता है, पर प्रेम सीमाएं नहीं देखता। मालकिन गर्भवती हो जाती है और यह बात जब बड़े साहब को पता चलती हैं, तो वे नंदू के सम्मान में एक भव्य कार्यक्रम करवाते हैं, जिसमें नंदू की मंडली को फिर से बुलाया जाता है। लेकिन यह सम्मान एक छलावा होता है, उसी कार्यक्रम में नंदू की हत्या कर दी जाती है।

बीएसएसएस में हुआ 'नृत्य निरवाना' का बेहतरीन आयोजन

समाज के ज्वलंत मुद्दों को नृत्य में पिरोकर किया प्रस्तुत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंस में इंटर डिपार्टमेंटल डांस प्रतियोगिता नृत्य निरवाना का आयोजन शनिवार को किया गया, जिसमें महाविद्यालय के अलग-अलग विभागों ने बहुत शानदार प्रस्तुति दी। डांस की थीम इंडो वेस्टर्न थी जिसमें हर विभाग ने समाज के ज्वलंत मुद्दों को नृत्य में पिरोकर प्रस्तुत किया। इस डांस प्रतियोगिता में निर्णायकगण के रूप में कविता शाजी, सुमन कोठारी और सालसा एवं कंटेंपरेरी नृत्य के रिंकल सर उपस्थित रहे।

राजधानी

भोपाल में ईपीएसआई का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

एआई में भारत का शैक्षणिक व आर्थिक भविष्य बदलने का दम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अध्यक्ष डॉ. टीजी सीताराम ने कहा कि एआई में भारत के शैक्षिक और आर्थिक भविष्य को बदलने की क्षमता है। उच्च शिक्षा संस्थानों को अत्याधुनिक शोध, नवाचार और पाठ्यक्रम में बदलाव के जरिए एआई तैयार प्रतिभा तैयार करनी होगी। उन्होंने शिक्षा परिषद की उस दृष्टि को भी साझा किया। इसका उद्देश्य विचारकों, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और नवप्रवर्तकों को एक मंच पर लाना है।

संस्थागत क्षमताओं को मजबूत करने की चुनौती

वक्ताओं ने कहा कि एआई के वैश्विक स्तर पर उद्योगों और समाज में क्रांतिकारी बदलाव लाने के साथ ही भारत के सामने अपनी बौद्धिक और संस्थागत क्षमताओं को मजबूत करने की चुनौती है। इस सम्मेलन में उच्च शिक्षा संस्थानों की उस परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर दिया गया, जो प्रतिभा को निखारने, शोध को बढ़ावा देने भारत की एआई महत्वाकांक्षाओं को गति दे सकती है। मौके पर पुस्तक द रोड अहेड 2.0 लॉन्च भी किया गया। शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी को कम करने का लक्ष्य होना चाहिए।

सिंधी साहित्य सभा के वार्षिक पुरस्कार समारोह में विभूतियों को मिला सम्मान

नई दिल्ली में आर्य ऑडिटोरियम ईस्ट ऑफ कैलाश में आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

अखिल भारत सिंधी बोली साहित्य सभा का वार्षिक पुरस्कार समारोह "सुहिणा सिंधी" शनिवार 5 अप्रैल को आर्य ऑडिटोरियम ईस्ट ऑफ़ कैलाश नई दिल्ली में हुआ। संस्था ने साहित्य, संगीत, चित्रकला, पत्रकारिता, नाटक और नृत्य कला से जुड़ी 10 सिंधी भाषी विभूतियों को सम्मानित किया गया। इनमें सिंधी पत्रकारिता अवॉर्ड नंद छुगानी एडिटर कूंज पत्रिका मुंबई, सिंधी अदीब अवॉर्ड अरुण बाबाणी, मुंबई, संगीत अवार्ड नील तलरेजा, बुरहानपुर मप्र, फनकार अवार्ड घनश्याम भगत अजमेर, लैंग्वेज प्रमोशन अवॉर्ड रमेश लाल, नई दिल्ली, चित्रकला अवार्ड आभा आसुदाणी , नागपुर, नृत्य अवॉर्ड काव्या नावाणी, दिल्ली, सिंधियत अवार्ड विजय इसराणी, नई दिल्ली साहित्य अवॉर्ड वीना श्रृंगी, दिल्ली और ड्रामा अवॉर्ड दिल्ली की नाट्य संस्था सिंधु कला संगम के महासचिव कीर्ति ज्ञानचंदानी को दिया गया।

एम्स में पैथोलॉजी विभाग ने मनाया स्थापना दिवस

पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन चिकित्सा की रीढ़

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

एम्स भोपाल के पैथोलॉजी एवं लैब मेडिसिन विभाग ने अपना 13वां स्थापना दिवस मनाया। विभागाध्यक्ष डॉ. वैशाली वाल्के एवं डॉ. दीप्ति जोशी द्वारा विभाग की वर्ष भर की उपलब्धियों की जानकारी दी। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विभाग द्वारा सर्वाइकल साइटोलॉजी विषय पर एक सीएमई-सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें एम्स नई दिल्ली से डॉ. संदीप माथुर, जेएनएमसी अलीगढ़ से डॉ रुबीना खान एवं जीएमसी नागपुर से डॉ. सुप्रिता नायक विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस आयोजन का विशेष आकर्षण प्रसिद्ध न्यूरोपैथोलॉजिस्ट एवं पूर्व डीन, एनआईएमएस हैदराबाद, पूर्व अध्यक्ष इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट्स एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट एवं न्यूरोपैथोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया की डॉ. सुंदरम द्वारा प्रस्तुत व्याख्यान रहा। इस अवसर पर एम्स डायरेक्टर डॉ अजय सिंह ने विभाग को बधाई देते हुए कहा कि पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन विभाग निदान चिकित्सा की रीढ़ है।

फिस्टुला-टॉमी से बिना टांका लगाए होगा इलाजः डॉ. निरंजन

एम्स में हुई एसोसिएशन ऑफ कोलन ऐंड रेक्टल सर्जस ऑफ इंडिया की वर्कशॉप

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

फिस्टुला-टॉमी नाम की नई तकनीक से बिना टांका लगाए फिस्टुला का इलाज आसान हो गया है। इसमें फिस्टुला को काटकर खुला छोड़ दिया जाता है। ऊपर से ड्रेसिंग कर दी जाती है, जिससे जख्म अंदर ही अंदर भर जाता है। यह लो-फेस्टुला में किया जाता है। जबकि कॉम्प्लेक्स फेस्टुला में मल के रास्ते को नियंत्रित करने की मांसपेशियों को रिपेयर किया जाता है। यह जानकारी शनिवार को मुंबई के सर्जन डॉ निरंजन अग्रवाल ने एम्स में आयोजित एसोसिएशन ऑफ कोलन ऐंड रेक्टल सर्जस ऑफ इंडिया के 28वें कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान देते हुए कही। कार्यक्रम में राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज मुंबई के डॉ. कुशल मित्तल ने फिस्टुला के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इसमें कई सर्जरी के बाद मरीज का मल के रास्ते पर नियंत्रण नहीं रह जाता। ऐसे में वीडियो असिस्टेड ऑफ एनल फिस्टुला ट्रीटमेंट तकनीक एक बेहतर उपाय है। इसमें लेजर ऑपरेशन किया जाता है। इससे मल के रास्ते को कम से कम नुकसान पहुंचता है। आयोजक सचिव डॉ भारती पंडया और भोपाल सर्जीकल सोसायटी के मीडिया प्रभारी डॉ आईके चुघ ने बताया कि तीन दिवसीय वर्कशॉप के पहले दिन सर्जिकल स्टेपलर्स पर विशेषज्ञ डॉक्टरों ने नवीन तकनीकों के बारे में जानकारी दी। वर्कशॉप में सीनियर सर्जन डॉ योगीराज शर्मा ने पाइलो-नाइडल? पातः फिशर पर व्याख्यान देते हुए नई जानकारियों से प्रतिभोगियों को रूबरू कराया।

एनएसएस इकाई स्तर शिविर से स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व का किया विकास

ग्राम बोरदा में मेरा युवा भारत एवं डिजिटल साक्षरता के लिए युवा थीम पर आयोजित किया गया शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी स्थित शा. डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन किया गया। यह शिविर 27 मार्च से 2 अप्रैल तक ग्राम बोरदा, कोलार रोड, जिला भोपाल में मेरा युवा भारत एवं डिजिटल साक्षरता के लिए युवा थीम पर आयोजित किया गया था। कार्यक्रम अधिकारी डॉ हेमलता वर्मा और मधुसूदन प्रकाश के निर्देशन, प्राचार्य डा. शालिनी सक्सेना के संरक्षण तथा डॉ अनंत कुमार सक्सेना रासेयो कार्यक्रम समन्वयक एवं राहुल सिंह परिहार रासेयो ईटीआई प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों के रूप में ग्राम बोरदा के सरपंच बटन लाल सूर्यवंशी, एवं अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

शिविर दिनचर्या अनुसार प्रभात फेरी निकाली

स्वयंसेवकों द्वारा शिविर स्थल की सफाई, रासेयो ध्वज की स्थापना, रोल काल का निर्माण किया गया। शिविर दिनचर्या अनुसार प्रभात फेरी, योग, परियोजना कार्य, श्रमदान, बौद्धिक सत्र, रासेयो खेल का आयोजन किया गया। शिविरार्थियों ने रेड रिबन क्लब के तहत एचआईवी एड्स जागरुकता रैली, जल संवर्धन अभियान, पर्यावरण संरक्षण, सड़क सुरक्षा, मतदाता जागरुकता रैली निकाली। समापन सत्र में महाविद्यालय में डॉ एसके मल्होत्रा प्राध्यापक गणित ने अपने उद्बोधन से स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों, शिविर, बी एवं सी प्रमाण पत्र की जानकारी दी।

पर्यावरण के अनुकूल व्यावहारिक आदतों को अपनाने के प्रति जागरुक करना मकसद

आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर का मैनिट दौरा, सतत जीवनशैली अपनाने पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे के प्रोफेसर और एनर्जी स्वराज फाउंडेशन के संस्थापक प्रोफेसर डॉ. चेतन सिंह सोलंकी ने अपनी एनर्जी स्वराज यात्रा के तहत मैनिट का दौरा किया। सतत् जीवन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए पहचाने जाने वाले प्रोफेसर सोलंकी 2030 तक सौर ऊर्जा से संचालित बस में रहने की प्रतिज्ञा ले चुके हैं। उन्होंने शिक्षकों के साथ संवाद कर ग्रीन और एनर्जी आधारित भविष्य को बढ़ावा देने का प्रयास किया। अपने दौरे के दौरान प्रोफेसर सोलंकी ने मैनिट के प्रमुख शिक्षकों के साथ चर्चा की। इनमें निदेशक प्रोफेसर केके शुक्ला और ऊर्जा केंद्र के प्रमुख प्रोफेसर अरविंद मित्तल शामिल रहे। इसके अलावा उन्होंने हाल ही में नियुक्त युवा शिक्षकों से भी बातचीत की। उनका मुख्य उद्देश्य ऊर्जा की खपत को कम करने और पर्यावरण के अनुकूल व्यावहारिक आदतों को अपनाने के प्रति

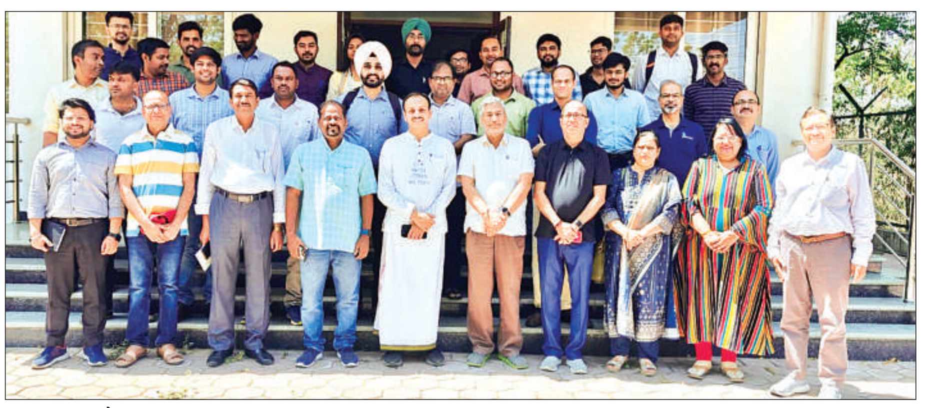

जागरुकता फैलाना था। उन्होंने शिक्षकों से ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग करने, अनावश्यक खरीदारी और शॉपिंग से परहेज करने तथा पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए स्थानीय सामग्रियों का उपयोग करने की बात कही। उन्होंने दो एल के उपयोग पर जोर दिया। इसका मतलब जरूरतों को सीमित करना (लिमिटेड) और जहां तक संभव हो स्थानीय संसाधनों का प्रयोग करना (लोकल) है।

चार वर्षों से कोई कपड़े नहीं खरीदे

निदेशक प्रोफेसर केके शुक्ला ने प्रोफेसर सोलंकी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनका दृष्टिकोण हमारे संस्थान की नवाचार और सामाजिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता के अनुरूप है। उन्होंने इस अवसर पर वास्तुकला और नियोजन विभाग के डॉ. मनमोहन कापशे की प्रशंसा की, जिन्होंने पिछले चार वर्षों से कोई कपड़े नहीं खरीदे, जो जरूरतों को सीमित करने के सिद्धांत को दर्शाता है। इसी तरह, ऊर्जा केंद्र के डॉ. गुरवीर सिंह की भी सराहना की गई, जो पिछले डेढ़ साल से परिसर में साइकिल का उपयोग कर रहे हैं, जो सतत् प्रथाओं का उदाहरण है। ऊर्जा केंद्र के प्रमुख प्रोफेसर अरविंद मित्तल ने परिसर में ऊर्जा-कुशल पहलों को बढ़ावा देने के लिए संभावित सहयोग की आशा व्यक्त की। जैसे-जैसे प्रोफेसर सोलंकी अपनी राष्ट्रव्यापी यात्रा को आगे बढ़ा रहे हैं, मैनिट में उनका यह पड़ाव शैक्षणिक संस्थानों की सतत् परिवर्तन में अहम भूमिका को रेखांकित करता है।

ममता भी निकालेंगी जुलूस, भाजपा-टीएमसी आमने-सामने

बंगाल में रामनवमी के आयोजन पर कोहराम

पश्चिम बंगाल में राम नवमी के कार्यक्रम पर गरमाई राज्य की सियासत

एजेंसी ⏭ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में राम नवमी के जुलूस को लेकर राजनीतिक पारा चढ़ा हुआ है। टीएमसी और भाजपा आमने-सामने हैं। अदालत ने 6 अप्रैल को जुलूस निकालने की इजाजत दे दी है। भाजपा समेत कई हिंदू संगठन जुलूस निकालने के लिए तैयार हैं। अब टीएमसी भी जुलूस निकालने जा रही है। हालांकि बंगाल सरकार ने सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा है। विधायक शौकत मोल्लाह ने दावा किया कि टीएमसी कैनिंग में होने वाली रामनवमी की विशाल रैली में शामिल होगी। जुलूस के आयोजक ने उनको भी न्योता दिया है। उन्होंने भड़काऊ माहौल बनाने की कोशिश किए जाने का आरोप लगाया। मोल्लाह ने कहा कि भाजपा नेता सुकांत मजूमदार, सुवेंदु अधिकारी और दिलीप घोष धर्म का राजनीतिकरण कर रहे हैं।

41 शोभायात्राओं को मिली अनुमति

बंगाल में इस बार राम नवमी का जुलूस कितना भव्य होगा इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि शोभायात्रा के लिए ढाई हजार से ज्यादा आवेदन दिए गए हैं। 60 शोभायात्राएं तो अकेले कोलकाता में ही निकालने की तैयारी हो रही है, जिनमें 41 को इजाजत मिल गई है।

केवल हिंदू त्योहारों पर समस्याएं क्यों हो रहीं: दिलीप घोष

भाजपा नेता दिलीप घोष ने सवाल उठाया कि पुलिस-प्रशासन की मौजूदगी में हिंदू त्योहारों के दौरान समस्याएं क्यों पैदा होती हैं? ममता सरकार और पुलिस हिंदू त्योहारों को रोकने के लिए तरह-तरह के बहाने बनाती है। कहते हैं कि अगर कोई गड़बड़ी होती है, तो जुलूस की इजाजत नहीं दी जाएगी, लेकिन गड़बड़ी आप ही पैदा करते हैं। वे बहाने लेकर कोर्ट में जाते हैं। उन्हें बहाना बंद कर देना चाहिए, क्यों कि हिंदू समाज कानून के दायरे में रहकर ही अपने कार्यक्रम का आयोजन करता है।

बंगाल में हाई अलर्ट भारी पुलिस बल तैनात

कोलकाता हाई कोर्ट का जुलूस को परमिशन देना ममता सरकार के लिए किसी झटके से कम नहीं है। हालांकि अब जब जुलूस निकलेगा ही तो कोई अप्रिय घटना न घटे ये देखना सरकार की जिम्मेदारी होगी। यही वजह है कि पूरे राज्य में सुरक्षा व्यवस्था सख्त की जा रही है। संवेदनशील इलाकों में 29 अफसरों की तैनाती की गई है। अकेले कोलकाता में 5 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

जादवपुर विश्वविद्यालय मामला

रामनवमी के लिए अनुमति नहीं दी, छात्रों ने प्रशासन पर लगाए पक्षपात के आरोप

कोलकाता स्थित जादवपुर विश्वविद्यालय प्रशासन ने कुलपति के नहीं होने का हवाला देते हुए विश्वविद्यालय परिसर में रामनवमी मनाने की

अनुमति देने से इनकार कर दिया। हालांकि प्रशासन के इस कदम के बाद छात्रों में काफी निराशा है। कई छात्रों ने इसे कॉलेज प्रशासन के द्वारा दिया जा रहा बहाना करार दिया। इन्हीं में से एक छात्र सोमसूर्या बनर्जी ने अपनी नाराजगी व्यक्त की। सोमसूर्या ने बताया कि जब उन्होंने विश्वविद्यालय से अनुमति प्राप्त करने के लिए संपर्क किया, तो उन्हें बताया गया कि कुलपति की अनुपस्थिति के कारण अनुमति नहीं दी जा सकती है।

खबर संक्षेप

वर्मा इलाहाबाद हाईकोर्ट में बने जज, शपथ ली

प्रयागराज। नोट बरामदगी के मामले के बाद चर्चा में आए न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने शनिवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण कर ली। हालांकि, उन्हें तब तक कोई न्यायिक कार्य नहीं दिया जाएगा, जब तक उनके खिलाफ चल रही जांच पूरी नहीं हो जाती है। हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की वरिष्ठता में उनका नाम भी शामिल हो गया।

'बाबू' को पीएम समेत नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। देश के पूर्व उप-प्रधानमंत्री और समाजसेवी बाबू जगजीवन राम की जयंती पर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके योगदान को याद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बाबू जगजीवन राम ने अपना पूरा जीवन गरीबों और वंचितों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया।

मुंडे को देना होगा महिला को भरण-पोषण

मुंबई। यहां की एक सत्र अदालत ने महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता धनंजय मुंडे को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने मुंडे की अपील खारिज कर दी। यह अपील उन्होंने एक मजिस्ट्रेट अदालत के उस आदेश के खिलाफ दायर की थी, जिसमें उन्हें एक महिला को गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया गया था। बता दें कि महिला का दावा है कि वह उनकी पहली पत्नी हैं।

कलाकारों की सूची से कामरा का नाम हटा

मुंबई। स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा पर शिवसेना लगातार हमलावर है। 'गद्दार' वाले बयान से गुस्साई शिवसेना ने दावा किया कि बुकमायशो ने कुणाल कामरा का नाम कलाकारों की सूची और टिकटिंग प्लेटफार्म से हटा दिया है। शिवसेना नेता ने ऑनलाइन टिकट बिक्री प्लेटफार्म के सीईओ का धन्यवाद जताया है। मुंबईकर ऐसी कला से प्रेम नहीं करते।

बैंकों में मराठी भाषा को लेकर बंद करें आंदोलन

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को अपनी पार्टी कार्यकर्ताओं से बैंकों और अन्य संस्थानों में मराठी भाषा के इस्तेमाल को लागू करने के लिए चल रहे 'आंदोलन' को फिलहाल रोकने को कहा है। उन्होंने कहा, मुद्दे पर काफी जागरूकता फैलाई है। उन्होंने पत्र में लिखा कि अब इस आंदोलन को रोकने में कोई बुराई नहीं है।

गृहमंत्री शाह दो दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा पहुंचे, की अपील

आप सभी हमारे अपने, मुख्यधारा में शामिल होकर देश व राज्य के विकास में योगदान दें

एजेंसी ⏭ दंतेवाड़ा

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दो दिवसीय छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के दौरे पर हैं। शनिवार की दोपहर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहले विमान से बस्तर पहुंचे। जगदलपुर आगमन के दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने आत्मीय स्वागत किया। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने अपने संबोधन की शुरुआत भारत माता की जय से करते हुए कहा कि आज चैत्र नवरात्रि की अष्टमी है। मैं अभी-अभी मैं मां दंतेश्वरी का आशीर्वाद लेकर यहां आया हूं कि अगली चैत्र नवरात्रि में यहां से लाल आतंक खत्म हो जाए और हमारा बस्तर फिर से खुशहाल हो। दंतेश्वरी माई की जय और छत्तीसगढ़ महतारी के जयकारे लगाते हुए शौह ने कहा कि आज अष्टमी और रामनवमी दोनों है। मैं रामलला के ननिहाल यानी छत्तीसगढ़ में आया हुआ हूं। बहुत-बहुत शुभकामनाएं पूरे देश को रामनवमी की बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

नक्सलियों से की अपील अगली चैत्र नवरात्रि में यहां से लाल आतंक खत्म हो और बस्तर फिर से खुशहाल हो

रायपुर में उच्च स्तरीय बैठक करेंगे

सुख-समृद्धि की कामना की

नवरात्रि पर शाह ने आराध्य देवी मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश वासियों की सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा, मंत्री राम विचार नेताम, केदार कश्यप, विधायक जगदलपुर किरण देव अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ, सचिव राहुल भगत, कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी बस्तर सुंदरराज पी सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे।

पंडुम के कलाकारों का सम्मान किया

सीएम साय ने कहा कि यह बस्तर पंडुम 45 दिन तक चला। संभाग स्तर पर समापन हो रहा है। इसमें ओडिशा, कर्नाटक, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र के करीब 27 हजार कलाकारों ने हिस्सा लिया। इसमें आदिवासी संस्कृति, वेशभूषा, भाषा-शैली, साहित्य, खान-पान का समावेश हुआ। इसमें कलाकारों का सम्मान किया गया।

कांग्रेस ने कराई भंजदेव की हत्या

आदिवासी क्षेत्रों के सभी देवी-देवताओं और महाराज प्रवीणचंद्र भंजदेव को प्रणाम करते हुए शाह ने कहा उन्होंने जनजातियों की संस्कृति के लिए प्राणों की आहुति दी। कांग्रेस के आकाओं को सहन नहीं हुई और साजिश के तहत उनकी हत्या करवा दी।

बस्तर पंडुम को मिलेगी अंतरराष्ट्रीय पहचान

महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बाबू जगजीवनराम जी की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए शाह ने कहा कि उन्होंने देश के आदिवासी, पिछड़े वर्गों के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। शाह ने कहा कि अगले साल बस्तर पंडुम में देशभर के आदिवासी कलाकारों को बस्तर में लाएंगे। पंडुम को अंतरराष्ट्रीय दर्जा के प्रयास करेंगे।

मां दंतेश्वरी का लिया आशीर्वाद

दंतेवाड़ा में सबसे पहले मां दंतेश्वरी के दर्शन किए। इस दौरान वह धोती-कुर्ता पहने नजरआए। मां का आशीर्वाद लेने के बाद शाह बस्तर पंडुम के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्हें माला और गौर मुकुट पहनाकर उनका

स्वागत किया गया। यहां पर वह बस्तर के पारंपरिक ड्रिंक्स और फूड्स का स्वाद भी चखा। फिर रायपुर में उच्च स्तरीय बैठक ली। इसके बाद वापस दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

देश को नक्सलमुक्त करने का संकल्प पूरा होगा

कार्यक्रम में सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारे सुरक्षाबल के जवान बहुत ही मजबूती के साथ लड़ाई लड़ रहे हैं। नक्सल मोर्चे पर लगातार सफलता मिल रही है। हमें पूरा भरोसा है की मां दंतेश्वरी की कृपा से केंद्रीय गृहमंत्री का मार्च 2026 से पहले छत्तीसगढ़ सहित देश को नक्सलमुक्त करने का संकल्प पूरा होगा। बस्तर इलाका पर्यटन स्थल है, जो स्वर्ग जैसा है यहां पर फिर पुराना समय आएगा।

योगी की हैट्रिक का किया दावा

संसद में वक्फ संसोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान कई रोचक लम्हे भी आए। इस दौरान शाह ने उत्तर

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार तीसरी बार रिपीट होने की भी भविष्यवाणी कर दी। शाह के इस बयान के कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। शाह के बयान के बाद उनके और योगी के बीच सब कुछ ठीक नहीं होने की अटकलें अब बंद हो जाएंगी?

दिल्ली में आयुष्मान योजना लागू

10 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज

10 अप्रैल से मिलेगा कार्ड, पहले चरण में गरीबों को मिलेगा लाभ

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

राजधानी में गरीबों के लिए आयुष्मान योजना लागू हो गई है। इस सुविधा के तहत पंजीकृत व्यक्ति दिल्ली सहित देशभर के निजी अस्पतालों में 10 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज करवा सकेंगे। इसको लेकर शनिवार को दिल्ली में आयुष्मान के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच समझौता हुआ है। दिल्ली के स्वास्थ्य सचिव और केंद्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता, दिल्ली के मुख्य सचिव धर्मेंद्र, स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह, सभी सातों सांसद सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

2 लाख 35 हजार को पहले कार्ड मिलेगा

सीएम गुप्ता ने कहा कि केंद्र ने इस योजना को लागू करवाया और बढ़ा फंड दिया। पहले दिल्ली को इस योजना का लाभ नहीं मिल रहा था। महंगा इलाज होता था। निजी अस्पताल में मिल सकते थे। इस योजना के लागू होने पर मनपसंद अस्पताल में इलाज करवा सकेंगे। 1,961 चिकित्सा बीमारी का इलाज करवा सकता है। 30,957 देशभर के अस्पतालों में इलाज करवा सकते हैं। 2 लाख 35 हजार को पहले चरण में लाभ मिलेगा। 10 अप्रैल से कार्ड मिलेगा।

1 माह में 1 लाख परिवारों को मिलेगी सुविधा

दिल्ली सरकार ने बताया कि समझौते के साथ ही योजना के तहत पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उम्मीद है कि अगले एक माह में एक लाख परिवारों को यह सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। योजना के पहले चरण के लिए एएवाई और पीआरएस कार्ड को चुना है। इसके अलावा दूसरे नियम भी बनाए जा रहे हैं। समझौते के साथ ही योजना में शामिल करने के लिए नियम और शर्त सार्वजनिक हो जाएंगे। इन्हीं नियमों के तहत दिल्ली के सभी लाभार्थियों को सुविधा मिलेगी।

राज्यपाल आरिफ का बड़ा बयान, बिल का समर्थन किया

वक्फ की संपत्ति पर गैर-मुस्लिमों का भी हक एक भी अनाथालय और अस्पताल नहीं खुला

वक्फ की संपत्तियां अल्लाह की जरूरतमंदों के लिए होनी चाहिए

एजेंसी ⏭ पटना

बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने वक्फ संशोधन बिल का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्तियां अल्लाह की मानी जाती हैं। इसका इस्तेमाल गरीबों, जरूरतमंदों और जनहित के लिए होना चाहिए। गैर मुस्लिमों का भी वक्फ की संपत्तियों में बराबर का हक है। खान ने कहा कि भारत लोकतांत्रिक देश है। हर किसी को अपनी बात रखने का अधिकार है। जब मैं यूपी में मंत्री था तब वक्फ विभाग मेरे पास ही था। हर समय मुझे ऐसे लोगों से मिलना पड़ता था, जिनके संपत्ति के मामले चल रहे थे। खान ने कहा कि इसमें बहुत सुधार की जरूरत थी। यह वक्फ संशोधन विधेयक इसी दिशा में एक कदम है।

उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष भड़के

विरोधी पॉलिटिकल मुसलमान और इस्लाम में पुतला दहन नहीं होता

देहरादून। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने कहा है कि जो लोग वक्फ (संशोधन) बिल का विरोध कर रहे हैं, वे पॉलिटिकल मुसलमान हैं। शादाब शम्स ने कहा कि इन दिनों वक्फ बिल के विरोध में पुतले दहन किए जा रहे हैं लेकिन पुतला दहन इस्लाम का हिस्सा नहीं है। उन्होंने कहा कि इस्लाम में दहन का कोई कांसेप्ट ही नहीं है। उन्होंने सवाल पूछा कि क्या अरब में दहन होता है? शादाब शम्स ने कहा कि पुतले दहन करने वाले या तो मुसलमान नहीं हैं या फिर ये पॉलिटिकल मुसलमान हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग गरीब मुसलमानों को गुमराह कर रहे हैं।

ओवैसी के बाद सुप्रीम कोर्ट में अमानतुल्लाह ने दी चुनौती

नई दिल्ली। आप के नेता और विधायक अमानतुल्लाह खान ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने वक्फ संशोधन विधेयक की वैधता को चुनौती दी है।

'भारत कुमार' को नम आंखों से किया 'नमन'

मुंबई। मनोज कुमार के अंतिम संस्कार के पूर्व अभिनेता की पत्नी शशि गोस्वामी पति के पार्थिव शरीर से लिपटकर फूट-फूटकर रोती रहीं। 'भारत' कुमार की पार्थिव देह को मुंबई के पवन हंस श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार के लिए अग्नि को सौंपा गया। उन्हें राजकीय सम्मान दिया गया था। निर्माता- निर्देशक सुभाष घई, अभिनेता अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन, राजबब्बर और राजपाल यादव समेत बड़ी हस्तियां अंतिम संस्कार में शामिल हुईं।

रामलला के ललाट पर सूर्य तिलक का फाइनल ट्रायल पूरा

ड्रोन के सहारे भक्तों पर होगा सरयू के जल का छिड़काव

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ अयोध्या

अयोध्या में राम नवमी का पर्व रविवार को धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसका मुख्य आकर्षण रामलला का सूर्य तिलक होगा। सूर्य की किरणें बालक राम के मस्तक का अभिनंदन करेंगी। यह दुर्लभ संयोग 4 मिनट तक रहेगा। शनिवार को इसका आखिरी ट्रायल हुआ। ट्रायल को कराने के दौरान इसरो के साथ-साथ आईआईटी रुढ़की और चेन्नई के एक्सपर्ट मौजूद रहे। रविवार की दोपहर ठीक 12 बजे भगवान सूर्य रामलला के ललाट का तिलक करेंगे। साथ ही भक्तों पर ड्रोन से सरयू का जल छिड़का जाएगा।

श्रीराम जन्मोत्सव पर अयोध्या में 2.50 लाख दीप जलाएंगे

श्रीराम जन्मोत्सव पर अयोध्या में 6अप्रैल को 2.5 लाख दीप जलाए जाएंगे। रामनगरी में दो दिवसीय आयोजन किया जा रहा है। दो दिवसीय यह आयोजन शनिवार से शुरू हुआ। पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि रामकथा पार्क में हस्तशिल्प, फूडकोर्ट, ओडीओपी आदि स्टॉल प्रदर्शित किए गए हैं। इसका शुभारंभ आज किया गया था। इसके तहत सुबह सात बजे से देर शाम तक हेरिटेज वॉक कराई गई। इसके अंतर्गत श्रीराम मंदिर, हनुमानगढ़ी के साथ विभिन्न स्थलों का भ्रमण कराया गया।

ड्रोन से भक्तों पर छोड़ी गई सरयू जल की फुहार

श्रद्धालुओं पर ड्रोन से सरयू जल की फुहार छोड़ने का ट्रायल शनिवार को हुआ। देर शाम को ड्रोन से रामपथ पर सरयू जल की फुहार श्रद्धालुओं पर डाली गई। यह पहली बार है जब श्रद्धालुओं पर आसमान से सरयू जल की वर्षा की जा रही है। रामनवमी पर भी श्रद्धालुओं पर ड्रोन से सरयू जल की फुहार छोड़ी जाएगी।

मठ-मंदिरों में आयोजन की धूम

अयोध्या में इस बार रामनवमी का आयोजन ऐतिहासिक और अभूतपूर्व होने जा रहा है। अयोध्या उत्सव में लीन है। मठ-मंदिरों में सांस्कृतिक व धार्मिक आयोजनों की धूम है। पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित रामोत्सव 2025 का भी शुभारंभ शनिवार को हेरिटेज वॉक से हुआ। उद्घाटन महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने किया। शाम को रामकथा पार्क में सांस्कृतिक संध्या हुई।श्री राम जन्मोत्सव को और खास बनाने के लिए पर्यटन विभाग ने हेरिटेज वॉक का आयोजन किया।

प्राचीन रंगमहल में बिखर रही श्रीरामजन्मोत्सव की अद्भुत छटा

रामजन्मभूमि परिसर से सटे श्रीराम के कुलदेवता के मंदिर प्राचीन रंगमहल में श्रीरामजन्मोत्सव की अद्भुत छटा बिखर रही है। मान्यता के अनुसार यहां कभी श्रीराम के कुलदेवता रंगजी का मंदिर था। रंगजी का समीकरण श्रीराम के ही पूर्व संस्करण भगवान विष्णु से स्थापित किया जाता है। रंग जी की परंपरा को नए सिरे से सहेजने का श्रेय स्वामी सरयू शरण को दिया जाता है। स्वामी सरयू शरण की परंपरा को पूरे गौरव से आगे बढ़ा रहे महंत रामशरण दास के संयोजन में प्राचीन रंगमहल में रामचरित मानस का नवाह पाठ, सुंदरकांड पाठ, श्रीरामस्तुति, दुर्गासप्तशति का पाठ संचालित है। मंदिर में रविवार को ठीक दोपहर 12 बजे रामजन्मोत्सव की धूम होगी। बधाई गान सुनाने के लिए दूर-दूर से कलाकार आए हैं, जो शानदार प्रस्तुति देंगे।

डीएलएफ पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

अवैध निर्माण के तोड़फोड़ पर लगाई रोक, यहां यथास्थिति बनाए रखें

हरियाणा सरकार से 4 हफ्ते में मांगा जवाब

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुग्राम के आरडब्ल्यूए फेज एक से पांच में अवैध निर्माण के खिलाफ चल रही तोड़फोड़ की कार्रवाई पर फिलहाल रोक लगाते हुए 'स्थिति जैसी है, वैसी ही बनी रहने' का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और अरविंद कुमार की पीठ ने आरडब्ल्यूए कुतुब एन्क्लेव रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई की। इस याचिका में हरियाणा सरकार के टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग की कार्रवाई को चुनौती दी गई थी। पीठ ने हरियाणा सरकार को नोटिस जारी कर 4 सप्ताह में जवाब मांगा और कहा कि अगली सुनवाई तक सभी पक्ष वर्तमान स्थिति बनाए रखें। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि आरडब्ल्यूए भी कोई निर्माण नहीं गिराएगा। इससे पहले पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने 19 अप्रैल तक रिपोर्ट पेश करने का आदेश जारी किया था।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया नौसेना की परियोजनाओं का उद्घाटन

आईओएस सागर को दिखाई हरी झंडी, कहा- हिंद महासागर क्षेत्र को समृद्ध बनाएंगे, यहां मुक्त परिवहन, शांति व स्थिरता सुनिश्चित करना हमारा उद्देश्य

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे पर नौसेना की तमाम परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने हिंद महासागर पोत आईओएस सागर को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आईएनएस सुनयना से जुड़े इस जहाज में नौ देशों की नौसेनाओं के 44 कर्मी सवार हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हिंद महासागर पोत आईओएस सागर की यात्रा की शुरुआत पर ढेर सारी बधाई। मैं भारतीय नौसेना और हिंद महासागर क्षेत्र के हमारे सभी हितधारकों की सराहना करता हूं। आपके अथक प्रयासों और मेहनत से ही यह संभव हो पाया है। सभी मित्र देश जो सागर की यात्रा में विशेषज्ञता और अनुभव साझा करने आए हैं, उनका भी आभार।

रक्षा मंत्री ने कहा कि सागर पहल के 10 साल पूरे होने पर आईओएस सागर हिंद महासागर की यात्रा पर निकल रहा है। नौसैनिकों की यह तैनाती न सिर्फ भारत के बल्कि हिंद महासागर में हमारे सभी मित्र देशों के सहयोगात्मक प्रयास से हो रही है

खास बातें

- हिंद महासागर से भारत के व्यापार, अर्थव्यवस्था और पर्यटन जुड़ा हुआ
- समुद्री सुरक्षा से भारत और तटवर्ती देशों का राष्ट्रीय हित जुड़ा हुआ

भारत तटवर्ती देशों के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ा

रक्षा मंत्री ने कहा कि हिंद महासागर की समुद्री सुरक्षा से भारत और तटवर्ती देशों का राष्ट्रीय हित भी बेहद घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है। हमारे लिए हिंद महासागर क्षेत्र सिर्फ सुरक्षा की दृष्टि से ही अहम नहीं है, बल्कि यह हमारे व्यापार, अर्थव्यवस्था, पर्यटन, संस्कृति और राष्ट्रीय हित को प्रभावित करता है। हम इस महत्व को न सिर्फ समझ रहे बल्कि इस दिशा में मिलकर काम भी कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि हम अपनी मौजूदगी से हिंद महासागर क्षेत्र को और ज्यादा शांत और समृद्ध बनाएं।

पीएम मोदी ने 'महासागर पहल' की बात की

राजनाथ सिंह ने कहा कि हाल ही में पीएम नरेंद्र मोदी ने मॉरीशस की अपनी यात्रा के दौरान सागर पहल से भी आगे बढ़कर महासागर पहल की बात की। यह सागर पहल से भी ज्यादा अग्रिम और सहयोगी बनेगा। उन्होंने कहा कि आईओएस सागर ऊंचाइयों को छुए। मैं आईओएस सागर के सदस्यों की सुरक्षित और यादगार यात्रा की कामना करता हूं।

नौसेना सुरक्षा कर रही

रक्षा मंत्री ने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में किसी भी आपदा या मुसीबत के समय भारतीय नौसेना प्रथम प्रतिक्रियादाता के तौर पर उभरी है। जहाज हाईजैक, समुद्री लुटेरों की करतूतें जैसी घटनाएं हिंद महासागर क्षेत्र में होती रहती हैं। ऐसी स्थिति में हमारी सेना जहाजों की सुरक्षा करती है।

राष्ट्रीय समुद्री दिवस पर बोले पीएम मोदी

देश के समुद्री क्षेत्र को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता

पीएम नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय समुद्री दिवस के मौके पर कहा कि भारत की प्रगति और समृद्धि में समुद्री क्षेत्र की अहम भूमिका है और सरकार इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत का समुद्री इतिहास बहुत समृद्ध रहा है और आजादी के बाद इसे उतनी प्राथमिकता नहीं मिली, जितनी मिलनी चाहिए थी। लेकिन पिछले 10 वर्षों में देश ने समुद्री क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल की हैं।

'उत्पादकता के लिए बंदरगाह' का मंत्र दिया

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार 'समृद्धि के लिए बंदरगाह'' और प्रगति के लिए बंदरगाह' जैसे मंत्रों को अपनाकर समुद्री ढांचे को लगातार मजबूत कर रही है। उन्होंने 'उत्पादकता के लिए बंदरगाह' मंत्र का भी जिक्र किया, जिससे बंदरगाहों की क्षमता और उपयोगिता बढ़ाई जा रही है। पीएम ने 'कोस्टल शिपिंग' को बढ़ावा देने की दिशा में भी कदम उठाने की बात कही। लोकसभा में 'कोस्टल शिपिंग बिल' पारित हुआ है।

नक्सलवाद के खिलाफ मिली बड़ी कामयाबी

86 नक्सलियों ने किया सरेंडर इनमें 20 महिलाएं भी शामिल

एजेंसी ▶▶हैदराबाद

गृह मंत्री अमित शाह के बस्तर दौरे के बीच, तेलंगाना में 86 नक्सलियों ने हथियार डाल दिए। छत्तीसगढ़ में प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के कुल 86 सदस्य शनिवार को तेलंगाना के भद्रादी कोठागुडेम जिले में हेमचंद्रपुरम पुलिस मुख्यालय पहुंचे, जहां पर उन्होंने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में 20 महिलाएं शामिल हैं। चार एरिया कमेटी सदस्यों (एसीएम) सहित 86 माओवादियों ने नक्सलवाद के हिंसक रास्ते को छोड़ने का फैसला किया है, क्योंकि वह अपने परिवार के साथ शांतिपूर्ण जीवन जीना चाहते हैं।

25 हजार रुपए की सहायता दी

नक्सलियों ने मल्टी जोन-1 के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) एस चंद्रशेखर रेड्डी के सामने आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वालों को तत्काल सहायता के रूप में 25 हजार रुपए दिए गए। भद्रादी कोठागुडेम जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) बी रोहित राजू ने बताया कि चारों एरिया कमेटी सदस्यों (एसीएम) पर चार-चार लाख रुपए का इनाम था। बताया कि नक्सलियों ने 'ऑपरेशन चेयुथा' के तहत आत्मसमर्पण किया है। नक्सलियों ने किए जा रहे विकास और कल्याणकारी पहलों के बारे में जानने के बाद आत्मसमर्पण करने का फैसला किया।

इस वर्ष 224 नक्सली कर चुके आत्मसमर्पण

पुलिस के अनुसार, इस वर्ष अब तक विभिन्न कैडर के 224 नक्सली पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिबंधित सीपीआई(एम) पुरानी विचारधारा पर काम कर रहा है। आदिवासियों के बीच विश्वास और समर्थन खोने के बाद उग्रवादियों ने मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया। तेलंगाना पुलिस ने माओवादियों से अपील की है कि जो भी आत्मसमर्पण करना चाहते हैं, वह अपने पारिवारिक सदस्यों के माध्यम से या व्यक्तिगत रूप से अपने निकटतम थाने या जिला अधिकारियों के पास आत्मसमर्पण कर सकते हैं।

2026 तक नक्सलवाद इतिहास होगा

नक्सलवाद का रास्ता छोड़ने के इच्छुक लोगों से तेलंगाना पुलिस ने अपील की है कि अगर वे सरेंडर करना चाहते हैं और सामान्य जीवन जीना चाहते हैं तो वे अपने परिवार के सदस्यों के जरिए या खुद ही जाकर निकटतम थाना या जिला अधिकारियों से संपर्क करें। बता दें कि केंद्र सरकार ने मार्च 2026 तक देश को नक्सली समस्या से निजात दिलाने का लक्ष्य रखा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में कहा था कि मार्च 2026 के बाद देश में नक्सलवाद इतिहास बन जाएगा।

श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायक से पीएम नरेंद्र मोदी की मुलाकात

भारत ने श्रीलंका को 2.4 बिलियन लंकन रु. का सहयोग पैकेज दिया

कई द्विपक्षीय परियोजनाओं का किया उद्घाटन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी इस समय श्रीलंका के दौरे पर हैं। उनकी यात्रा 4 से 6 अप्रैल तक है। पीएम मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने भारत-श्रीलंका के रिश्तों को और मजबूत करने के बारे में चर्चा की। पीएम ने कहा कि भारत ने एक सच्चे पड़ोसी मित्र के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वाहन किया है। चाहे 2019 का आतंकी हमला हो, कोविड महामारी हो, या हाल में आया आर्थिक संकट, हर कठिन परिस्थिति में, हम श्रीलंका के लोगों के साथ खड़े रहे हैं। राष्ट्रपति दिसानायक ने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना था और उनके पहले विदेश अतिथि बनने का सौभाग्य मुझे मिला है।

यह हमारे विशेष संबंधों की गहराई का प्रतीक है। पीएम ने कहा कि हमारी पड़ोसी प्रथम नीति और विजन महासागर, दोनों में श्रीलंका का विशेष स्थान है। पिछले चार महीनों में, राष्ट्रपति दिसानायक की भारत यात्रा के बाद से, हमारे सहयोग में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे सुरक्षा हित समान हैं। दोनों देशों की सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी है और एक-दूसरे पर निर्भर है। दोनों देश कोलंबो सिक्युरिटी कॉन्क्लेव और हिंद महासागर में सुरक्षा सहयोग पर भी मिलकर काम करेंगे।

पीएम ने कहा कि भारत ने एक सच्चे पड़ोसी मित्र के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है। चाहे 2019 का आतंकी हमला हो, कोविड महामारी हो, या हाल में आया आर्थिक संकट, हर कठिन परिस्थिति में, हम श्रीलंका के लोगों के साथ खड़े रहे हैं

- भारत की पड़ोसी प्रथम नीति और विजन महासागर, में श्रीलंका का विशेष स्थान
- श्रीलंका के यूनिक डिजिटल आइडेंटीटी प्रोजेक्ट में भी भारत सहयोग करेगा

भारत की सुरक्षा के लिए श्रीलंका का समर्थन

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने अनुरा कुमार दिसानायके ने कहा कि श्रीलंका अपनी जमीन का इस्तेमाल भारत की सुरक्षा के खिलाफ या क्षेत्रीय स्थिरता के विपरीत किसी भी उद्देश्य के लिए नहीं होने देगा। राष्ट्रपति दिसानायके ने पीएम मोदी से एक महत्वपूर्ण समुद्री मुद्दे पर सहयोग मांगा। पीएम मोदी से श्रीलंका के संयुक्त राष्ट्र महासागर आयोग में दावे को लेकर तकनीकी चर्चा शीघ्र आयोजित करने का अनुरोध किया।

ऊर्जा सुरक्षा पर समझौता

पीएम मोदी ने कहा कि सामपुर सोलर पावर प्लांट से श्रीलंका की ऊर्जा सुरक्षा में मदद मिलेगी। मल्टी-प्रोडेक्ट पाइपलाइन के निर्माण, और त्रिंकोमाली को ऊर्जा हब के रूप में विकसित किए जाने के लिए जो समझौता हुआ है, उसका लाभ श्रीलंका के सभी लोगों को मिलेगा। दोनों देशों के बीच ग्रिड इंटर कनेक्टिविटी समझौते से श्रीलंका के लिए बिजली निर्यात करने के विकल्प खुलेंगे।

श्रीलंका के सबसे बड़े वेयरहाउस का उद्घाटन किया

पीएम मोदी ने कहा कि पूर्वी प्रांतों के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए, लगभग 2.4 बिलियन लंकन रुपए का सहयोग पैकेज दिया जाएगा। किसानों की भलाई के लिए, श्रीलंका के सबसे बड़े वेअरहाउस का भी उद्घाटन किया।

100 मिलियन ऋण को ग्रांट में बदला

पीएम ने कहा कि भारत ने सबका साथ सबका विकास के विजन को अपनाया है। हम अपने पार्टनर देशों की प्राथमिकताओं को भी महत्व देते हैं। हमने 100 मिलियन डॉलर से अधिक राशि के ऋण को ग्रांट में बदला है।

खबर संक्षेप

तीन साल की बच्ची बर्ड फ्लू से संक्रमित मिली

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के पश्चिमी राज्य दूरांगो की तीन वर्षीय बच्ची में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। मेक्सिको में इस वायरस का यह पहला मानव मामला है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। टाइप ए एच5एन1 इन्फ्लूएंजा अमेरिका में जानवरों और कुछ लोगों के माध्यम से फैल रहा है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि बच्ची को कोआहुइला राज्य के पास स्थित टोरेऑन के एक अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती कराया गया है।

यूक्रेन पर रूस के हमले में 18 लोगों की मौत

कीव। मध्य यूक्रेन के शहर क्रीवी रीह में रूस द्वारा किए गए मिसाइल हमले में मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है, जिनमें 9 बच्चे भी शामिल हैं। क्रीवी रीह यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की का गृहनगर है। क्षेत्रीय गवर्नर सेरही लिसाक ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को हुए हमले में 61 लोग घायल हुए हैं, जिनमें तीन महीने के बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक शामिल हैं।

मणिपुर में शांति की पहल

केंद्र सरकार ने मैतेई और कुकी समुदायों के साथ की अहम बैठक

एजेंसी ▶▶इंफाल

मणिपुर में फैली अशांति ने पूरे देशभर की सियासत को गर्म कर रखा है। इसी बीच इस हिंसा पर विराम लगाने के लिए केंद्र सरकार अब एक्शन में आती हुई नजर आ रही है। शनिवार को केंद्र ने मणिपुर में विवादित मैतेई और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में कानून-व्यवस्था बनाए रखने

और दोनों समुदायों के बीच सुलह कराने पर भी जोर दिया गया। बता दें कि यह बैठक मई 2023 से शुरू हुए दोनों समुदायों के बीच चल रहे संघर्ष का समाधान खोजने के लिए आयोजित की गई थी।

शांति बहाल की कोशिश में राज्यपाल

3 जनवरी को मणिपुर के राज्यपाल का पदभार संभालने वाले अजय कुमार भल्ला अब तक लोगों से मिलकर राज्य में सामान्य स्थिति वापस लाने के लिए फीडबैक ले रहे हैं। बता दें, पूर्व केंद्रीय गृह सचिव भल्ला को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद चुना था। उन्हें मणिपुर जैसे अशांत राज्य में शांति बहाल करने का काम सौंपा गया था। 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद राज्यपाल ने शांति बहाल करने और सामान्य स्थिति वापस लाने के लिए कई कदम उठाए हैं।

शामिल हुए दोनों समुदाय के संगठन

बैठक में ऑल मणिपुर यूनाइटेड क्लब्स ऑर्गनाइजेशन (एएमयूसीओ) और फेडरेशन ऑफ सिविल सोसाइटी ऑर्गनाइजेशन (एफओसीएस) के प्रतिनिधियों वाला छह सदस्यीय मैतेई प्रतिनिधिमंडल और करीब नौ प्रतिनिधियों वाला कुकी समुदाय का प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ।

एम्पुरान निर्माता के ऑफिस पर ईडी की रेड

डेढ़ करोड़ नकदी जब्त फेमा उल्लंघन का दावा

एजेंसी ▶▶चेन्नई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि 4 अप्रैल को तमिलनाडु और केरल में श्री गोपालन चिट एंड फाइनेंस कंपनी लि. (गोकुल चिट फंड) के कई कार्यालयों में की गई तलाशी के दौरान 1.5 करोड़ रुपए नकद जब्त किए हैं। एएम गोपालन के स्वामित्व वाली यह कंपनी (गोकुलम गोपालन) आगामी मलयालम फिल्म एल2: एम्पुरान के निर्माताओं में से एक है। ये तलाशी विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत 1000 करोड़ रुपए के कथित विदेशी मुद्रा उल्लंघन की चल रही जांच का हिस्सा है। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि शुक्रवार को शुरू की गई तलाशी शनिवार को समाप्त हो गई। यह कार्रवाई फेमा के तहत केरल के कोझिकोड में एक स्थान और तमिलनाडु के चेन्नई में दो स्थानों पर श्री गोकुलम चिट्स एंड फाइनेंस कंपनी प्रा. लि. के आवासीय और व्यावसायिक परिसरों में शुरू की गई।

शर्मा बोले- ट्रंप का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण

केंद्र सरकार हितधारकों से करे बातचीत, विशेषज्ञों को लेकर बनाएं टास्क फोर्स

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

वरिष्ठ कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने शनिवार को अमेरिकी टैरिफ को 'दुर्भाग्यपूर्ण' और 'एकतरफा' बताया। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील करते हुए कहा कि वह अमेरिकी टैरिफ पर रणनीति बनाते समय विभिन्न राजनीतिक दलों और हितधारकों को साथ लेकर चले। उन्होंने कहा कि सरकार को राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखना चाहिए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री शर्मा ने शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। शर्मा ने कहा कि इस मुद्दे से निपटने के लिए विशेषज्ञों का एक टास्क फोर्स भी बनाया जाना चाहिए। शर्मा ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप द्वारा उठाया गया कदम दुर्भाग्यपूर्ण है और विश्व व्यापार के लिए एक बड़ा झटका है।

वैश्विक व्यापार में व्यवधान पैदा हुआ

कांग्रेस नेता शर्मा ने कहा कि यह गंभीर चिंता का विषय है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एकतरफा तरीके से उच्च टैरिफ लगाए हैं। इससे वैश्विक व्यापार में बड़े पैमाने पर व्यवधान पैदा हुआ है। ट्रंप के टैरिफ से सभी छोटी-बड़ी अर्थव्यवस्थाओं पर असर पड़ेगा। ट्रंप के फैसले ने बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को उल्टा कर दिया है। इस फैसले ने विश्व व्यापार संगठन को भी बड़ा झटका दिया है, जिस पर नियम-आधारित वैश्विक व्यापार करने की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप ने सभी अंतरराष्ट्रीय समझौतों, नियमों और सिद्धांतों का उल्लंघन किया है।

इस मुद्दे पर संसद में करनी चाहिए थी चर्चा

आनंद शर्मा ने कहा कि सरकार को इस मुद्दे पर संसद में चर्चा करनी चाहिए थी। हालांकि, अब सरकार को सभी राजनीतिक दलों से बात करके उन्हें विश्वास में लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत को सेवा क्षेत्र को केंद्र में रखकर कोई भी व्यापार समझौता स्वीकार नहीं करना चाहिए, क्योंकि देश की विश्व व्यापार में बहुत अधिक हिस्सेदारी नहीं है। अगर सेवाओं को शामिल नहीं किया जाता है तो यह देश हित में नहीं होगा।

भूकंप के बाद ऑपरेशन ब्रह्मा से म्यांमार की हर संभव मदद में जुटा भारत

म्यांमार: मांडले में सेना के सैन्य अस्पताल ने स्थापित किए नए कीर्तिमान

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶नई दिल्ली

म्यांमार में बीते दिनों आए विनाशकारी भूकंप के बाद से भारत लगातार अपने पड़ोसी देश की हर संभव मदद करने में लगा हुआ है। ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत उसकी सेना, वायुसेना और नौसेना प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे पड़ोसी देश को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए राहत-बचाव सामग्री की खेप भेज रहे हैं। सेना ने शनिवार को बताया कि म्यांमार के सर्वाधिक भूकंप प्रभावित मांडले में स्थापित किए गए कुल करीब 118 बेड के आपातकालीन फील्ड अस्पताल में घायलों का तेजी के साथ इलाज किया जा रहा है। अस्पताल ने आपदा में चिकित्सा सहायता प्रदान करने के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। जिसमें पिछले लगभग पांच दिनों में 700 से अधिक भूकंप पीड़ितों का उपचार किया गया है। 5 अप्रैल को अकेले कुल 716 मरीजों की जांच की गई। इसमें से 173 को बीते 24 घंटे से चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है। यहां बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी हालिया थाईलैंड की यात्रा में म्यांमार सरकार के मुखिया और सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग से मुलाकात कर इस मुश्किल वक्त में हर तरह से सहायता करने का आश्वासन दिया गया है।

118 बेड के आपातकालीन फील्ड अस्पताल में घायलों का तेजी के साथ इलाज किया जा रहा

51 नए मरीज दाखिल हुए, 14 की छुट्टी

सेना ने कहा कि बेहद मुश्किल हालात में मांडले के अस्पताल में 51 नए मरीजों को भर्ती किया गया है। जबकि 14 को इलाज के बाद मिले आराम के बाद छुट्टी दे दी गई है। अस्पताल में आज शामिल भारत की कौशलयुक्त मेडिकल टीम की तत्काल जवाबी प्रतिक्रिया से 38 छोटी सर्जरी और 5 बड़े ऑपरेशन किए गए हैं। इसी के साथ ही बड़ी सर्जरी करने का आंकड़ा 20 के पार पहुंच गया है। जिन्हें छह घंटों में पूरा किया गया। यह भारतीय चिकित्सा दल की विशेषज्ञता और दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सर्जरी के अलावा अस्पताल में 715 प्रयोगशाला जांचें और 65 एक्सरे भी किए गए हैं। भारत की मेडिकल टीम की इस व्यावसायिक सेवा से राष्ट्र का गौरव और अंतरराष्ट्रीय ख्याति बढ़ती है। इनके प्रयास मानवीय सहायता और वैश्विक सद्भावना को लेकर भारत की प्रतिबद्धता का एक चमकदार उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

वर्ल्ड कप : सिफत ने भारत को दिलाया पहला स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय निशानेबाज सिफत कौर समरा ने अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में चल रहे एफ निशानेबाजी विश्व कप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन के फाइनल में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके स्वर्ण पदक जीता। यह आईएसएसएफ विश्व कप में उनका पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक है। फरीदकोट की रहने वाली 23 वर्षीय सिफत ने शुक्रवार देर रात टिरो फेडरल अर्जेंटीनो डी ब्यूनस आयर्स शूटिंग रेंज में सत्र के पहले विश्व कप में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया।

ओलंपिक चैंपियन बाहर : स्विट्जरलैंड की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चियारा लियोन और पूर्व ओलंपिक चैंपियन नीना क्रिस्टन शीर्ष आठ में जगह नहीं बना सकीं। कजाकिस्तान की एलेक्जेंड्रिया ले और अमेरिका की मैरी टकर जैसी ओलंपिक पदक विजेता भी क्वालीफाइंग की बाधा पार नहीं कर सकी।

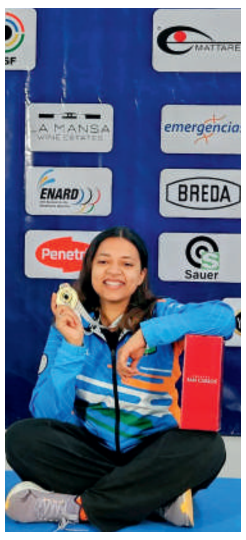

458.6 अंक से पहले स्थान पर

विश्व रिकॉर्ड धारक सिफत नीलिंग पोजीशन में 15 शॉट के बाद जर्मनी की अनीता मैंगोल्ड से 7.2 अंक पीछे थी। उन्होंने हालांकि इसके बाद प्रोन और स्टैंडिंग पोजीशन में स्वप्निल वापसी करके पहला स्थान हासिल किया। सिफत 45 शॉट के फाइनल के बाद 458.6 अंकों के साथ पहले स्थान पर रही, जबकि मैंगोल्ड उनसे 3.3 अंक पीछे 455.3 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर रही। कजाकिस्तान की जूनियर विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता अरीना अल्तुखोवा 445.9 के स्कोर के साथ 44वें शॉट के बाद बाहर होकर तीसरे स्थान पर रहीं।

ईशा को मिला रजत पदक

ईशा सिंह ने दूसरा व्यक्तिगत विश्व कप रजत पदक जीता। एयर पिस्टल मिश्रित टीम की विश्व चैंपियन ईशा ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल फाइनल में 35 अंक बनाए और वह चीन की सुन युजी से पीछे रहीं जिन्होंने 10वीं और अंतिम पांच शॉट सीरीज के बाद 38 हिट के साथ स्वर्ण पदक जीता। सुन की हमवतन फेंग सिक्जुआन ने कांस्य पदक जीता। दो ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने भी फाइनल में जगह बनाई थी लेकिन वह छठे स्थान पर रहीं।

राजस्थान ने पंजाब को 50 रन से दी मात, यशस्वी का अर्धशतक

मुल्लांपुर। राजस्थान रॉयल्स ने शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में पंजाब किंग्स को 50 रन से हरा दिया। चेन्नई सुपर किंग्स को पिछले मैच में हराने वाली राजस्थान रॉयल्स की यह दूसरी जीत है तो वहीं पंजाब किंग्स को तीन मैच में पहली हार का सामना करना पड़ा। यशस्वी जायसवाल (67) अभी तक तीन मैच में एक, 29 और चार रन ही बना सके थे। राजस्थान रॉयल्स ने चार विकेट पर 205 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में पंजाब की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 155 रन ही बना सकी।

जायसवाल और कप्तान संजू सैमसन (38 रन) ने पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर के गेंदबाजी करने के फैसले के बाद पहले विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी करके राजस्थान रॉयल्स को इस सत्र की सर्वश्रेष्ठ शुरुआत दिलाई। पंजाब किंग्स की शुरुआत काफी खराब रही जिसने पहले ही ओवर में प्रियांश आर्य और श्रेयस अय्यर के विकेट गंवा दिए। नेहाल वढेरा (62 रन) और ग्लेन मैक्सवेल (30 रन) पांचवें विकेट के लिए अच्छा खेलते हुए बड़ी साझेदारी की ओर बढ़ रहे थे लेकिन श्रीलंका के दो स्पिनरों ने दोनों के बीच 52 गेंद में 88 रन की साझेदारी का अंत किया।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
दिल्ली	3	3	0	6
बेंगलोर	3	2	1	4
गुजरात	3	2	1	4
पंजाब	3	2	1	4
कोलकाता	4	2	2	4
लखनऊ	4	5	2	4
राजस्थान	4	2	2	4
मुंबई	4	1	3	2
चेन्नई	4	1	3	2
हैदराबाद	4	1	3	2

ऑरेंज कैप

निकोलस पूरन
201 रन
लखनऊ

पर्पल कैप

नूर अहमद
10 विकेट
चेन्नई

आईपीएल : 15 साल बाद चेपॉक स्टेडियम में 25 रन से जीती दिल्ली

चेन्नई की घर में तीसरी हार, राहुल के अर्धशतक से दिल्ली की हैट्रिक जीत

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में शनिवार को यहां चेन्नई सुपरकिंग्स को 25 रन से शिकस्त देकर मौजूदा सत्र में तीन मैचों में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। दिल्ली ने छह विकेट पर 183 रन बनाने के बाद चेन्नई की पारी को पांच विकेट पर 158 रन पर रोक दिया। चेन्नई की चार मैचों में यह घर में लगातार तीसरी हार है। साल 2010 के बाद दिल्ली ने पहली बार चेपॉक पर जीत दर्ज की है। कैपिटल्स के लिए लोकेश राहुल ने 51 गेंद में 77 रन की शानदार पारी खेली।

चेन्नई ने 11वें ओवर में 74 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद विजय शंकर (नाबाद 69) और दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी (नाबाद 30) ने 57 गेंद में 84 रन की अटूट साझेदारी कर हार के अंतर को कम किया। शंकर ने 54 गेंद की नाबाद पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया जबकि धोनी ने 26 गेंद की नाबाद पारी में एक चौका और एक छक्का लगाया। दिल्ली के लिए विप्रज निगम ने चार ओवर में 27 रन देकर दो जबकि कुलदीप यादव, मिचेल स्टार्क और मुकेश कुमार को एक-एक सफलता मिली।

84 रनों की साझेदारी बेकार

'इम्पैक्ट सब' के तौर पर उतरे शिवम दुबे ने आक्रामक रवैया अपनाने का प्रयास किया, लेकिन वो 18 रनों के निजी स्कोर पर स्पिनर विपराज का शिकार बन गए। रवींद्र जडेजा से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन वो 2 रन बनाकर कुलदीप यादव की बॉल पर चलते बने। जडेजा के आउट होने के समय चेन्नई का स्कोर 5 विकेट पर 74 रन था. यहां से चेन्नई को जीत के लिए ताबड़तोड़ बैटिंग की जरूरत थी, लेकिन विजय शंकर और एमएस धोनी कुछ खास कमाल नहीं कर सके। दोनों के बीच 84 रनों की साझेदारी जरूर हुई।

राहुल की दमदार पारी...

टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए दिल्ली कैपटल्स ने 6 विकेट पर 183 रन बनाए। अभिषेक पोरेल और केएल राहुल ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 54 रन जोड़कर पारी को संभाला। पोरेल ने 20 बॉल 33 रन बनाए। अक्षर और राहुल के बीच चौथे विकेट के लिए 36 रनों की साझेदारी हुई। अक्षर 21 रन बनाकर नूर अहमद की गेंद पर बोल्ड हुए। अक्षर के आउट होने के बाद समीर रिजवी ने केएल राहुल का बखूबी साथ निभाया। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 56 रनों की साझेदारी हुई। समीर रिजवी 20 रन बनाकर खलील अहमद का शिकार बने। राहुल ने 51 गेंदों पर 77 रन बनाए।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
मैकगुर्क का अश्विन बो खलील	00	05	0	0
राहुल का धोनी बो पथिराना	77	51	6	3
पोरेल का पथिराना बो जडेजा	33	20	4	1
अक्षर पटेल बो नूर	21	14	2	1
रिजवी का जडेजा बो खलील	20	15	1	1
ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद	24	12	2	1
आशुतोष रन आउट (जडेजा/ धोनी)	01	01	0	0
प्रिज निगम नाबाद	01	02	0	0

अतिरिक्त : 06, कुल : 20 ओवर में 183/6
गेंदबाजी : खलील 4-0-25-2, चौधरी 4-0-50-0, अश्विन 3-0-21-0, जडेजा 2-0-19-1, नूर 3-0-36-1, पथिराना 4-0-31-1.

चेन्नई सुपरकिंग्स	रन	गेंद	4	6
रविंद्र का एवं बो मुकेश कुमार	03	06	0	0
कॉन्वे का अक्षर बो निगम	13	14	1	0
ऋतुराज का मैकगुर्क बो स्टार्क	05	04	1	0
विजय शंकर नाबाद	69	54	5	1
दूबे का स्टब्स बो निगम	18	15	1	1
जडेजा पगबाधा कुलदीप	02	03	0	0
महेंद्र सिंह धोनी नाबाद	30	26	1	1

अतिरिक्त : 18, कुल : 20 ओवर में 158/5
गेंदबाजी : स्टार्क 4-0-27-1, मुकेश 4-0-36-1, मोहित 3-0-27-0, निगम 4-0-27-2, कुलदीप 4-0-30-1, अक्षर 1-0-5-0.

गुजरात-हैदराबाद में मुकाबला आज

हैदराबाद। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण इंडियन प्रीमियर लीग में अपना विशेष स्थान बनाने वाले सनराइजर्स हैदराबाद के लिए उसकी यह आक्रामकता ही हार का कारण बन रही है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले मैच में उसे अपनी इस शैली पर आत्ममंथन करना होगा। सनराइजर्स ने अपने पहले मैच में 286 रन बनाकर धमाकेदार शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद उसके बल्लेबाजों की आक्रामकता नहीं चल पाई।

धोनी के माता-पिता ने देखा मैच

चेन्नई। दिग्गज एमएस धोनी के माता-पिता पान सिंह और देविका देवी की मौजूदगी ने शनिवार को चेपक में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स के आईपीएल मैच को और भी खास बना दिया। धोनी 2008 में आईपीएल के पहले सत्र से चेन्नई की टीम के साथ जुड़े है और यह पहली बार है जब उनके माता-पिता आईपीएल मैच देखने पहुंचे हैं। धोनी की पत्नी साक्षी और बेटी जीवा भी मौजूद थीं, हालांकि वे अक्सर चेन्नई में आईपीएल मैच देखने जाती हैं।

खबर संक्षेप

तिलक को रिटायर्ड करना अच्छा नहीं था

लखनऊ। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने ने कहा कि

लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान तिलक वर्मा को रिटायर्ड आउट करना अच्छा नहीं था। जयवर्धने ने कहा, 'क्रिकेट में इस तरह की चीजें होती रहती हैं। और उसे बाहर करना अच्छा नहीं था लेकिन मुझे ऐसा करना पड़ा। यह उस समय एक रणनीतिक निर्णय था।' वह जब 23 गेंद पर 25 रन बना कर खेल रहे थे तब मुंबई की टीम ने उन्हें रिटायर्ड आउट करवा दिया और उनकी जगह मिशेल सेंटनर को भेजा गया। मुंबई की यह रणनीति हालांकि कारगर साबित नहीं हुई और उसे 12 रन से हार का सामना करना पड़ा।

कोच द्रविड़ सर का साथ मिलना सौभाग्य की बात

मुंबई। भारत के पूर्व मुख्य कोच और राजस्थान रॉयल्स के

मार्गदर्शक राहुल द्रविड़ की देखरेख में खेलने वाले युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा कि इस युग में उनके जैसा सहानुभूति के साथ देखभाल करने वाला इंसान का साथ मिलना सौभाग्य की बात है। भारतीय टेस्ट टीम के मुख्य सलामी बल्लेबाज जायसवाल राजस्थान रॉयल्स के अहम खिलाड़ी भी हैं। जायसवाल ने कहा, 'वह एक बेहतरीन इंसान हैं। मुझे लगता है कि वह एक बेहतरीन 'लीडर' है। वह एक शानदार सहायक और देखभाल करने के साथ हमेशा सभी का ख्याल रखने वाले इंसान है।

निशानेबाज नीरज को दिखाया पीला कार्ड

नई दिल्ली। भारत के पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन निशानेबाज नीरज कुमार ब्यूनस

आयर्स में आईएसएसएफ विश्व कप के फाइनल में प्रतिस्पर्धा करते समय एक अजीब स्थिति में पहुंच गए जब प्रतियोगिता में उन्हें पीला कार्ड दिखाया गया। नीरज के मामले में पीला कार्ड दिखाया जाना हैरानी भरा था क्योंकि वह आकस्मिक विस्फोट को रोकने के लिए अपनी बन्दूक को सुरक्षित करने के लिए 'बोर लॉक' का उपयोग कर रहे थे और यह ऐसी चीज है जो निशानेबाजों द्वारा नियमित रूप से किया जाता है।

जामवाल ने विश्व कप के फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के अभिनाश जामवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इटली के जियानलुइगी मलंगा को हराकर ब्राजील के फोज डो इगुआकु शहर में चल रहे विश्व मुक्केबाजी कप के 65 किग्रा वजन वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया।

इस 22 वर्षीय भारतीय मुक्केबाज ने मलंगा की पहुंच से दूर रहने के लिए अपनी लंबाई और गति का अच्छा इस्तेमाल किया। उन्होंने 5-0 के सर्वसम्मत मतों से जीत हासिल की।

पांच में से चार जजों ने जामवाल को परफेक्ट 30 अंक दिए। जामवाल इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले गुरुवार को हितेश 70 किग्रा भार वर्ग में

फ्रांस के ओलंपियन माकन ट्राओरे को हराकर फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने थे। फाइनल में हितेश का मुकाबला इंग्लैंड के ओडेल कामारा से जबकि जामवाल का स्थानीय खिलाड़ी यूरी रीस से होगा। भारत के एक अन्य मुक्केबाज मनीष राठौड़ का 55 किग्रा वजन वर्ग में अभियान सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। उन्हें कजाकिस्तान के नूरसुल्तान अल्टिनबेक से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा।

कुछ प्रदर्शनों के आधार पर सिराज का आकलन सही नहीं

हैदराबाद। गुजरात टाइटन्स के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी का मानना है कि फ्रेंचाइजी में शामिल होने के बाद से मोहम्मद सिराज 'असाधारण' रहे हैं और इस तेज गेंदबाज को कुछ प्रदर्शनों के आधार पर नहीं आंका जाना चाहिए।

सिराज ने अपने पिछले आईपीएल मैच में अपनी पूर्व टीम रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु के खिलाफ 19 रन देकर तीन विकेट झटके और पांच विकेट के साथ वह आईपीएल 2025 में अब तक गुजरात टाइटन्स के दूसरे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। सोलंकी ने कहा, 'यह बिल्कुल वैसी ही भूमिका निभा रहे हैं, जैसी जरूरत है। वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं। ऐसी बातें कहना अनुचित होगा कि चीजें उनके लिए ठीक नहीं चल रही हैं। जब भी उन्हें मौका मिला है, उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। कभी-कभी हम बहुत से युवा क्रिकेटरों से काफी उम्मीद करते हैं। सिराज ने काफी कुछ हासिल किया है। कभी-कभी हम एक या दो प्रदर्शनों का आकलन करने में बहुत जल्दबाजी करते हैं, लेकिन जब से वह हमारे साथ जुड़े हैं, तब से वह असाधारण रहे हैं।'

पहले मैच में आरडीएमसीसी रायसेन को फार्मा टाइगर्स ने 113 रन से हराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

राजधानी के ओल्ड कैंपियन ग्राउंड पर शनिवार शाम से केमिस्टों के क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने किया। इस अवसर पर वार्ड 65 पार्षद शिरोमणि शर्मा विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

भोपाल केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र धाकड़ ने बताया कि टूर्नामेंट सीपीएल का पहला मुकाबला आरडीएमसीसी रायसेन और फार्मा टाइगर्स के बीच खेला गया। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए फार्मा टाइगर्स ने 163 रन ठोक दिए। इनमें रोहित विश्वकर्मा ने महत्वपूर्ण 62 रन बनाए। जवाबी

पारी खेलने उतरी आरमडीसीसी रायसेन की टीम महज 50 रन ही बना सकी और 113 रन से यह मुकाबला हार गई।

मैच के हीरो राहिल खान बने, जिन्होंने महत्वपूर्ण 4 विकेट चटकाते हुए 20 रन भी बनाए। दूसरा मैच सीहोर केमिस्ट चैम्पियंस वर्सेस फार्मा वॉरियर खेला गया। मैच की शुरुआत में नर्मदापुरम सांसद दर्शन चौधरी ने टॉस कराकर मैच शुरू कराया। इस महत्वपूर्ण मुकाबले में सीहोर केमिस्ट चैंपियंस ने 4 विकेट पर 148 रन बनाए। जवाब में फार्मा वॉरियर की टीम 90 पर ही ऑल आउट हो गई और यह मुकाबला 59 रन से हार गई। मैन ऑफ़ द मैच साद ख़ान रहे।

ब्राजील, पुर्तगाल और स्पेन के पूर्व फुटबॉलरों ने दी नसीहत

फुटबॉल में प्रगति के लिए ट्रेनर की शिक्षा पर ध्यान दे भारत

एजेंसी ▶▶| मुंबई

ब्राजील के 2002 विश्व कप विजेता जोस एडमिल्सन का मानना है कि भारत को फुटबाल में प्रगति के लिए अपने ट्रेनर की शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए और युवा खिलाड़ियों की महत्वाकांक्षाओं को भी देखना चाहिए। एडमिल्सन रियल मैड्रिड और एफसी बार्सिलोना के उन स्टार खिलाड़ियों में शामिल हैं जो रविवार को यहां डीवाई पाटिल स्टेडियम में 'लीजेंड्स फेसऑफ' में खेलेंगे।

मैच में कार्लोस पुयोल, लुइस फिगो, जावी, जेवियर सावियोला, रिवाल्डो, फर्नांडो मोरिएंटेस, माइकल ओवेन और कई अन्य खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे। मैच से पहले यहां आयोजित प्रेस कांफ्रेस में एडमिल्सन ने कहा, 'एक अच्छा फुटबॉल खिलाड़ी बनने की तकनीक हासिल करने से पहले कई तरह की चीजों से निपटना होता है। भारत को ट्रेनर की शिक्षा पर ध्यान देना होगा और बच्चों की महत्वाकांक्षाओं पर भी ध्यान देना होगा। एक अच्छा खिलाड़ी बनाने से पहले उन्हें एक अच्छा इंसान बनाना होगा। और यह बहुत महत्वपूर्ण है। कई जगहों पर बच्चे खिलाड़ी बनने का सपना देखते हैं। लेकिन इससे पहले समाज की कई समस्याओं का समाधान करना होगा।'

रोनाल्डो टफ डिफेंडर

पेपे ने कहा कि अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनेल मेसी की तुलना में पुर्तगाल टीम के उनके साथी क्रिस्टियानो रोनाल्डो डिफेंडर के रूप में मुश्किल खिलाड़ी थे। उन्होंने कहा, 'मुझे क्रिस्टियानो रोनाल्डो का नाम लेना होगा क्योंकि मैं उनके साथ ट्रेनिंग करता हूं। मुझे पता है कि उनके खिलाफ कितना मुश्किल है। क्रिस्टियानो एक ऐसे फुटबॉलर रहे हैं जिन्होंने संघर्ष किया है और रियल मैड्रिड को बहुत कुछ दिया है। उन्होंने मैनचेस्टर युनाइटेड, युवेंटस, पुर्तगाली राष्ट्रीय टीम को बहुत कुछ दिया है। उन्होंने हमेशा बहुत सारे मैच जीते हैं। मुझे पता है कि उनके साथ ट्रेनिंग करना कैसा होता है। उन्होंने बहुत मेहनत की है।'

रियल-बार्सिलोना की दिखेगी प्रतिद्वंद्विता

अर्जेंटीना के सावियोला रियल मैड्रिड और बार्सिलोना दोनों के लिए खेले हैं। उन्होंने कहा कि वह भारतीय प्रशंसकों के सामने खेलने के अवसर से उत्साहित हैं। सावियोला ने कहा, 'इस प्रतिद्वंद्विता को भारतीय प्रशंसकों के सामने लाने का मौका बहुत भावनात्मक है। भले ही मैं अब पेशेवर नहीं हूं, लेकिन मैं कभी भी फुटबॉल से दूर नहीं रहता। मुझे उम्मीद है कि यह मैच भारतीय फुटबॉलरों और सपने देखने वालों की एक पूरी नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा।'

ऋषभ पंत और दिग्वेश पर लगा भारी जुर्माना

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ शुक्रवार को यहां खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। किसी भी गेंदबाजी टीम के लिए 20 ओवर पूरे करने का निर्धारित समय 90 मिनट है।

लखनऊ की टीम निर्धारित समय से एक ओवर पीछे चल रही थी। इस कारण उसे अंतिम ओवर में 30 गज के बाहर एक क्षेत्ररक्षक कम रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस बीच लखनऊ के स्पिनर दिग्वेश राठी पर लगातार दूसरी बार उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना

लगाया गया है। उन्होंने मुंबई के बल्लेबाज नमन धीर को आउट करने के बाद फिर से नोटबुक लिखने की शैली में जश्न मनाया। उनके खाते में एक और डिमैरिट अंक जोड़ दिया गया है। इस तरह से उनके नाम पर अब दो डिमैरिट अंक जमा हो गए हैं।'

मप्र हाईकोर्ट ने कहा, समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को यदि मुफ्त में शासन शिक्षा दिला

निजी मेडिकल कॉलेज में लागू मुख्यमंत्री मेधावी छात्र योजना संवैधानिक

यदि छात्र किसी सत्र में अनुत्तीर्ण होता है तो उसकी छात्रवृत्ति रोक नहीं सकते

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

मप्र हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में निजी मेडिकल कॉलेज में लागू मुख्यमंत्री मेधावी छात्र योजना को संवैधानिक करार दिया। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने कहा कि इस योजना के तहत समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को यदि मुफ्त में शासन द्वारा शिक्षा दिलाई जाती है तो उसे असंवैधानिक या अनुचित नहीं ठहराया जा सकता है। हालांकि, हाईकोर्ट ने ऐसे छात्रों की फीस भुगतान के लिए कुछ अहम दिशा निर्देश जारी किए।

बेंच ने कहा कि नीट उत्तीर्ण एलआईजी परिवार के छात्रों के प्रवेश लेने के तीन माह के भीतर शासन उनकी पूरी वार्षिक फीस व शुल्क का संस्थान को भुगतान कर दे। यह राशि संस्थान के खाते में नहीं वरन छात्र व संस्थान के संयुक्त खाते में जमा होगी।

ये अकाउंट छात्र के आधार, पैन आदि से लिंक होगा ताकि एक छात्र के नाम पर दो बार फीस जमा नहीं हो पाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि छात्र किसी सत्र में अनुत्तीर्ण होता है तो शासन उसकी छात्रवृत्ति रोक नहीं सकते। इसके लिए निजी संस्थानों की यह जिम्मेदारी होगी कि वह योजना के तहत प्रवेश लेने वाले छात्रों की पूरी जानकारी सरकार को भेजे, ताकि समय पर उनकी फीस जमा हो सके।

प्रदेश के निजी मेडिकल कॉलेजों की ओर से याचिका दायर कर राज्य सरकार की उक्त योजना को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ता की ओर से सिद्धार्थ राधेलाल गुप्ता व आर्यन उरमलिया ने पक्ष रखा। याचिका में उक्त योजना को निजी कॉलेजों पर बाध्य करने को चुनौती दी गई थी। दलील दी गई कि कमजोर वर्ग के छात्रों का राज्य शासन द्वारा निजी संस्थानों में प्रवेश तो करा दिया जाता है, लेकिन उनका शिक्षण शुल्क समय पर नहीं दिया जाता। कई बार तो संस्थानों को कई वर्ष तक यह भुगतान नहीं किया जाता है।

मप्र में नौ हजार से अधिक फिजियोथेरेपिस्ट

स्वास्थ्य विभाग के पोर्टल पर सिर्फ 40 फिजियोथैरेपी क्लीनिक का रजिस्ट्रेशन

स्वास्थ्य आयुक्त ने पत्र लिखकर कार्रवाई करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र में फर्जी फिजियोथैरेपिस्ट क्लीनिक का मामला सामने आया है। इस बात का खुलासा स्वास्थ्य विभाग के पोर्टल से हुआ है। जानकारी सामने आने के बाद से स्वास्थ्य विभाग भी सजग हो गया है। यही कारण है कि आयुक्त स्वास्थ्य स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिलों के सीएमएचओ पत्र लिखकर अपने जिलों में ऐसे फर्जी फिजियोथैरेपी क्लीनिक के विरुद्ध कार्रवाई करने को कहा है।

इस मामले का खुलासा तब हुआ, जब विधानसभा सत्र के दौरान यह सवाल पूछा गया। जवाब में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि पोर्टल पर सिर्फ 40 फिजियोथैरेपी क्लीनिक का ही रजिस्ट्रेशन है, जबकि मप्र में नौ हजार से अधिक फिजियोथेरेपिस्ट हैं।

मप्र में नर्सिंग होम स्टेब्लिशमेंट एक्ट कई वर्षों से लागू है। इस एक्ट के तहत चिकित्सकीय सेवा के लिए क्लीनिक या अस्पताल को रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। लेकिन मप्र में हजारों फिजियोथैरेपी क्लीनिक संचालित हैं। बजट सत्र के पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने सवाल पूछा था कि मप्र में कितने फिजियोथैरेपिस्ट कार्य कर रहे हैं। इसके जवाब में बताया गया कि पोर्टल पर सिर्फ 40 क्लीनिक का रजिस्ट्रेशन है। यह स्थिति 26 मार्च 2025 की है।

सरकार ने बनाया पृथक काउंसिल

फिजियोथैरेपी के मामले में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए अब राज्य सरकार ने एक अलग से काउंसिल का गठन किया है। इस काउंसिल को नाम दिया गया है मध्यप्रदेश एलाइड एंड हेल्थ केयर काउंसिल।

प्रक्रिया को आसान करें

अवैध रूप से संचालित होने वाले फिजियोथैरेपी क्लीनिकों पर निश्चित रूप से कार्रवाई होना चाहिए, लेकिन शासन को चाहिए कि वह रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को आसान करे और एलाइड काउंसिल में तत्परता से भौतिक चिकित्सकों का रजिस्ट्रेशन करे।

डॉ. सुनील पांडे
अध्यक्ष, मप्र भौतिक चिकित्सक कल्याण संघ

खबर संक्षेप

पार्क प्रभारी से मारपीट पार्क में लगाई आग

भोपाल। चूनाभट्टी थाना क्षेत्र स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क के प्रभारी से शनिवार रात को दो बदमाशों ने मारपीट कर दी। पार्क में देर रात आग लग गई थी, जिससे प्रभारी वहीं मौजूद थे। इस बीच दो युवक पार्क में घुस रहे थे, तभी प्रभारी ने उन्हें रोका दिया। इससे बहस शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि बदमाशों ने उनके साथ मारपीट कर दी। शिकायत पर चूनाभट्टी पुलिस ने मारपीट का प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच कर रहे कन्हैयालाल कश्यप ने बताया कि 48 वर्षीय नागेंद्र पटेल कोटरा सुल्तानाबाद में रहते हैं। वह पत्रकार कालोनी के पास स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क के प्रभारी हैं। शनिवार रात को उन्हें पार्क में आग लगने की सूचना मिली थी। वे पार्क में पहुंचे तो पीछे से दो बाइक सवार युवक भी पार्क में घुसने लगे। नागेंद्र ने उन्हें रोका तो आरोपियों ने झगड़ा शुरू कर दिया। धीरे-धीरे दोनों के बीच मारपीट भी हुई। पुलिस ने आरोपियों की पहचान सुनील के रुप में की है। साथ में उसका एक दोस्त भी था। पुलिस ने दोनों पर प्रकरण दर्ज किया है। वहीं पुलिस की कार्रवाई पर नागेंद्र ने असंतोष जाहिर किया है। उनका कहना है कि आरोपियों पर शासकीय कार्य में बाधा डालने का प्रयास का मामला दर्ज नहीं किया गया है। इस पर पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने मारपीट की है। इससे शासकीय कार्य में किसी तरह की बाधा नहीं पहुंची है।

खेत में लगी आग, 12 लाख का गेहूं खाक

भोपाल। खजूरीकलां में शनिवार को गेहूं के खेत में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि 15 एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। गेहूं की कीमत करीब 12 लाख रुपए थी। वहीं, आग से 3 लाख रुपए के पानी के पाइप भी जल गए। आग समय रहते बुझा दी गई, वरना आसपास के खेतों को भी चपेट में ले सकती थी। किसान मिश्रीलाल राजपूत, कैलाश राजपूत और मोहन बघेल के खेत में दोपहर डेढ़ बजे आग लगी। जिससे पंद्रह एकड़ में लगी गेहूं की फसल आग से पूरी फसल राख हो गई। किसान का कहना है कि खेत में करीब चार सौ क्विंटल से ज्यादा गेहूं की पैदावार होने का अनुमान है। फायर इंचार्ज सौरभ पटेल का कहना है कि आग की सूचना पर मौके पर दमकलों ने पहुंचकर आग पर काबू पाया है।

प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस में चोरी, नहीं लगा सुराग

भोपाल। बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित विद्या नगर में भगवती कंस्ट्रक्शन के आफिस का ताला तोड़कर दो लाख बीस हजार रुपए की नगदी चुराने वाले आरोपियों का सुराग नहीं लग सका है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार मनोज अग्रवाल, अनमोल विला में रहते हैं और प्रॉपर्टी डीलर है। वे विद्या नगर में भगवती कंस्ट्रक्शन नाम से ऑफिस का संचालन करते हैं। उनका प्रॉपर्टी डीलिंग के अलावा कंस्ट्रक्शन का भी काम है। गत 2 अप्रेल की रात करीब 8 बजे उन्होंने अपना ऑफिस बंद किया था। अगले ही दिन 3 अप्रैल की सुबह उनके ऑफिस का कर्मचारी प्रशांत मनशर पहुंचा तो उसने ऑफिस का ताला टूटा देखा। इसके बाद मनोज अग्रवाल को घटना की जानकारी दी। वे मौके पर पहुंचे तो ऑफिस के मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ था।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने पार्टी के स्थापना दिवस को लेकर की मीडिया से चर्चा

आज प्रदेश के 65 हजार 14 बूथों पर उत्साह से मनाया जाएगा भाजपा का स्थापना दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आज 6 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस प्रदेश कार्यालय सहित प्रदेश के सभी 65 हजार 14 बूथों पर मनाया जाएगा। पार्टी कार्यकर्ता घर-घर पार्टी का ध्वज फहराकर मिठाइयां बांटेंगे।

बूथ और विधानसभा स्तर पर आयोजित सम्मेलनों में पार्टी की चुनावी सफलताएं, संगठनात्मक विस्तार, भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत की ओर यात्रा जैसे विषयों पर संबोधन होगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने शनिवार को आज भारतीय जनता पार्टी दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है और केंद्र सहित देश के अधिकांश राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीबों का कल्याण करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं।

खास बातें

- पार्टी कार्यकर्ता घर-घर पार्टी का ध्वज फहराकर मिठाइयां बांटेंगे
- आज और कल बूथ स्तर पर होंगे आयोजन
- 8-9 को विधानसभा स्तर पर नए प्राथमिक सदस्यों के सम्मेलन होंगे

बाबा साहेब की प्रतिमाओं की सफाई कर मनाया जाएगा दीपोत्सव

शर्मा ने कहा कि बाबा साहेब भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के एक दिन पूर्व 13 अप्रैल को उनकी प्रतिमाओं की सफाई कर संध्या के समय दीपोत्सव मनाया जाएगा। पार्टी कार्यकर्ता 14 अप्रैल को बाबा साहेब की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर मिष्ठान्न वितरण के साथ ही संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ करेंगे। आंगनबाड़ी केंद्रों और अनुसूचित जाति बस्तियों के स्कूलों में परिसर की स्वच्छता अभियान के साथ ही पेयजल व अन्य सामुदायिक सुविधाओं का रखरखाव किया जाएगा। 15 से 25 अप्रैल के बीच समाज के विभिन्न वर्गों के वरिष्ठ नेताओं के साथ कम से कम 2 सत्रों की जिला स्तरीय संगोष्ठियों में कांग्रेस द्वारा किए गए बाबा साहेब के अपमान और भाजपा द्वारा उन्हें दिए जा रहे सम्मान पर चर्चा की जाएगी।

मंदिर, अस्पताल, स्कूल एवं गलियों में स्वच्छता अभियान

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि 6 एवं 7 अप्रैल को बूथ स्तर पर और 8-9 अप्रैल को विधानसभा स्तर पर नए प्राथमिक सदस्यों के सम्मेलन आयोजित होंगे। 7 से 13 अप्रैल के बीच पार्टी पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि गांव-बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत पूरे दिन गांव, मोहल्ला एवं सेवा बस्तियों का दौरा कर मंदिर, अस्पताल, स्कूल एवं गलियों में स्वच्छता अभियान में भाग लेंगे। विभिन्न योजनाओं के 10 लाभार्थियों से मिलकर उनसे बातचीत करेंगे। जल संरचनाओं की सफाई में सहभागिता करेंगे। कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी के झंडे लेकर गलियों में यात्रा निकालेंगे। संध्या के समय स्थानीय निवासियों की चौपाल का आयोजित करने के साथ ही विभिन्न समुदाय के नेताओं एवं प्रतिष्ठित व्यक्तियों के निवास पहुंचकर भेंट करेंगे। वरिष्ठ पार्टी कार्यकर्ताओं, मीसा बंदियों तथा कारसेवकों का सम्मान कर बूथ समितियों की बैठक में शामिल होंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा राजधानी में प्रदेश कार्यालय में करेंगे झंडावंदन

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा 6 अप्रैल को पार्टी के स्थापना दिवस पर प्रदेश कार्यालय में सुबह 11 बजे झंडावंदन करेंगे। कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे।

भाजपा का स्थापना दिवस उत्साह और उमंग के साथ मनाएंगे

भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए सबसे बड़ा पर्व है। यह न सिर्फ हमारे पितृपुरूषों के त्याग, तपस्या और परिश्रम को हम सबको स्मरण कराता है, अपितु जिन पंच निष्ठाओं को लेकर भाजपा एक विचार से राजनीतिक दल के रूप में स्थापित हुआ, उसको भी सबकी स्मृतियों में जीवंत रखता है। हर एक बूथ पर भाजपा का कार्यकर्ता स्थापना दिवस को उत्साह और उमंग के साथ मनाएगा।

आशीष उषा अग्रवाल
प्रदेश मीडिया प्रभारी, भाजपा

जनता का पूरा समर्थन मिल रहा है

भारतीय जनता पार्टी लगातार आगे बढ़ रही है और बेहतर काम कर रही है। जनता का पूरा समर्थन मिल रहा है। सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। अब वक्फ संशोधन बिल भी पास कर लिया है, जिसकी हर जगह तारीफ हो रही है।

शैलेंद्र प्रधान
पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता

सेमरा की शराब दुकान दूसरी जगह शिफ्ट सांईराम दुकान को लेकर विरोध-प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में तीन शराब दुकानों को रहवासी इलाका, स्कूल और धार्मिक स्थल होने की वजह से पास ही स्थित दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया गया है। सेमरा स्थित शराब दुकान को एकतापुरी में शिफ्ट किया गया है। जबकि डीआईजी बंगला और मालवीय नगर में दुकानों को भी दूसरी जगहों पर शिफ्ट कर दिया है।

इधर, सेमरा गेट स्थित साईंराम कॉलोनी की शराब दुकान को लेकर अब तक कोई निर्णय नहीं हुआ है। जिसकी वजह से पांचवें दिन भी रहवासियों ने सुंदरकांड का पाठ कर विरोध दर्ज कराया। रहवासी जीतू मलोटिया ने बताया कि शराब की दुकान को हटाने के लिए सुंदरकांड पाठ का शनिवार को पांचवां दिन है। कलारी के सामने ही महिलाएं सुंदरकांड के पाठ में हिस्सा ले रही हैं। वहीं, महिलाओं ने सद्बुद्धि के लिए व्रत भी रखा है।

सहायक आबकारी आयुक्त वीरेंद्र सिंह धाकड़ का कहना है कि वार्ड नंबर-34 स्थित मालवीय नगर में शराब दुकान को दूसरी जगह शिफ्ट किया जा रहा था, इसके चलते लोग विरोध कर रहे थे। हालांकि, अब दुकान पुरानी जगह पर ही रहेगी। डीआईजी बंगला की दुकान को भी कुछ दुकानों के आगे शिफ्ट किया गया है। इधर इधर सेमरा स्थित शराब दुकान को एकतापुरी में शिफ्ट कर दिया है।

गाय लेने जंगल पहुंचे युवक पर एसिड अटैक

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित हथाईखेड़ा डैम के पास जंगल में गाय लेने पहुंचे युवक पर पड़ोसी ने एसिड अटैक कर दिया। हमले में युवक का चेहरा और सीना बुरी तरह से झुलसा है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसिड अटैक के पीछे रंजिश बताई जा रही है। दरअसल, पीड़ति के परिवार का चार पांच दिन पहले विवाद हुआ था। आरोप है कि विवाद का बदला लेने एसिड अटैक किया गय है।

पुलिस के अनुसार दौलतपुरा, कोकता निवासी सूरज शर्मा (19) वेल्डिंग का काम करता है। शुक्रवार शाम उसकी गाय जंगल से घर नहीं लौटी तो वह जंगल गाए लेने पहुंचा था। इस दौरान उससे 100 मीटर की दूरी पर उसका भाई गौरव भी था। गौरव ने पुलिस को बताया कि एक आटो में सवार होकर युवक आया और सूरज पर कोई लिक्विड फेक दिया। वह भाई के पास पहुंचता जब तक आरोपी फरार हो चुके थे।

2 वर्षीय तेंदुए का मिला शव दांत और पैर कटे मिले

▸ जांच में जुटा वन विभाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

धार जिले के गंधवानी वन परिक्षेत्र के बाग वन क्षेत्र के ग्राम पिपरियापानी में शनिवार को सुबह के समय दो वर्षीय तेंदुए का थत-विक्षत शव मिला है। शिकारी तेंदुए के कई अंग काट कर ले गए। ग्रामीणों ने पातालपुरा फलिए में नदी के पास मृत तेंदुए को देखा था। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम पहुंची।

जिसकी सूचना धार के डीएफओ अशोक सोलंकी और बाग रेंज अधिकारी वैभव उपाध्याय को दी गई जिस पर शनिवार को दोपहर 12 बजे बाग में तीन डॉक्टरों की टीम ने तेदुएं का पोस्टमॉर्टम किया।

डॉक्टर सुनील बडोले, पवन सोलंकी और दीपक मुझालदा की टीम ने जांच में पाया कि तेंदुए का अगला पैर कुल्हाड़ी या किसी धारदार हथियार से काटा गया है।

दांत भी उखाड़ा गया

पोस्टमार्टम में ये भी पता चला है कि तेंदुए के जबड़े से एक केनाइन दांत भी उखाड़ा गया है। शिकारी तेदुएं की प्रोस्टेट ग्लैंड काट ले गए। विशेषज्ञों के अनुसार तेंदुए की मौत करंट या गोली से नहीं हुई है। शव से विसरा नमूने लेकर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे जाएंगे। शव का पोस्टमॉर्टम के बाद अंतिम संस्कार कर दिया गया।

सीसीटीवी कैमरे के फुटेज से पकड़ाई आरोपी

स्कूटर चुरा रही थी डांसर, पेट्रोल खत्म होने पर लावारिस छोड़कर हो जाती थी फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जहांगीराबाद पुलिस ने स्कूटर चुराने वाली दो डांसरों को गिरफ्तार किया है। दोनों डांसरो ने अपना शौक पूरा करने बैंक कॉलोनी से दो स्कूटर चुराए थे। पहला स्कूटर चुराने के बाद उन्होंने चलाया और पेट्रोल खत्म होने पर उसे लावारिस छोड़ दिया था। इसके बाद इसी इलाके से दूसरा स्कूटर चुराकर फरार हो गई।

घटना का सीसीटीवी फुटेज मिलने के बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर उनके पास से स्कूटर जब्त की है। पुलिस के अनुसार बैंक कॉलोनी निवासी असगर खान पेंटिंग का काम करते हैं। शुक्रवार शाम उनके घर के बाहर खड़ी स्कूटर चोरी हो गई। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पता चला कि स्कूटर को दो युवतियों ने चुराया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर हुलिए के आधार पर महिला आरोपी इरम खान निवासी छोटा चंबल ऐशबाग और सादिया खान निवासी प्रताप वार्ड गांधी नगर को हिरासत में लिया। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वह शादी और पार्टियों में डांस करती हैं। थाना प्रभारी आशुतोष उपाध्याय ने बताया कि घटना का सीसीटीवी सामने आया था, उसके बाद उनकी पहचान कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी युवतियों से एक मोपेड बरामद की गई है। बैंक कॉलोनी में एक दिन गुरुवार को भी एक स्कूटर चोरी हुआ था। उक्त वाहन भी आरोपी महिलाओं ने चोरी किया था।

पारस सिटी में खोद दी सड़क, रहवासियों ने कलेक्टर से की शिकायत

भोपाल। गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र स्थित कोकता बायपास के पास बनी पारस सिटी में शनिवार को बिल्डर ने सरकारी अफसरों की मिलीभगत से पारस सिटी की सड़क खोद दी है। जबकि हाईकोर्ट की इस मामले में रोक है। सड़क खुदाई होने की वजह से आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी रविन्द्र साहू झूमरवाला ने बताया कि एसडीएम और पुलिस अफसरों की मिलीभगत से अवैध कार्य किया गया है। विरोध करने वालों को पुलिस द्वारा धमकाया जा रहा है। जिसको लेकर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को भी शिकायत दर्ज कराई गई है।

शवों को लेकर एंबुलेंस पहुंची तो ग्रामीणों ने घेरा, जांच की मांग

- सीबीआई जांच की मांग को लेकर अड़े रहे परिजन, एसडीओपी को हटाया
- एक ही चिता पर दो बच्चों ओर पिता का अंतिम संस्कार
- कलेक्टर ने मजिस्ट्रियल जांच की बात कही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मऊगंज के गडरा गांव में पिता और दो बच्चों के शव मिलने के मामले में परिजनों में पुलिस के प्रति भारी गुस्सा है। उन्होंने पुलिसकर्मियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए सीबीआई जांच की मांग की है। घटनाक्रम के दूसरे शनिवार को बवाल मचा रहा, परिजनों ने पहले तो अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। वह सीबीआई जांच और एसडीओपी को हटाने की मांग पर अड़ गए। एसडीओपी अंकिता सूल्या को आनन फानन में आईजी कार्यालय अटैच कर दिया गया।

अंतिम संस्कार हुआ तो माहौल गमगीन हो गया

विदित हो कि गडरा गांव में शुक्रवार को औसेरी साकेत (55), उसकी बेटी मीनाक्षी (11) और बेटे अमन (8) के शव घर में फंदे पर मिले थे। शव पूरी तरह सड़ और गल चुके थे। परिजनों ने आरोप लगाए हैं कि पुलिस ने पिटाई के बाद शव फंदे से लटका दिए। इसी गांव में 15 मार्च को एक युवक सनी द्विवेदी की आदिवासियों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। इसके बाद हुई हिंसा में एएसआई रामचरण गौतम की मौत हो गई थी। 15 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए थे। तब से गांव में धारा 144 लागू है और पुलिस बल तैनात हैं। भारी सुरक्षा बल तैनात होने के बावजूद इस तरह की घटना होना पुलिस की सुरक्षा पर ही सवाल खड़े कर रही है। इस घटनाक्रम में अभी भी स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह हत्या है या सुसाइड किया है। पुलिस को मौके से कोई ठोस साक्ष्य भी नहीं मिले है।

15 अप्रैल के बाद राजधानी सहित अधिकांश जिलों में भीषण गर्मी करेगी परेशान

भोपाल में अभी गर्मी ज्यादा नहीं बढ़ेगी, रात में कम-ज्यादा होगा तापमान

चिलचिलाई गर्मी : दो दिन में 3 डिग्री तक बढ़कर फिर आएगी कमी, रात में अभी राहत

प्रदेश में शनिवार को पारा सर्वाधिक 42.4 डिग्री नर्मदापुरम में दर्ज हुआ

15 के बाद मप्र में भीषण गर्मी शुरू होने की उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में अब मौसम साफ हो गया है। दिन में धूप का असर बढ़ने से गर्मी का असर बढ़ा है, जबकि रात में बादल छंटने से रात के पारे में मामूली कमी आई है।

अगले दो दिन में प्रदेश में औसतन दो से 3 डिग्री तक दिन का पारा बढ़ेगा, जिसके बाद एक बार फिर कुछ कमी आएगी। रात के तापमान में भी उतार चढ़ाव अभी रहेगा। फिलहाल, कुछ दिन अभी रात में तेज गर्मी और गर्म हवाओं से राहत रहेगी। विशेषकर भोपाल में अभी गर्मी ज्यादा नहीं बढ़ेगी, रात के तापमान में दो डिग्री तक घट बढ़ रहेगी। शहर में 15 अप्रैल के बाद प्रदेश में भीषण गर्मी का दौर शुरू होने की उम्मीद है।

टीटी नगर के माता मंदिर का दृश्य

पांच जिलों में न्यूनतम पारा 17 डिग्री से कम

शनिवार को पांच जिलों में रात का पारा 17 डिग्री से कम रहा है। सबसे कम पचमढ़ी में 14.6 डिग्री रहा। सीधी 15.2, शहडोल 15.3, शाजापुर 16.3 और सिंगरौली में न्यूनतम तापमान 16.8 डिग्री दर्ज होने से यहां रात में गर्मी से राहत रही।

भोपाल में पारा 39 डिग्री रहा

प्रदेश में शनिवार को गर्मी का पारा सर्वाधिक 42.4 डिग्री नर्मदापुरम में दर्ज हुआ, यह सामान्य से 3.9 डिग्री अधिक है। भोपाल में 1.4 डिग्री बढ़कर 39 डिग्री रहा, जो नॉर्मल से 1.8 डिग्री अधिक है। प्रदेश दिन के पारे में औसतन डेढ़ डिग्री की बढ़त के साथ औसत अधिकतम पारा 39 डिग्री रहा, जबकि रात 20 डिग्री तक रहा है। दो दिन में रात के तापमान में ज्यादा बढ़त की उम्मीद नहीं है।

नया पश्चिमी विक्षोभ 8 अप्रैल को आएगा

नया पश्चिमी विक्षोभ 8 अप्रैल को आएगा, जिसका प्रदेश में मामूली असर होगा। हालांकि, कुछ हिस्सों में बादल छाए रह सकते हैं। मौसम केंद्र के अनुसार अभी तापमान में बढ़त होगी। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अभी तापमान बढ़ेगा, इसके बाद एक बार फिर मामूली कमी होगी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलेक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930